रायपुर। मंगलवार, 03 नवम्बर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 92/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल हॉकी को दुनियाभर में लोकप्रिय बनाने में भारत ...
@ विचार भूटान की पहाड़ियों से उठी जलप्रलय की आहट...
@ व्यापार दीपावली से पहले भारतीय शेयर बाजार ने भरा दम...

राजस्थानः झुंझुनूं में सड़क निर्माण के दौरान करंट लगने से 8 मजदूरों की मौत, कई झुलसे



एजेंसी ■ जयपुर

राजस्थान के झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी इलाके के चापोली गांव में सड़क निर्माण कार्य के दौरान करंट लगने से आठ मजदूरों की मौत हो गई। इस हादसे में कई अन्य लोग भी झुलस गए हैं।

पुलिस के अनुसार, यह घटना तब हुई जब सड़क निर्माण के दौरान बजरी मिलाने वाली एक मशीन ऊपर से गुजर रही हाई-टेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गई। मशीन में बिजली का करंट फैल गया, जिसकी चपेट में वहां काम कर रहे मजदूर आ गए। मृतक मंडावरा और छापोली के रहने वाले बताए जा रहे हैं। वहीं, पांच घायलों में तीन महिलाएं शामिल हैं।

उदयपुरवाटी पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी रामपाल ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मशीन के हाई-वोल्टेज बिजली लाइन के संपर्क में आने से मजदूरों को करंट लग गया। हादसे के बाद घायलों को इलाज के लिए ले जाया गया।

इस घटना से स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया, वे मौके पर इकट्ठा हुए और विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने मौतों पर रोष प्रकट किया और निर्माण स्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की मांग की। ग्रामीणों ने वहां धरना भी दिया।

घटना के बाद पुलिस और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। मृतकों की पहचान, घायलों की स्थिति और हादसे के कारणों के बारे में अभी और जानकारी आनी बाकी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, 'झुंझुनूं में हुए हादसे में करंट लगने से श्रमिकों की असामयिक मृत्यु का समाचार दुखद है। संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार एवं प्रभावित परिवारों को तत्काल हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने तथा घटना की जांच के निर्देश दिए हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान, घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ तथा शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने का संबल प्रदान करें।

पीएम मोदी ने जताया दुख, आर्थिक मदद की घोषणा



राजस्थान के झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी इलाके के चापोली गांव में सड़क निर्माण कार्य के दौरान करंट लगने से आठ मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई लोग इस हादसे में झुलस गए हैं। इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया। इसके साथ ही उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले पीड़ित के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव का आज होगा भव्य समापन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह होंगे मुख्य अतिथि



संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, समृद्ध लोकपरंपराओं और कला-संगीत के विविध रंगों से सजे तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 का भव्य समापन आज नवा रायपुर अटल नगर स्थित राज्योत्सव मैदान में होगा। समापन समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। इस अवसर पर राज्य अलंकरण समारोह का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रदेश की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। राज्योत्सव के अंतिम दिन छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोककलाओं, शास्त्रीय नृत्य, आदिवासी संस्कृति और बॉलीवुड संगीत का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा।

राज्योत्सव के समापन दिवस पर मुख्य मंच के साथ ही शिल्पग्राम में भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विशेष श्रृंखला आयोजित की जाएगी। छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध पंडवानी गायिका पद्म उषा बारले की मनमोहक प्रस्तुति और बॉलीवुड के लोकप्रिय पार्श्व गायक अभिजीत भट्टाचार्य के गीतों से राज्योत्सव की अंतिम शाम यादगार बनेगी। वहीं शिल्पग्राम में प्रदेश के विभिन्न अंचलों के कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता और लोकजीवन की जीवंत झलक प्रस्तुत करेंगे। राज्योत्सव के अंतिम दिन 3 नवंबर को आयोजित समापन समारोह विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में प्रदेश की विभिन्न विधाओं और क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को राज्य अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा।

राज्य अलंकरण समारोह छत्तीसगढ़ की उन प्रतिभाओं के सम्मान का महत्वपूर्ण अवसर होगा, जिन्होंने अपनी साधना, परिश्रम, सृजनशीलता और उत्कृष्ट कार्यों से प्रदेश को गौरवान्वित किया है। यह सम्मान कला, संस्कृति, साहित्य और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित करने वाली प्रतिभाओं के योगदान को रेखांकित करने के साथ नई पीढ़ी को प्रेरणा भी प्रदान करेगा।

प्रैक्टिकल के नाम पर नर्सिंग छात्रों से अवैध वसूली का आरोप

जनता कांग्रेस ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन



संवाददाता ■ रायपुर

सी.जी. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, रायपुर में बी.एससी. नर्सिंग के विद्यार्थियों से प्रैक्टिकल परीक्षा के नाम पर अतिरिक्त शुल्क मांगे जाने का मामला सामने आने के बाद जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने इस मामले को गंभीरता से उठाया है। विद्यार्थियों से प्राप्त शिकायत के आधार पर जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश संगठन महामंत्री निलेश चौहान ने पहले शुक्रवार को स्वयं कॉलेज पहुंचकर विद्यार्थियों से मुलाकात की थी और कॉलेज प्रबंधन को इस प्रकार की अतिरिक्त वसूली बंद करने की चेतावनी दी थी। वहीं सोमवार को उन्होंने पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति से मुलाकात कर पूरे मामले की लिखित शिकायत की और तत्काल जांच एवं कार्रवाई की मांग की।

निलेश चौहान ने बताया कि शुक्रवार को कॉलेज पहुंचने पर विद्यार्थियों ने शिकायत की थी कि उनसे प्रैक्टिकल परीक्षा के नाम पर एक विषय के लिए 1,000 रुपये तथा दूसरे विषय के लिए 1,500 रुपये तक की अतिरिक्त राशि मांगी जा रही है।

विद्यार्थियों की शिकायत सुनने के बाद उन्होंने कॉलेज प्रबंधन से चर्चा कर स्पष्ट किया था कि परीक्षा के नाम पर विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय के निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त किसी भी प्रकार की राशि की मांग करना उचित नहीं है। उन्होंने प्रबंधन को विश्वविद्यालय के निर्देशों का पालन करने और विद्यार्थियों पर अनावश्यक आर्थिक दबाव नहीं बनाने की चेतावनी दी थी। इसके बाद आज निलेश चौहान ने विश्वविद्यालय के कुलपति से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

'राहुल गांधी मॉक पार्लियामेंट में ही प्रधानमंत्री बन सकते हैं' अमित शाह

एजेंसी ■ हैदराबाद

इंडिया गठबंधन की दिल्ली रैली के बाद अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस की दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई रैली के बाद भाजपा राजधानी दिल्ली, बिहार, पश्चिम बंगाल से लेकर हैदराबाद तक 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत ताबड़तोड़ पदयात्राएं निकाल रही है। इस क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को हैदराबाद में पदयात्रा निकाली।

इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल उस वक्त निजाम को न झुकाते, तो हैदराबाद आज भारत का हिस्सा नहीं होता। कल दिल्ली में भी एक रैली हुई थी। वो (विपक्ष) कहते हैं कि ये वोट बचाओ रैली है, लेकिन मैं कहता हूं कि ये वोट बचाओ रैली नहीं थी बल्कि घुसपैठिया बचाओ रैली थी। कांग्रेस एसआईआर को रोककर देश की मतदाता सूची में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बचाना चाहती है, लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस को जितना जोर लगाना है, लगाने दो,



भाजपा एक-एक घुसपैठिए को मतदाता सूची और देश से बाहर निकालकर ही दम लेगी।

उन्होंने कहा कि पूरी की पूरी कांग्रेस एंड कंपनी एसआईआर को रोकने में लगी है, क्योंकि ये घुसपैठिए उनका वोट बैंक हैं, लेकिन भाजपा एसआईआर के साथ मजबूती से खड़ी है। अब इस देश में वही वोट डालेगा, जो इस देश का नागरिक होगा। राहुल गांधी कहते हैं कि एसआईआर के नाम पर 13 करोड़ लोगों के वोट काट दिए गए हैं, लेकिन यह झूठ है क्योंकि 13 करोड़ वोट में से सवा छह करोड़ वोट ऐसे हैं, जो दूसरी जगह रहने चले गए हैं, क्या किसी को दो जगह वोट देने का अधिकार मिल सकता है? इसमें से 2.8 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। अब जिनकी मृत्यु हो चुकी है, उनका वोट कटना लाजिमी है। इसमें से एक करोड़ वोट ऐसे हैं, जिनकी डुप्लीकेट एंट्री हैं, मतलब अगर एक व्यक्ति के दो वोट हों, तो एक वोट अपने आप ही रद्द हो जाता है। तीन करोड़ वोट ऐसे हैं, जो हैं ही नहीं। ये बांग्लादेशी घुसपैठियों के वोट हैं।

अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा एसआईआर के कारण ही चुनाव जीतती है, लेकिन 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने, उस समय एसआईआर नहीं हुआ था। 2019 में जीते, उस समय भी एसआईआर नहीं हुआ था।

वैश्विक ऊर्जा समिट में छत्तीसगढ़ के ऊर्जा विजन को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंच पर रखेंगे सीएम विष्णु देव साय

एजेंसी ■ नई दिल्ली



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी समिट एंड एक्सपो 2026 में शामिल होने पहुंचे। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा भी मौजूद रहे। समिट में कुछ ही देर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन होगा, जिसके बाद मुख्यमंत्रियों एवं केंद्रीय मंत्रियों की राउंड टेबल चर्चा आयोजित की जाएगी।

इस वैश्विक मंच पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ के ऊर्जा विजन को प्रमुखता से प्रस्तुत करेंगे। उनका जोर राज्य को ऊर्जा उत्पादन के पारंपरिक केंद्र के साथ-साथ स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी अग्रणी बनाने पर रहेगा। मुख्यमंत्री राज्य की प्राकृतिक संसाधन क्षमता, ऊर्जा क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं, ग्रीन एनर्जी के विस्तार और भविष्य की निवेश योजनाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के सामने रखेंगे।

मुख्यमंत्री का विजन छत्तीसगढ़ को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने के साथ-साथ देश की स्वच्छ ऊर्जा यात्रा में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्थापित करना है। इसके तहत सौर ऊर्जा सहित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को प्रोत्साहन, आधुनिक ऊर्जा अधोसंरचना का विकास और निजी निवेश की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष बल रहेगा।

मुख्यमंत्री निवेशकों और उद्योग प्रतिनिधियों से संवाद कर छत्तीसगढ़ में ऊर्जा क्षेत्र की संभावनाओं तथा निवेश के अनुकूल वातावरण की जानकारी भी साझा करेंगे। उनका प्रयास राज्य की ऊर्जा क्षमता को नए निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास के अवसरों में बदलना है।

2 से 5 नवंबर तक आयोजित इस वैश्विक समिट में 130 से अधिक देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। ऐसे में छत्तीसगढ़ के लिए यह आयोजन राज्य के ऊर्जा विजन को वैश्विक पहचान दिलाने और अंतरराष्ट्रीय निवेश आकर्षित करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

परफॉरमेंस गारंटी की सड़क के क्षतिग्रस्त मिलने पर ठेकेदार और अधिकारियों को नोटिस



कबीरधाम ■ शैलेन्द्र उपाध्याय

ग्राम बानौ से कान्हाभैरा मार्ग के क्षतिग्रस्त होने की शिकायत मिलने पर लोक निर्माण विभाग के कवर्धा संभाग के कार्यपालन अभियंता, बोड़ला उप संभाग के अनुविभागीय अधिकारी एवं उप अभियंता द्वारा उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर विगत 27 अक्टूबर को संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 6.70 किलोमीटर लंबे मार्ग में विभिन्न स्थानों पर पूरी चौड़ाई में तथा कुछ स्थानों पर सड़क के बाईं ओर का हिस्सा धंसना पाया गया। जांच में सड़क की गुणवत्ता में कमी एवं क्षति सामने आने पर लोक निर्माण विभाग ने कार्रवाई करते हुए संबंधित ठेकेदार और अभियंताओं को नोटिस जारी किया है। क्षतिग्रस्त हिस्सों को उखाड़कर जीएसबी सतह से निर्धारित मापदंडों के अनुसार सुधार करने की आवश्यकता है। उक्त सड़क परफॉर्मेंस गारंटी अवधि के अंतर्गत है। लोक निर्माण विभाग ने ठेकेदार मेसर्स कन्हैया लाल अग्रवाल को सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्से को सात दिनों के भीतर सुधार कर इनके फोटोग्राफ्स कार्यपालन अभियंता को प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किया है।

तीर तेवर — सागर कुमार



तिरंगे की मनमोहक फॉर्मेशन और 'वंदे मातरम' की गूंज से देशभक्ति के रंग में रंगा आसमान

राज्यपाल रमेन डेका ने आसमान में देखा भारतीय वायु सेना का अद्भुत शौर्य

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर नवा रायपुर का आसमान आज भारतीय वायु सेना के अदम्य शौर्य, साहस, अनुशासन और अद्भुत उड़ान कौशल का साक्षी बना। सेंध लेक में आयोजित भारतीय वायु सेना की विश्वप्रसिद्ध सारंग एयरोबेटिक डिस्प्ले टीम के भव्य एयर-शो में राज्यपाल रमेन डेका शामिल हुए। इस अवसर पर आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम, गरुड़ कमांडोज और सारंग हेलीकॉप्टर



डिस्प्ले टीम के जांबाजों ने अपने साहसिक करतबों, सटीक नियंत्रण और उत्कृष्ट समन्वय से उपस्थित जनसमूह को रोमांचित कर दिया। पांच हेलीकॉप्टरों की आकर्षक फॉर्मेशन, हैरतअंगेज हवाई करतबों, आसमान में तिरंगे की मनमोहक छटा और 'वंदे मातरम' की गूंज ने पूरे वातावरण को देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना से सराबोर कर दिया।

राज्यपाल रमेन डेका ने भारतीय वायु सेना के जांबाजों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रतिष्ठित सारंग टीम का यह आयोजन हम सभी के लिए गौरव और प्रसन्नता का विषय है। वायु वीरों ने जिस साहस, अनुशासन, आत्मविश्वास और सटीक समन्वय के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन किया है, वह प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणादायी है।

यह आयोजन केवल रोमांचकारी हवाई करतबों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि भारतीय वायु सेना की उत्कृष्ट क्षमता, कठिन प्रशिक्षण, समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना का जीवंत परिचय है।

एनआईटी रायपुर का 17वां दीक्षांत समारोह आज

1,364 विद्यार्थियों को मिलेंगी उपाधियां, सात उत्कृष्टता केंद्रों का भी होगा शुभारंभ

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर का 17वां दीक्षांत समारोह आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार, रायपुर में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर संस्थान के 1,364 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। समारोह में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की महानिदेशक एवं भारत सरकार के वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सचिव डॉ. एन. कलाईसेल्वी विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में शामिल होंगी।



दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में बी.टेक. एवं बी.आर्क. के 976, मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एमसीए), मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी.) एवं मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक.) के 283 तथा पीएच.डी. के 105 शोधार्थी शामिल हैं। इस अवसर पर कुल 51 पदक प्रदान किए जाएंगे, जिनमें 25 स्वर्ण और 25 रजत पदक शामिल हैं। बी.टेक. एवं बी.आर्क. के विद्यार्थियों को 12 स्वर्ण एवं 12 रजत पदक तथा एमसीए, एम.एससी. एवं एम.टेक. के विद्यार्थियों को 13 स्वर्ण एवं 13 रजत पदक प्रदान किए जाएंगे। संस्थान का ओवरऑल टॉपर पुरस्कार बी.टेक. कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की छात्रा आत्मिका गंगेले को प्रदान किया जाएगा।

दीक्षांत समारोह के अवसर पर एनआईटी रायपुर के हीरा हॉल में सात उत्कृष्टता केंद्रों (Centres of E&cellence) का भी उद्घाटन किया जाएगा।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी इन केंद्रों का शुभारंभ करेंगे। इन सात केंद्रों में मेइटी इंडिया एआई छत्तीसगढ़ उत्कृष्टता केंद्र (MeitY IndiaAI Chhattisgarh Centre of E&cellence in Artificial Intelligence), क्रिटिकल मिनरल्स उत्कृष्टता केंद्र (Centre of E&cellence on Critical Minerals), कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स उत्कृष्टता केंद्र (Centre of E&cellence in Computational Mechanics), अंतरिक्ष एवं अंतरग्रहीय अन्वेषण केंद्र (Centre of Space and Interplanetary E&ploration), मैराल ग्रामीण एवं जनजातीय स्वास्थ्य नवाचार केंद्र (Mairal Centre for Innovation in Rural and Tribal Health), एयरोस्पेस एवं स्वायत्त प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र (Centre of E&cellence for Aerospace and Autonomous Technologies) तथा नैनोविज्ञान एवं सतत ऊर्जा प्रौद्योगिकी केंद्र (Centre for Nanoscience and Sustainable Energy Technologies) शामिल हैं।

इन केंद्रों के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, महत्वपूर्ण खनिजों, कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स, अंतरिक्ष एवं अंतरग्रहीय अनुसंधान, ग्रामीण एवं जनजातीय स्वास्थ्य, एयरोस्पेस तथा सतत ऊर्जा जैसे रणनीतिक और उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा।

रायपुर में कोयला मंत्रालय ने बांटे स्टार रेटिंग पुरस्कार



रायपुर ■ चंद्रमणि साव

कोयला मंत्रालय की ओर से रायपुर स्थित मेफेयर लेक रिसॉर्ट में स्टार रेटिंग पुरस्कार समारोह 2026 का आयोजन किया गया। इसमें वित्त वर्ष 2024-25 के मूल्यांकन के आधार पर देश की उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 50 कोयला एवं लिग्नाइट खदानों को पांच सितारा रेटिंग पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनमें 15 भूमिगत और 35 ओपनकास्ट खदानें शामिल हैं।

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने सुरक्षित, वैज्ञानिक, पर्यावरण अनुकूल और सतत खनन पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया।

छत्तीसगढ़ की पांच खदानों को भी पांच सितारा रेटिंग मिली है। इनमें स्वश्टरु की बंगवार, खैराहा और बहेराबांध भूमिगत खदानें शामिल हैं। इसके अलावा गेरे पेलमा सेक्टर-III और पारसा ईस्ट एंड कांटा बासन ओपनकास्ट खदान को भी सम्मानित किया गया।

स्टार रेटिंग के तहत खदानों का मूल्यांकन उत्पादन, सुरक्षा, तकनीकी नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कल्याण जैसे मानकों पर किया जाता है।

महानदी में रेत अवैध उत्खनन जारी

ज्ञापन के बाद भी प्रशासन मौन

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। महानदी में अवैध रेत उत्खनन का खेल एक बार फिर जोर पकड़ने लगा है। मौसम का मिजाज सामान्य होते ही रेत माफिया सक्रिय हो गए हैं। सुबह पांच बजे से ही नदी-नालों के किनारे ट्रैक्टरों की आवाजाही शुरू हो जाती है। रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन की शिकायतों के बावजूद संबंधित विभागों की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। ऐसे में प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।



कुछ दिनों पूर्व शिवरीनारायण में रेत खदान से अवैध उत्खनन को लेकर जमकर विरोध हुआ था। इस संबंध में संबंधित विभागों को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की गई थी। लेकिन ज्ञापन के बाद भी स्थिति में कोई खास बदलाव नजर नहीं आ रहा है। लोगों का आरोप है कि रेत उत्खनन का अवैध कारोबार लगातार जारी है और जिम्मेदार विभाग मूकदर्शक बने हुए हैं।

सुबह होते ही नदी में पहुंचने लगते हैं ट्रैक्टर

तूफान के गुजरने और मौसम साफ होने के बाद महानदी के तटों पर जमा रेत पर माफियाओं की नजरें टिक गई हैं। सुबह पांच बजे से ही ट्रैक्टरों के जरिए रेत निकालने और परिवहन करने की शिकायतें सामने आ रही हैं। नदी के किनारों पर चल रही इस गतिविधि ने प्रशासनिक निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अधिकारियों से कथित सांठगांठ की चर्चा

क्षेत्र में रेत माफियाओं और संबंधित अधिकारियों के बीच कथित सांठगांठ को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। लोगों का कहना है कि यदि अवैध उत्खनन लगातार जारी है, तो आखिर जिम्मेदार विभाग कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं? हालांकि, विभागीय मिलीभगत के आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

ऋषभ शिक्षण संस्थान बनाहिल में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया, साइबर जागरूकता का संदेश

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर ग्राम बनाहिल स्थित ऋषभ शिक्षण संस्थान में राष्ट्रीय एकता, सड़क सुरक्षा एवं साइबर अपराध जागरूकता विषय पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद कमलेश जांगड़े ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की एकता और अखंडता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने एनसीसी कैडेट्स, रासेयो स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अनुशासन, समर्पण और सेवा भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि मुलमुला थाना प्रभारी शिवानंद सिंह ने सड़क सुरक्षा एवं साइबर अपराधों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया।

उन्होंने यातायात नियमों का पालन करने, वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग करने तथा मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी से सतर्क रहने की समझाइश दी।

उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं जागरूक रहने के साथ अपने परिवार और समाज को भी सुरक्षित रखने की अपील की।कार्यक्रम के अंतर्गत ऋषभ विद्योदय महाविद्यालय, बनाहिल के एनसीसी कैडेट्स एवं रासेयो स्वयंसेवकों के साथ शासकीय डॉ. इंद्रजीत सिंह महाविद्यालय, अकलतरा की एनसीसी इकाई ने भी सहभागिता की।

एएनओ डॉ. सुनील साहू, अरविंद मिरी एवं अनुज जैन के निर्देशन में दोनों संस्थानों के कैडेट्स और स्वयंसेवकों ने ग्राम बनाहिल के चौक-चौराहों पर देशभक्ति रैली निकालकर राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया।

अनुपस्थिति पर पटवारी धर्मेंद्र यादव निलंबित

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। जिले में कर्तव्य में लापरवाही एवं अनधिकृत अनुपस्थिति तथा पूर्व में अपराध पंजीबद्ध होने के अलग-अलग मामलों में दो पटवारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शिवरीनारायण एवं जांजगीर द्वारा जारी आदेश के अनुसार धर्मेंद्र यादव को कर्तव्य में लापरवाही एवं अनधिकृत अनुपस्थिति तथा ज्योतिष कुमार सर्वे को उनके विरुद्ध पूर्व में पंजीबद्ध अपराध के मामले में निलंबित किया गया है।

धर्मेंद्र यादव, पटवारी हल्का नंबर 13, तहसील शिवरीनारायण के विरुद्ध कर्तव्य में लापरवाही एवं अनधिकृत अनुपस्थिति के कारण कार्रवाई की गई है। उनकी अनुपस्थिति से नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, फौती, अभिलेख दुरुस्ती, धान फसल का डिजिटल क्रॉप सर्वे, फसल गिरदावरी, धान खरीदी एवं अन्य महत्वपूर्ण शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे थे। पूर्व में कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए जाने के बावजूद अपेक्षित गंभीरता नहीं दर्शाने पर उन्हें निलंबित करते हुए विभागीय जांच संस्थित की गई है।

इसी प्रकार ज्योतिष कुमार सर्वे, पटवारी तहसील जांजगीर के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली जांजगीर में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3(2) के तहत वर्ष 2025 में अपराध पंजीबद्ध किया गया था। उक्त आपराधिक प्रकरण के अन्वेषणाधीन होने एवं शासकीय सेवक के पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

जिले में कुल 156 पटवारियों में से 15 पटवारी काम पर वापस लौट आए हैं। इनमें 13 परिवीक्षाधीन पटवारी एवं 02 ऐसे पटवारी शामिल हैं, जो हड़ताल में शामिल नहीं हुए थे। शेष पटवारियों को ब्रेक इन सर्विस का नोटिस जारी किया गया है।

निलंबन अवधि में दोनों पटवारियों का मुख्यालय संबंधित तहसील कार्यालय निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। दोनों निलंबन आदेश तत्काल प्रभावशील होंगे।

श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन को मधुर और सार्थक बनाती है : पं. मनोज शर्मा

विश्व केसरी■

कोतियादिः (नीरज शर्मा)। मानव मात्र को परम सुख और परम शांति की प्राप्ति अध्यात्म के माध्यम से ही संभव है। अध्यात्म का संपूर्ण सार श्रीमद्भागवत कथा में समाहित है। भागवत कथा मनुष्य को जीवन जीने की कला सिखाती है तथा ज्ञान, भक्ति और वैराग्य के माध्यम से परमात्मा से जुड़ने का मार्ग प्रशस्त करती है। यह बात खैरागढ़ से पधारे कथा व्यास पं. मनोज शर्मा अध्यात्मवेत्ता ने श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें, छठवें एवं सातवें दिवस के प्रसंगों में कही।

स्व. कनीराम साहू की पुण्य स्मृति में 27 अक्टूबर से 4 नवंबर तक आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन जगदीश प्रसाद साहू, जागेश्वर साहू एवं रामेश्वर साहू द्वारा किया जा रहा है। संगीतमय कथा का रसपान करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।



पं. मनोज शर्मा ने रुक्मणी विवाह प्रसंग की व्याख्या करते हुए कहा कि रुक्मणी विवाह सामान्य विवाह की कथा नहीं, बल्कि शुद्ध जीव का ईश्वर से मिलन है। भक्ति और भगवान के मिलन का यह प्रसंग साधक को सांसारिक चिंताओं से मुक्त होकर भगवत चिंतन का आश्रय लेने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का मूल उद्देश्य जीव को भगवत गति प्रदान करना है। जब तक शरीर में चेतना है, तब तक भगवत रस का पान करते रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मनुष्य के पास जीवन तो है, लेकिन जीवन जीने की कला का अभाव है। भागवत कथा मनुष्य को जीवन जीना सिखाती है। सत्य, प्रेम, भक्ति और करुणा के भाव से ही ईश्वर की अनुभूति संभव है। भगवान श्रीकृष्ण सच्चिदानंद स्वरूप और परमानंद हैं। भगवान की कथा जीव मात्र की व्यथा को दूर करती है।

द्वारका लीला और सुदामा चरित का भावपूर्ण वर्णन

छठवें दिवस की कथा में भगवान श्रीकृष्ण की द्वारका लीला का वर्णन करते हुए पं. शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने लोक कल्याण के लिए लीलाएं कीं। वेदव्यास जी के ब्रह्मसूत्र में वर्णित 'लोकवत्तु लीला कैवल्यम्' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान की प्रत्येक लीला लोक कल्याण की भावना से प्रेरित है।

उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण द्वारा भौमासुर के बंधन से 16 हजार 100 स्त्रियों को मुक्त कराकर उन्हें सम्मान प्रदान करने का प्रसंग सुनाया।

साथ ही सुदामा चरित के माध्यम से मित्रता, समर्पण और दान की महिमा बताई।

एनसीसी कैडेट्स ने किया जिला सेनानी, नगर सेना, अग्निशमन महासमुंद का शैक्षणिक भ्रमण



रायपुर (संवाददाता)। लखौली, 1 CG नेवल यूनिट NCC, रायपुर द्वारा लखौली में आयोजित MENU 2026 कैंप के छठे दिन NCC कैडेट्स एवं नौसेना के PI स्टाफ द्वारा कार्यालय जिला सेनानी, नगर सेना एवं जिला अग्निशमन अधिकारी, महासमुंद का शैक्षणिक भ्रमण किया गया।

इस भ्रमण का उद्देश्य कैडेट्स को नगर सेना एवं अग्निशमन विभाग की कार्यप्रणाली, जिम्मेदारियों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका से परिचित कराना था। इस दौरान कैडेट्स को अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन प्रतिक्रिया, राहत एवं बचाव कार्यों तथा आपदा प्रबंधन से संबंधित जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला।

5 नवंबर को सीएचओ का प्रदेशव्यापी आंदोलन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय का करेंगे घेराव

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ प्रदेश सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संघ के आह्वान पर पूरे प्रदेश के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी 5 नवंबर को स्वास्थ्य भवन नवा रायपुर स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय का घेराव करेंगे। लंबित प्रोत्साहन राशि का भुगतान नहीं होने, इंसेंटिव घोटाले के नाम पर केवल सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को निशाना बनाकर कथित द्वेषपूर्ण कार्रवाई करने, कार्यों के अत्यधिक बोझ, अस्पष्ट कार्य-दायित्वों तथा विभिन्न जिलों में नौकरी से निकालने की धमकियों के विरोध में यह प्रदेशव्यापी आंदोलन आयोजित किया जाएगा।

संघ ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रदेश के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (CHO) को



केवल अपनी प्रोत्साहन राशि का समय पर भुगतान प्राप्त करने के लिए विगत 3-4 वर्षों से लगातार आंदोलन, ज्ञापन एवं विरोध प्रदर्शन करने पड़ रहे हैं। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस प्रोत्साहन राशि का भुगतान शासन एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक माह समय पर होना चाहिए, उसके लिए कर्मचारियों को बार-बार सड़क पर उतरने विवश होना पड़ रहा है।

संघ के अनुसार, राज्य कार्यालय द्वारा प्रत्येक वर्ष एवं समय-समय पर प्रोत्साहन राशि के सत्यापन और भुगतान के लिए स्पष्ट निर्देश एवं आदेश जारी किए जाते हैं। यहां तक कि प्रत्येक माह की 10 तारीख तक PLP पोर्टल के माध्यम से सत्यापन कर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके बावजूद जिला एवं ब्लॉक स्तर के जिम्मेदार अधिकारी राज्य कार्यालय के आदेशों का गंभीरता से पालन नहीं करते। भुगतान एवं सत्यापन में महीनों की देरी तथा पोर्टल संबंधी अनियमितताएं लगातार बनी हुई है। ऐसी स्थिति में राज्य कार्यालय के आदेशों का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन नहीं होना प्रदेश की एक गंभीर प्रशासनिक चुनौती बन चुका है। उच्च कार्यालय के निर्देशों की बार-बार अनदेखी से ऐसा प्रतीत होता है कि जिला एवं ब्लॉक स्तर पर इन आदेशों की कोई जवाबदेही ही निर्धारित नहीं है।

संघ ने यह भी आरोप लगाया है कि इंसेंटिव घोटाले के नाम पर जारी आदेशों एवं जांच संबंधी कार्रवाई में केवल सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को लक्षित किया जा रहा है, जबकि प्रोत्साहन राशि संस्थागत प्रदर्शन एवं उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर के विभिन्न स्वास्थ्य संकेतकों पर आधारित होती है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-: : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /.....36693...../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 02-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36693
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652G00590 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती MINAKSHI SAHU पिता/पति श्री श्रीमती SHRIKANT SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती RENUKA BHASKAR पिता/पति श्री/श्रीमती JOGU RAM BHASKAR ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-: : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /.....36744...../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 02-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36744
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR653B0113B जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती ANUP KUMAR SHUKLA पिता / पति श्री/श्रीमती LATE. DEVI SAHAY SHUKLA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती POONAM PANDEY पिता/पति श्री/श्रीमती W/O SURESH KUMAR PANDEY ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SAHMATI PATRA OR MALMA BIKRINAMA / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-: : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36745..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 02-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36745
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652B00605 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती UTTAM DAS पिता / पति श्री श्रीमती RADHA WALLAM DAS के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती TABREZ MOHAMMAD पिता/पति श्री/श्रीमती S/O JAN KADIM MOHAMMAD ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-: : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36736..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 02-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36736
वार्ड का नाम - 61 - श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR663M00117 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती Dukalha Ram Dhritlahar पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती LALITA DHRITLAHRE पिता / पति श्री/श्रीमती W/O LT. DUKALHA RAM DHRITLAHRE ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SHAPATH PATRA, SAHMATI PATRA AND DEATH CERTIFICATE OR PANCHNAMA / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 : विभागों की प्रदर्शनी में लोगों की उमड़ रही भीड़

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ राज्य के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर अटल नगर, नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव मैदान में 01 से 03 नवंबर 2026 तक आयोजित 'राज्योत्सव-2026' में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का प्रदर्शनी स्टॉल लोगों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस वर्ष आयोजित राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभागों के साथ-साथ सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित उपक्रमों एनटीपीसी, एसईसीएल, सेल, बीएसएनएल सहित अनेक संस्थानों द्वारा अपनी उपलब्धियों एवं गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए आकर्षक स्टॉल लगाए गए हैं। इसी क्रम में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 'हमर रेलवे, हमर छत्तीसगढ़' थीम पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी स्टॉल तैयार किया गया है, जहां रेलवे की विकास यात्रा, उपलब्धियों, आधुनिक तकनीक और भविष्य की योजनाओं को रोचक एवं तकनीक आधारित माध्यमों से प्रस्तुत किया जा रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के इस स्टॉल में आकर्षक बैकलिट पैनल्स के माध्यम से रेलवे की प्रमुख उपलब्धियों, अधोसंरचना विकास, नई रेल लाइन परियोजनाओं, पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं एवं वर्तमान में प्रगतिरत परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदर्शित की गई है। वहीं, स्टॉल में स्थापित आरएस वॉल्व सिमुलेटर आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है। इसके माध्यम से बच्चे, युवा एवं अन्य आगंतुक ट्रेन के इंजन के संचालन का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। यह अनुभव उन्हें रेल परिचालन की तकनीकी कार्यप्रणाली को करीब से समझने का अवसर प्रदान कर रहा है।

रायपुर रेलवे स्टेशन पर जारी मेजर रि-डेवलपमेंट कार्य तथा पुनर्विकास के बाद स्टेशन के प्रस्तावित आधुनिक एवं भव्य स्वरूप को दर्शाता आकर्षक मॉडल भी लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। इसके साथ ही एक बड़ी स्क्रीन पर रायपुर स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की वॉक-थ्रू फिल्म प्रदर्शित की जा रही है, जिसके माध्यम से आगंतुक स्टेशन के भावी स्वरूप एवं आधुनिक यात्री सुविधाओं की झलक देख पा रहे हैं।

स्टॉल के प्रवेश द्वार पर लगाई गई बड़ी डिजिटल स्क्रीन पर रेलवे से संबंधित रोचक क्विज आयोजित किया जा रहा है। इसमें विशेष रूप से बच्चों एवं युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिल रही है। क्विज के माध्यम से वे भारतीय रेलवे एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संबंधित अपने ज्ञान को बढ़ा रहे हैं। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जा रहा है।

बच्चों एवं युवाओं के मनोरंजन और तकनीक से जुड़ाव को ध्यान में रखते हुए स्टॉल में विशेष वीआर गेम जोन भी बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में पुनर्विकास का कार्य पूर्ण कर चुके रेलवे स्टेशनों की आकर्षक पृष्ठभूमि के साथ सेल्फी लेने तथा तत्काल उसका प्रिंट प्राप्त करने की सुविधा आगंतुकों को एक नया और यादगार अनुभव प्रदान कर रही है।

डिजिटल सेवाओं ने खींचा लोगों का ध्यान



छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के अवसर पर नवा रायपुर में आयोजित प्रदर्शनी में राजस्व विभाग का स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिक राजस्व विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही डिजिटल एवं ऑनलाइन सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। प्रदर्शनी में जियो रेफरेंसिंग, ऑटो म्यूटेशन, ऑनलाइन नामांतरण, बंटवारा और राजस्व अभिलेखों के डिजिटलीकरण जैसी सुविधाओं को प्रदर्शित किया गया है। इन सुविधाओं के प्रति लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि राजस्व विभाग की ऑनलाइन सेवाओं से अब सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने की परेशानी कम हो रही है। इससे समय और धन दोनों की बचत के साथ आम नागरिकों को राहत मिल रही है।

राज्योत्सव में पहुंचे बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सिमगा विकासखंड अंतर्गत ग्राम सकलोर निवासी दिलीप वर्मा और वेदराम वर्मा सहित अन्य ग्रामीणों ने राजस्व विभाग की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने ऑनलाइन सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि पहले छोटे-छोटे राजस्व संबंधी कार्यों के लिए तहसील और अन्य कार्यालयों के कई चक्कर लगाने पड़ते थे। इससे समय और धन दोनों खर्च होते थे।

आर्थिक एवं सांख्यिकी का स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र



छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 में योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग का स्टॉल आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। विभाग द्वारा स्टॉल में विभिन्न योजनाओं, कार्यों, उपलब्धियों एवं नवाचारों पर आधारित रोचक और जानकारीपूर्ण प्रदर्शनी लगाई गई है। आकर्षक सूचना बोर्डों, एलईडी स्क्रीन पर प्रदर्शित वीडियो फिल्मों तथा डिजिटल प्रश्नोत्तरी के माध्यम से आगंतुकों को विभागीय गतिविधियों और राज्य के विकास में सांख्यिकीय आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका से परिचित कराया जा रहा है। विभागीय स्टॉल में जन्म-मृत्यु पंजीकरण, आर्थिक सर्वेक्षण, आकांक्षी जिला कार्यक्रम, सकल राज्य घरेलू उत्पाद का अनुमान, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण, सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (सांसद निधि) एवं विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (विधायक निधि) सहित विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों की जानकारी आकर्षक सूचना बोर्डों के माध्यम से प्रदर्शित की जा रही है। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से नागरिकों को विभाग की कार्यप्रणाली, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में विभाग के योगदान की जानकारी मिल रही है।

छत्तीसगढ़ में श्रमिकों के अधिकारों को बड़ा संरक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग ने राज्य के श्रमिकों और कर्मचारियों के सामाजिक सुरक्षा अधिकारों को और अधिक मजबूत व प्रभावी बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य शासन द्वारा 'सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020' के प्रावधानों के तहत छत्तीसगढ़ सामाजिक सुरक्षा नियम, 2026 को आधिकारिक रूप से अधिसूचित कर दिया गया है। इस संबंध में श्रम विभाग, मंत्रालय (महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर) द्वारा गत 30 अक्टूबर 2026 को राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि इन नए नियमों का प्रारूप पहले 10 अप्रैल 2026 को राजपत्र में प्रकाशित किया गया था, जिसके माध्यम से आम जनता, संबंधित संस्थाओं, हितधारकों और अन्य पक्षों से आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित किए गए थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिमगा में सिजेरियन डिलीवरी सुविधा ज़ारी



विश्व केसरी■

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। सिमगा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्भवती महिलाओं की बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को ध्यान में रखा जा रहा है। पूर्व निर्धारित सिजेरियन डिलीवरी की व्यवस्था प्रारंभ होने से क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को आवश्यकता के अनुसार सिजेरियन डिलीवरी की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो रही है ।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन मे स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के प्रयासों के तहत जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार अवस्थी के निर्देशन तथा खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारसनाथ पटेल के समन्वय से सिमगा में यह व्यवस्था प्रारंभ की गई है। शुरुआत से अब तक 4 ऐसे प्रसव कराए गए हैं जिसमें सभी जच्चा-बच्चा स्वस्थ हैं। आगे भी यह ज़ारी रहेगा । इस सुविधा का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को समय पर आवश्यक प्रसव सेवाएं उपलब्ध कराना तथा सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देना है। यह सिजेरियन डिलीवरी विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श एवं जरूरत के आधार पर निर्धारित की जाती है। इससे पात्र गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के लिए तैयारी तथा आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

95 लाख की नल जल योजना फेल, ग्रामीण प्यासे

विश्व केसरी■



भटगांव (रामदास कुर्रे)। हर घर जल पहुंचाने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा करोड़ो करोड़ो रुपये खर्च किया जा रहा है, लेकिन विभागीय उदासिनता एवं भ्रष्टाचार के कारण नल जल जैसे महत्वपूर्ण योजना असफलता की भेंट चढ़ गया है। नल जल योजना का स्वच्छ पेय जल वास्तविक में कितने गांव के घर में जल पहुंच रहा है जांच का विषय है।

कायदा से पहले बोर कराकर सम्बंधित गांव के जल स्तर को देखने के बाद पानी टंकी एवं पाइप लाइन के लिये गांव के गली को खोदना चाहिये। लेकिन ठेकादार द्वारा पहले टंकी बनाना और गांव के गली को पाइप लाइन बिछाने के लिये खोद दिया गया और बाद में बोर खनन किया गया जिसमे बोर ही सूखा हो गया जिससे सभी कार्य की उपयोगिता शून्य हो गया और शासन के लाखो रुपये फंस गया और ऊपर से गांव के गली की सुन्दरता भी बिगड़ गया। इस प्रकार के क्रियाकलाप से अब आलम यह हो गया है कि लोग पानी टंकी देखकर प्यास बुझा रहे है।

जल जीवन मिशन के तहत एकल ग्राम नल जल योजना से ग्राम बन्दारी में पानी टंकी बनाकर ग्रामवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु लगभग 95 लाख 77 हजार की स्वीकृति दिया गया था। जिसका निर्माण एजेसी आर्या कंट्रक्शन कम्पनी था और क्रियान्वयन एजेंसी जिला जल स्वच्छता समिति जिला बलौदाबाजार था। जिसमें ठेकादार द्वारा घटिया एवं गुणवत्ताहिन निर्माण कर दिया और मौके में आधा अधूरा निर्माण कार्य को पूर्ण बताकर ग्राम पंचायत को सौप भी दिया गया है। अभी पानी टंकी की सेटिंग भी पूर्ण रुप से नही निकाला गया है और पानी टंकी के लिये बनाये गये सिढ़ी के रेलिंग टुट फूट गया है और महज 02 साल हो रहा है। ठेकादार द्वारा कार्य पूर्णत: 28 फरवरी 2024 को दर्ज कर लिया गया है। जिसमें ठेकादार द्वारा गांव के एक रिजेक्ट बोर में पानी पम्प लगा दिया गया है जिसमें का पानी गेरवा कलर निकलता है और गांव वाले इस पानी का उपयोग भी नही करते है। ठेकादार को नया बोर खनन करना था लेकिन ठेकादार द्वारा गांव वाले रिजेक्ट बोर मानते है उसमें पानी पम्प डालकर अपना काम इतिश्री कर लिया गया है। क्या इस प्रकार के कार्य से ग्रामवासियों को स्वच्छ पेयजल मिल पायेगा। बोर के पानी पाम्प बंद पड़ा हुआ है। कार्य के भौतिक स्थिति का जायजा लिये बिना लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जिम्मेदार अधिकारी द्वारा कार्य का मूल्यांकन सत्यापन कर दिया गया है। जिसमें स्पष्ट छलकता है कि लेनी देनी कर ठेकादार का बिल पास कर शासन के आंखो में धूल झोकर ग्रामीणों को प्यासा रखा गया है।

तूफान की आशंका से किसानों की बढ़ी चिंता

विश्व केसरी■

आरंग (पवन साहू)। अर्णव चक्रवाती तूफान की बारिश से उबर भी नहीं पाए थे कि किसानों के सामने एक बार फिर मौसम की नई चुनौती खड़ी हो गई है। बंगाल की खाड़ी में बने अवदाब के चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की प्रबल संभावना ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है।

मौसम संबंधी पूर्वानुमान के अनुसार अगले 24 घंटे में इसके तूफान का रूप लेने और 2 नवंबर की शाम आंध्र प्रदेश तट तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। इसके प्रभाव से 5 नवंबर तक रायपुर सहित दक्षिण छत्तीसगढ़ में बारिश होने की आशंका है। ऐसे में पहले से ही खेतों में जलभराव और फसल क्षति की मार झेल रहे किसानों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। गौरतलब है कि 28 और 29 अक्टूबर को आए अर्णव तूफान के दौरान हुई लगातार बारिश ने धान की फसल को काफी प्रभावित किया है। कई खेतों में पानी भरने से फसल जमीन पर बिछ गई है। कहीं धान की बालियां पानी में डूबी हैं तो कहीं पकने की कगार पर खड़ी फसल को बचाने किसान डीजल पंपों से खेतों का पानी निकालने में जुटे हैं। किसान किसी तरह अपनी महीनों की मेहनत बचाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन एक और तूफान की आशंका ने उनकी उम्मीदों पर चिंता के बादल खड़े कर दिए हैं। मौसम की इस मार के बीच सबसे गंभीर सवाल उन भूमिहीन और छोटे किसानों का है, जो दूसरे की जमीन रेगहा-अधिया पर लेकर खेती करते हैं। ऐसे किसानों को बीज, खाद, दवाई, जुताई, मजदूरी और सिंचाई सहित खेती का पूरा खर्च अपनी जेब से उठाना पड़ता है। फसल तैयार होने पर उपज का निर्धारित हिस्सा जमीन मालिक को देना होता है। इसके बावजूद जमीन के सरकारी दस्तावेजों में उनका नाम दर्ज नहीं रहता। ऐसे में यदि अतिवृष्टि, बाढ़ या तूफान से फसल बर्बाद होती है तो मुआवजा किसे मिलेगा? सरकारी रिकॉर्ड में जमीन मालिक का नाम होने के कारण वास्तविक खेती करने वाले किसान राहत से वंचित तो नहीं रह जाएंगे?

दिव्यांग बच्चों के लिए उपकरण आंकलन एवं मूल्यांकन शिविर का आयोजन



विश्व केसरी■

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। समग्र शिक्षा संचालक एवं कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार एलिम्को टीम रायपुर और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से शासकीय विद्यालयों एवं पीएमश्री विद्यालयों में अध्ययनरत् दिव्यागं बच्चों के लिए आकंलन एवं मूल्याकन शिविर नगरभवन बलौदाबाजार में आयोजित किया गया। नगर भवन बलौदाबाजार मे संयुक्त रूप से आयोजित शिविर मे विकासखंड बलौदाबाजार, कसडोल एवं पलारी के बच्चे शामिल हुए। शिविर का उददेश्य बच्चों की दिव्यांगता का आंकलन कर प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराना तथा जरूरत के अनुसार सहायक उपकरणों के लिए चिन्हांकन करना था।

लोमस ऋषि आश्रम में प्राचीन पीपल वृक्ष गिरा

विश्व केसरी■



नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। त्रिवेणी संगम तट पर स्थित लोमस ऋषि आश्रम में प्राचीन देव वृक्ष पीपल पिछले दिनों महानदी में आए भीषण बाढ़ के चलते क्षतिग्रस्त हो गया।आश्रम से संबंधित लोगों का कहना है कि उक्त वृक्ष सैकड़ो साल पुराना है जो कि इस बार भीषण बाढ़ के चलते क्षतिग्रस्त होकर मंदिर के गुंबद पर गिरकर टिका हुआ है। जिससे मंदिर क्षतिग्रस्त होने की आशंका बनी हुई है, साथ ही साथ मंदिर में आम दर्शनार्थियों को भी जान का खतरा बना हुआ है इस बात की जानकारी मंदिर से समिति से संबंधित लोगों को जानकारी होने के बावजूद अभी एक माह बीत जाने के बावजूद क्षतिग्रस्त वृक्ष को व्यवस्थित करने के कार्रवाई नहीं किया गया है, जिससे लोगों में खतरा बना हुआ है। नागरिकों एवं दर्शनार्थियों ने प्रशासन से उक्त क्षतिग्रस्त वृक्ष को अतिशीघ्र वहां से हटकर मंदिर को सुरक्षित एवं व्यवस्थित करने की मांग की है।

आ रहा है खतरनाक चक्रवाती तूफान मुरासु! छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में होगी भारी बारिश, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

विश्व केसरी■



चकरदा/सरसींवा (सोनू साहू)। देश में चक्रवात अर्नब का असर खत्म ही नहीं हुआ था कि अब एक और तूफान दस्तक देने वाला है। बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहा चक्रवाती तूफान 'मुरासु' तेजी से ताकतवर हो रहा है। दो नवंबर तक यह प्रचंड चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। इसके प्रभाव से दक्षिण भारत के राज्यों के साथ मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की आशंका है। वहीं, कुछ इलाकों में तेज आंधी, बिजली गिरने और 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, एक नवंबर को गहन अवदाब और अधिक तीव्र होकर चक्रवाती तूफान मुरासु में बदल गया। फिलहाल यह दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे लगे पश्चिम-मध्य हिस्से में केंद्रित है। इसके पश्चिम-उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और दो नवंबर की सुबह तक और अधिक ताकतवर होने की संभावना है। इसके बाद यह प्रचंड चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। तूफान के दो नवंबर की आधी रात से तीन नवंबर के बीच दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तट पर नेल्लोर और नरसापुर के बीच टकराने की आशंका है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इसके प्रभाव से आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, ओडिशा समेत कई राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, कुछ इलाकों में तेज आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है।

छत्तीसगढ़ में तीन और चार नवंबर को भारी बारिश - चक्रवाती तूफान का असर छत्तीसगढ़ में भी देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने तीन और चार नवंबर को राज्य के कई हिस्सों में व्यापक बारिश का अनुमान जताया है। इस दौरान कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ आंधी चलने और बिजली गिरने की आशंका है। हवाओं की रफ्तार 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इसके अलावा एक और दो नवंबर तथा पांच से सात नवंबर के दौरान भी प्रदेश में कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है।

अयोध्या के संतों का आरंग में भव्य स्वागत

विश्व केसरी■



आरंग (पवन साहू)। श्रीराम वनगमन मार्ग के 114वें पड़ाव बागेश्वर नाथ महादेव मंदिर में स्थित श्रीराम चरण पादुका के दर्शन हेतु अयोध्या से पधारे संतों का पंचमुखी महादेव के पास भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद उनका आगमन श्री बागेश्वर नाथ महादेव मंदिर में हुआ। वहां भगवान के पूजन-दर्शन के उपरांत श्री रेवती रमण मंदिर और श्री गोपाल संस्कृत प्रचारिणी सभा ट्रस्ट द्वारा श्रीरामचरितमानस ग्रंथ भेंट किया गया। श्री बागेश्वर नाथ महादेव मंदिर ट्रस्ट द्वारा आदरपूर्वक भोजन कराया गया। रात्रि विश्राम की व्यवस्था श्री राधाकृष्ण मंदिर ट्रस्ट द्वारा मंदिर परिसर में की गई। इस पावन अवसर पर विभिन्न मंदिरों के सदस्यगण व नगर के धर्मप्रेमी बंधु संदीप शर्मा, हरीश दीवान, बृजेश सोनी, पंकज शुक्ला, तेजराम जलक्षत्री, रमन जलक्षत्री, राजेश साहू, सावन शुक्ला, आशुतोष द्वारकानी, धनंजय लोधी, बिसाहू चंद्राकर, बांके बिहारी अग्रवाल, जगमोहन सोनकर, सतीश भूतड़ा, अर्पित चौधरी, बृजेश अग्रवाल, बलराम साहू, योगेश तिवारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। संतों ने इस स्वागत और आतिथ्य पर हर्ष व्यक्त किया। दूसरे दिन संत श्रीराम वनगमन मार्ग के अगले पड़ाव फिंगेश्वर की ओर प्रस्थान किए।

संपादकीय

राहुल लीला फेल या पास जनता तय करेगी

राकेश अचल

रामलीला मैदान में राहुल लीला का नया इतिहास !आइडिया ऑफ इंडिया पर जनता की मुहर, अब सरकार की बारी है.सरकार कहती है कि राहुल लीला देखने 15-20 हजार लोग भी नहीं पहुंचे ? सयकारी पार्टी के प्रवक्ता ऐसा कडवा सच कैसे बोलते हैं ये जनता को तय करना है.रामलीला मैदान में रविवार को राहुल लीला ने भारतीय राजनीति के सामने एक नया अध्याय खोल दिया। सवाल सिर्फ यह नहीं है कि रामलीला मैदान में कितने लोग पहुंचे, सवाल यह है कि वहां उठाए गए मुद्दे कितनी दूर तक जाएंगे ?

दो दिन पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर प्रतीकात्मक जनमहाभियोग हुआ। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने उसकी अध्यक्षता की। और आज दिल्ली की सड़कों से लेकर रामलीला मैदान तक इंडिया गठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोला था.

राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी और महबूबा मुफ्ती सहित विपक्ष के कई बड़े चेहरे एक मंच पर दिखाई दिए। यह सिर्फ कांग्रेस का कार्यक्रम नहीं था। यह इंडिया गठबंधन की सामूहिक राजनीतिक मौजूदगी का प्रदर्शन था।और इस पूरी कवायद का केंद्रीय नारा था - आइडिया ऑफ इंडिया !यानी भारत किसी एक पार्टी, एक विचारधारा या एक नेता की निजी जागीर नहीं है। भारत का विचार संविधान, लोकतंत्र, विविधता और नागरिकों के बराबर अधिकारों से बनता है।

इस रैली में विपक्ष ने चुनाव आयोग पर वोट चोरी और मतदाता सूची में गड़बड़ियों के गंभीर लेकिन पुराने आरोप लगाए। राहुल गांधी ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद 13.5 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए। उन्होंने इसे चुनावी लोकतंत्र के लिए गंभीर सवाल बताया। ध्यान रहे, यह राहुल गांधी का आरोप और आंकड़ों की उनकी व्याख्या है; चुनाव आयोग का पक्ष है कि एस आई आर में डुप्लीकेट और अपात्र नाम हटाए जा रहे हैं तथा गलत तरीके से नाम हटने पर पुन: पंजीकरण का रास्ता मौजूद है।



राहुल गांधी ने रामलीला मैदान से कहा कि ज्ञानेश कुमार को पद से हटाना पहला कदम होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। यह भाषण केवल चुनाव आयुक्त के इस्तीफे तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सत्ता और चुनावी संस्थाओं की जवाबदेही का सवाल भी बन गया।अब सवाल है कि क्या सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग पर विचार करेगी या बचाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाएगी ?

यहां एक संवैधानिक पेंच भी समझना जरूरी है। मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाना किसी सामान्य सरकारी अधिकारी को हटाने जैसा नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत उन्हें सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जैसी प्रक्रिया और आधार पर ही हटाया जा सकता है। इसके लिए संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत और निर्धारित जांच प्रक्रिया जरूरी है। इसलिए रामलीला मैदान का जनदबाव राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन वह अपने आप संवैधानिक प्रक्रिया पूरी नहीं कर सकता।

इस पूरी राहुल लीला में एक और दिलचस्प किरदार सामने आया है - मल्लिकार्जुन खड़गे !

कांग्रेस अध्यक्ष ही नहीं, इंडिया गठबंधन के इस राजनीतिक अभियान में खड़गे की भूमिका भी निर्णायक दिखाई दी। एक दिन पहले उनके आवास पर जनमहाभियोग का आयोजन और आज मंच पर उनकी मौजूदगी ने उन्हें इस विपक्षी मुहिम का एक केंद्रीय चेहरा बना दिया। कह सकते हैं कि राहुल गांधी के इस राजनीतिक खेल में खड़गे को भी फाइनल बॉस की भूमिका में पेश किया गया है।

लेकिन असली सवाल अभी बाकी है। क्या आज का जनसैलाब सरकार को मध्यावधि चुनाव के लिए मजबूर कर सकता है ?

इसका जवाब है कि केवल किसी रैली की भीड़ से सरकार नहीं गिरती और न ही मध्यावधि चुनाव अपने आप घोषित हो जाते हैं। इसके लिए लोकसभा में सरकार का बहुमत समाप्त होना, सरकार का इस्तीफा या संवैधानिक परिस्थितियों में लोकसभा का समय से पहले विघटन जैसी स्थितियां बननी होंगी।फिर भी राजनीति में हर आंदोलन का परिणाम तत्काल नहीं मिलता।

भूटान की पहाड़ियों से उठी जलप्रलय की आहट, आपदा से निबटने के लिए इंडिया कितना तैयार है?

नीरज कुमार दुबे

हिमालय की बर्फीली चोटियों से उठी एक प्राकृतिक हलचल ने भारत के पूर्वोत्तर और उत्तर बंगाल की चिंता बढ़ा दी है। भूटान की शिंताफू ग्लेशियर झील के फटने से निकला पानी नदियों के रास्ते भारत की ओर बढ़ा। प्रशासन ने अलर्ट जारी किया, गांव खाली कराए गए और बचाव एजेंसियों को मोर्चे पर लगाया गया। फिलहाल पानी का स्तर घटने के संकेत हैं, लेकिन एक नई अस्थायी झील बनने से खतरे का एक और पहलू सामने आ गया है।

दरअसल, हिमालय की ऊंची चोटियों पर जमा बर्फ जब टूटती है, तो उसका असर केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं रहता। कई बार हजारों फीट नीचे बसे गांवों, कस्बों और शहरों की जिंदगी भी इसकी चपेट में आ जाती है। भूटान में 29 अक्टूबर 2026 को हुई ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (GLOF) की घटना ने एक बार फिर इसी खतरे की गंभीरता को सामने ला दिया है।

हम आपको बता दें कि भूटान के गासा जिले के लेमथांग क्षेत्र में स्थित शिंताफू झील के बांधनुमा प्राकृतिक अवरोध के टूटने से भारी मात्रा में पानी बाहर निकला। इस घटना के बाद पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार, कूचबिहार और असम के धुबरी तथा कोकराझार जिलों में बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन को सतर्क कर दिया गया। केंद्रीय जल आयोग (CWC) ने भी संभावित जलस्तर वृद्धि को लेकर विशेष बाढ़ परामर्श जारी किया।

6 से 7 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी का खतरा

अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र के अनुसार, घटना से पहले शिंताफू झील में लगभग 60 से 70 लाख घन मीटर पानी मौजूद था। यह करीब 2,400 से 2,800 ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल के बराबर है। हालांकि, वास्तव में कितना पानी बाहर निकला, इसका आकलन अभी किया जा रहा है।

इस पानी का प्रवाह भूटान की मो छू नदी और आगे पुनात्सांगछू नदी तंत्र से होते हुए भारत में संकोश नदी की ओर बढ़ा। भारत में संकोश नदी पश्चिम बंगाल और असम के सीमावर्ती इलाकों के लिए महत्वपूर्ण है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, पानी को सीमा तक पहुंचने में लगभग छह से आठ घंटे लगने की आशंका जताई गई थी। यही वजह रही कि प्रशासन ने संभावित खतरे को गंभीरता से लेते हुए पहले ही सतर्कता बढ़ा दी।

हजारों लोगों का पलायन, NDRF-SDRF तैनात

उधर, पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार जिले में प्रशासन ने एहतियात के तौर पर लगभग 6,000 से 7,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इनमें नदी किनारे और संवेदनशील इलाकों में रहने वाले परिवार शामिल थे। राहत शिविरों में चार हजार से अधिक लोगों के लिए भोजन, राशन, बच्चों के लिए जरूरी खाद्य सामग्री और दूसरी सुविधाओं की व्यवस्था की गई। जलपाईगुड़ी और कूचबिहार में भी निगरानी बढ़ाई गई। प्रशासन ने लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को नदी किनारों और निचले इलाकों से दूर रहने की चेतावनी दी। NDRF, SDRF और नागरिक सुरक्षा की टीमें तैनात की गईं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने धुबरी और कोकराझार के संवेदनशील राजस्व क्षेत्रों में स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और NDRF के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने तथा लोगों से सरकारी निर्देशों का पालन करने की अपील की।



खतरा टला या अभी बाकी है बड़ा जोखिम ?

ताजा रिपोर्टों के मुताबिक संकोश नदी का जलस्तर घटने लगा है। कोकराझार के जिला प्रशासन ने भी तत्काल बड़े पैमाने पर जलभराव की आशंका कम होने की बात कही है। पश्चिम बंगाल में फिलहाल बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं है। लेकिन इस पूरी घटना में सबसे चिंताजनक तथ्य एक नई अस्थायी झील का निर्माण है। भूटान के राष्ट्रीय जल विज्ञान एवं मौसम विज्ञान केंद्र (NCHM) के अनुसार, पानी और मलबे के बहाव से टाक्त्सेमाखांग में एक नई झील बन गई है। यह सिंताफू छू और लुंगू छू नदियों के संगम के पास स्थित है।

विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसी अस्थायी झीलें दोबारा बाढ़ का कारण बन सकती हैं। तेज बहाव अपने साथ चट्टानें और मलबा लाता है, जिससे नदी का रास्ता अवरुद्ध हो सकता है। यदि पानी का दबाव बढ़कर इस प्राकृतिक अवरोध को तोड़ता है, तो दूसरी बाढ़ पैदा हो सकती है। इसलिए भूटान में मो छू और पुनात्सांगछू नदी घाटियों के आसपास रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

यहां सवाल उठता है कि आखिर क्यों फट रही हैं हिमालय की ग्लेशियर झीलें? देखा जाये तो इसका सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन और तेजी से पिघलते ग्लेशियरों को माना जाता है। ग्लेशियरों के पीछे हटने से उनके आसपास बड़ी-बड़ी झीलें बनती हैं। इनमें पानी अक्सर बर्फ, चट्टानों और हिमनदों से निकले मलबे के प्राकृतिक बांधों के पीछे जमा होता है। भारी बारिश, हिमस्खलन, चट्टानों का झील में गिरना, भूकंप और प्राकृतिक बांधों का कमजोर होना अचानक पानी के बाहर निकलने का कारण बन सकते हैं। इसी घटना को ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी GLOF कहते हैं। यह सामान्य बाढ़ से अधिक खतरनाक हो सकती है, क्योंकि इसमें पानी के साथ भारी मात्रा में पत्थर, मिट्टी और मलबा भी तेजी से नीचे आता है।

भारत की तैयारी पर उठते बड़े सवाल

देखा जाये तो भूटान की यह घटना भारत के लिए केवल एक स्थानीय बाढ़ का मामला नहीं है। यह हिमालयी राज्यों की आपदा प्रबंधन व्यवस्था की भी परीक्षा है। भारत सरकार ने सितंबर 2026 में हिमालयी राज्यों की GLOF और हिमस्खलन संबंधी तैयारियों की समीक्षा की थी। इसमें शुरुआती चेतावनी प्रणाली, संवेदनशील झीलों की निगरानी, जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान और समय पर लोगों को सुरक्षित निकालने पर जोर दिया गया था। लेकिन अब कुछ सवालों के जवाब तलाशना जरूरी है। सवाल उठता है कि क्या भूटान और भारत के बीच ग्लेशियर झीलों के जलस्तर की वास्तविक समय में जानकारी साझा करने की व्यवस्था पर्याप्त है? क्या असम, अरुणाचल प्रदेश और उत्तर बंगाल के सभी संवेदनशील नदी तटीय गांवों तक समय रहते चेतावनी पहुंचाने का तंत्र मौजूद है? क्या नदियों पर बने बांधों और जलविद्युत परियोजनाओं की GLOF जैसी अचानक आने वाली बाढ़ से निपटने की क्षमता का नियमित परीक्षण हो रहा है? क्या प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षित आश्रय स्थल, निकासी मार्ग और प्रशिक्षित बचाव दल पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं? क्या नई अस्थायी झील की लगातार निगरानी और उसके संभावित टूटने की स्थिति में दूसरी चेतावनी जारी करने की व्यवस्था तैयार है?

बहरहाल, सबसे बड़ी जरूरत सीमा पार समन्वय, वैज्ञानिक निगरानी और जमीनी स्तर पर तैयारी की है। भूटान में हुई घटना ने स्पष्ट कर दिया है कि हिमालय की चोटियों पर पैदा होने वाला खतरा किसी अंतरराष्ट्रीय सीमा को नहीं पहचानता।

जन महाभियोग और लोकतंत्र का कटघरा



डॉ. घनश्याम बादल

लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार बनाने की कवायद नहीं, जनता के मतादेश को सत्ता में बदलने की संवैधानिक व्यवस्था हैं। इस व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है निर्वाचन आयोग । यदि इसी माध्यम की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगें तो लोकतंत्र में बेचैनी आना भी तय है। रामलीला मैदान में एक नवंबर को आयोजित विपक्ष की जन महाभियोग रैली बेचैनी की राजनीतिक अभिव्यक्ति है।

सवाल यह है कि विपक्ष को सड़क पर उतरकर जन महाभियोग जैसा नया राजनीतिक हथियार क्यों उठाना पड़ा? क्या संसद में उसकी आवाज नहीं सुनी जा रही थी या फिर उसे लगने लगा है कि चुनावी मैदान में मुकाबला करने से पहले चुनाव कराने वाली संस्था को ही कठघरे में खड़ा करना जरूरी हो गया है?

दरअसल, इस टकराव की जड़ में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण है। विपक्ष का आरोप है कि इस प्रक्रिया की आड़ में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। उसका दावा है कि इससे खास वर्गों और विपक्ष समर्थक मतदाताओं के मतदान अधिकार प्रभावित हो रहे हैं जिसे वह वोट चोरी मानता है । निर्वाचन आयोग की कार्यशैली, शिकायतों के निस्तारण और चुनावी पारदर्शिता को लेकर भी विपक्ष लगातार आक्रामक हो हो रहा है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की नज़र में आयोग की निष्पक्षता पर संदेह अब इतना गहरा गया है कि सामान्य राजनीतिक विरोध से बात नहीं बनी और ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध जन महाभियोग का विपक्ष ने संयुक्त रूप से उठाया।

यहां समझना जरूरी है। जन महाभियोग कोई संवैधानिक प्रक्रिया नहीं है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाने की एक निर्धारित कानूनी व्यवस्था है। विपक्ष की यह पहल मूलत: राजनीतिक और प्रतीकात्मक है, जिसका उद्देश्य जनता के बीच आयोग के विरुद्ध अविश्वास के आरोपों को सार्वजनिक विमर्श का विषय बनाना है।

रामलीला मैदान में कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, वामपंथी दलों तथा अन्य विपक्षी संगठनों के नेताओं की मौजूदगी ने इंडिया गठबंधन की सामूहिक ताकत दिखाने का अवसर बना दिया। विपक्ष के नेताओं ने इसे व्यापक जनसमर्थन वाला आंदोलन बताया। आयोजकों की ओर से दस लाख तक बताई, जबकि भाजपा ने इसे दस पंद्रह हजार लोगों का फ्लॉप शो बताया। वास्तविकता यह है कि लोग तो काफी पहुंचे, लेकिन दस लाख की उपस्थिति का दवा भी सही नहीं है। वैसे राजनीतिक रैलियों में भीड़ का आकार अक्सर आयोजकों के उत्साह और विरोधियों की कल्पना के बीच झूलता रहता है। भाषणों में मुख्यत: तीन बातें उभर कर आईं वोट की सुरक्षा, निर्वाचन आयोग की जवाबदेही और सरकार की कथित चुनावी मदद। राहुल गांधी ने मतदाता सूची में गड़बड़ियों को लोकतांत्रिक अधिकारों पर चोट बताया। खरगे ने सरकार और निर्वाचन आयोग पर तीखे प्रहार किए। अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में मतदाताओं के नाम हटाए जाने का मुद्दा उठाया, जबकि ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में एस आई आर की प्रक्रिया पर गंभीर आपत्तियां जताईं। तेजस्वी यादव ने इसे लोकतंत्र की निर्णायक लड़ाई का रूप देने की कोशिश की। इन भाषणों में आक्रोश था, आरोप थे और राजनीतिक चेतावनियां भी।

लेकिन विपक्ष की आक्रामकता के पर कुछ असहज सवाल भी खड़े होते हैं। क्या हर हटाया गया नाम फर्जीवाड़े का प्रमाण है? क्या हर प्रशासनिक त्रुटि के पीछे राजनीतिक साजिश है? यदि ऐसा है तो उसके प्रमाण कहां हैं? लोकतंत्र में आरोप लगाना आसान है, उन्हें दस्तावेजों और तथ्यों से सिद्ध करना कठिन। विपक्ष को केवल आशंका नहीं, प्रमाणों के साथ सामने आना होगा।

बोध कथा

कवि का स्वाभिमान

एक दिन राजा मान सिंह प्रसिद्ध कवि कुंभनदास के दर्शन के लिए वेश बदलकर उनके घर पहुंचे। उस समय कुंभनदास अपनी बेटी को आवाज लगाते हुए कह रहे थे, 'बेटी, जरा दर्पण तो लाना, मुझे तिलक लगाना है।' बेटी जब दर्पण लाने लगी तो वह नीचे गिरकर टूट गया। यह देखकर कुंभनदास बोले, 'कोई बात नहीं, किसी बर्तन में जल भर लाओ।' राजा कुंभनदास के पास बैठकर बातें करने लगे और बेटी एक टूटे हुए घड़े में पानी भरकर ले आई। जल की छाया में अपना चेहरा देखकर कुंभनदास ने तिलक लगा लिया।

यह देखकर राजा दंग रह गए। वह कुंभनदास से अत्यंत प्रभावित हुए। राजा यह सोचकर प्रसन्न थे कि कवि कुंभनदास उन्हें पहचान नहीं पाए हैं। राजा वहां से चले गए। अगले दिन वह एक स्वर्ण जड़ित दर्पण लेकर कवि के पास पहुंचे और बोले, 'कविराज, आपकी सेवा में यह तुच्छ भेंट अर्पित है। कृपया इसे स्वीकार कीजिए।' कुंभनदास विनम्रतापूर्वक बोले, 'महाराज आप! अच्छा तो कल वेश बदलकर आप ही हम से मिलने आए थे। कोई बात नहीं। हमें आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। पर एक विनती है।'

राजा ने पूछा, 'क्या कविराज?' कुंभनदास बोले, 'आप मेरे घर अवश्य आइए लेकिन खाली हाथ। यदि आप अपने साथ ऐसी ही वस्तुएं लेकर आते रहे तो बेकार की वस्तुओं से मेरा घर भर जाएगा। मुझे व्यर्थ की वस्तुओं से कोई मोह नहीं। मुझे बस मां सरस्वती की कृपा की आवश्कता है।' कवि के इस स्वाभिमानी रूप को देखकर राजा आश्चर्यचकित रह गए। वह समझ गए कि कवि कुंभनदास की निर्धनता उनकी विवशता नहीं है, बल्कि इसी तरह का जीवन उन्हें संतुष्टि देता है। वह लोभ, मोह, माया आदि से बहुत ऊपर उठ चुके हैं। उस दिन से कुंभनदास राजा के प्रिय हो गए। राजा के लिए यह गर्व का विषय था कि उनके राज्य में कुंभनदास जैसे लोग रहते हैं।

ग़ज़ल

तो कोई बात बने...



प्रेमयाद कुमार नवीन

दीप यादों के जलाओ, तो कोई बात बने,
दिल का आँगन भी सजाओ, तो कोई बात बने।

आज शिकवे भी, शिकयते भी नही पास रखो
उसको भी दूर भगाओ, तो कोई बात बने।

बाँटते फिरते हो बाज़ार की महँगी मिठियाँ,
प्यार की मिश्री घुलाओ, तो कोई बात बने।

इस दिवाली कई रूठे, कई छूटे है पिछे,
उसको भी पास बुलाओ, तो कोई बात बने।

ये पटाखों का धुआँ, शोर, चकाचौंध भरी,
खुद से भी आँख मिलाओ, तो कोई बात बने।

रौशनी सिर्फ़ मुक़द्दर की लकीरों में नहीं,
तिलमिलाहट को मिटाओ, तो कोई बात बने।

ज़िंदगी बीत रही वक़्त के झोंकों में नवीं,
इसको खुशियों पे लुटाओ, तो कोई बात बने।

जिला- महासमुन्द (छत्तीसगढ़)

व्यंग्य केसरी

घाव के भीतर घाव..



जगदीश पाठक

(भैया जी विश्रामगृह के कमरे में एक सोफे पर पसरे हुए हैं। आसपास की कुर्सियों, स्टूलों से उनके समर्थक भी चिपके हुए हैं।)

भैया जी(एक समर्थक से) --' यार, फिर से फोन लगाओ। तुम्हारा वह रणनीतिकार अब तक नहीं आया?'

समर्थक --' आता ही होगा। रास्ते में कई गति अवरोधक हैं न, रुकते-रुकते आ रहा होगा।'

(तभी रणनीतिकार का प्रवेश)

दूसरा समर्थक --' लो, नाम लिया और शैतान हाजिर।'

भैया जी (रणनीतिकार से)--' तुम समझ ही रहे होगे कि क्यों बुलाया गया है?'

रणनीतिकार--(बैठते हुए)--'क्या फर्क पड़ता है? मुझे पता है, पुलिस रिकार्ड में आप फरार चल रहे हैं। अब यहाँ समझने को है ही क्या?'

भैया जी --' तो, क्या सोचा है?'

रणनीतिकार --' बलात्कार के कारण आपकी छवि में जो टूट-फूट हुई है, उसकी मरम्मत करनी है। लेकिन यह तभी संभव है जब मंच पर सार्वजनिक रूप से कम से कम पांच लोग आपके पैर छुएं। रेट अलग अलग हैं। घुटने तक जाने के दो हजार प्रति व्यक्ति। चरण स्पर्श के चार हजार, और दण्डवत् के छ: हजार। तीसरा समर्थक (भैया जी से)--'आपकी छवि की ज्यादा ही टूट-फूट हुई है, दंडवत् ही उचित रहेगा।'

अंतत: दण्डवत् ही फाईनल कर लिया जाता है।

दृश्य 2

(मंच का दृश्य)

(भैया जी अपने खास समर्थकों के साथ मंच पर विराजमान हैं)

चिंतित भैया जी आयोजक को पास बुलाकर --' पता करो यार, रणनीतिकार दण्डवत् करने वाले अपने भाड़े के आदमियों को लेकर अब तक क्यों नहीं आया?'

(आयोजक फोन निकालकर कुछ करता कि एक समर्थक हड़बड़ाया हुआ वहां आता है)

समर्थक (भैया जी से)--' प्रोग्राम स्थगित करना पड़ेगा भैया जी। वह रणनीतिकार अपने आदमियों को लेकर आपके विरोधी के यहां चला गया है। आपका विरोधी उसे डबल दे रहा है। सब जानते हैं कि आपके उस विरोधी पर डाके के साथ साथ रैली में लाई गई एक महिला के साथ जोर जबरदस्ती का भी आरोप है।'

भैया जी का चेहरा फक पड़ गया।

(माथे का पसीना पोंछते हुए) गुर्राए : 'गद्दार! बाजार में मर्यादा की नीलामी चल रही थी और वह हमें औकात सिखा गया?'

आयोजक कान में फुसफुसाया : 'भैया जी, चिंता मत कीजिए। डबल रेट हम भी दे सकते हैं, पर मंच खाली छोड़ना खतरे से खाली नहीं। सामने जनता बैठी है।'

भैया जी (दाँत पीसते हुए) : 'तो फिर देर किस बात की? तुम चारों ही मंच पर लेट जाओ और बारी-बारी से दंडवत् करो! अपने ही समर्थकों से पैर पुजवा लेंगे, कम से कम छवि का बजट तो घर में ही रहेगा! (चारों समर्थक एक-दूसरे का मुँह ताकने लगे, मानो सोच रहे हों कि वफादारी का रेट अब तय होगा या बाद में।)

इतिहास

3 नवंबर का इतिहास देश और दुनिया की प्रमुख घटनाओं, जन्म और निधन से जुड़ा हुआ है:

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

1493: क्रिस्टोफर कोलंबस ने कैरेबियन सागर में स्थित डोमिनिका द्वीप की खोज की।

1534: इंग्लैंड की संसद ने 'सर्वोच्चता अधिनियम' पारित किया, जिसके तहत राजा हेनरी अष्टम को चर्च ऑफ इंग्लैंड का सर्वोच्च प्रमुख बनाया गया।

1605: मुगल बादशाह अकबर की मृत्यु के एक सप्ताह बाद जहांगीर आगरा की गद्दी पर बैठा।

1838: भारत के प्रमुख अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र 'द टाइम्स ऑफ इंडिया' की शुरुआत बॉम्बे (मुंबई) से हुई (तब इसे 'बॉम्बे टाइम्स एंड जर्नल ऑफ कॉमर्स' के नाम से जाना जाता था)।

1903: पनामा को कोलंबिया से स्वतंत्रता मिली।

गौरवपथ से रायपुर रोड और महाराणा प्रताप चौक से कवर्धा रोड तक उड़ रही धूल

दुकानदारों का कारोबार प्रभावित, बीमारी का खतरा बढ़ने की आशंका, टैंकर से पानी छिड़काव कराने की मांग

विश्व केसरी■



मुंगेली (रवि शुक्ला)। नगर में इन दिनों आम जनता और व्यापारियों के सामने एक नई समस्या खड़ी हो गई है। यह समस्या है सड़कों से उड़ते धूल के गुबार की। नगर के गौरवपथ से लेकर रायपुर रोड,महाराणा प्रताप चौक से कवर्धा रोड सहित शहर के अन्य प्रमुख मार्गों पर दिनभर उड़ती धूल ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। इन मार्गों पर भारी वाहनों का लगातार आवागमन होता है। तेज रफ्तार से गुजरने वाले वाहनों के कारण सड़कों पर जमी धूल का गुबार हवा में फैल जाता है,जिससे राहगीरों,वाहन चालकों,आसपास रहने वाले नागरिकों और दुकानदारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

त्योहारी सीजन में व्यापारियों की बढ़ी परेशानी, ग्राहक दुकानों तक पहुंचने से कर रहे परहेज- इस समस्या का सबसे ज्यादा असर सड़क किनारे दुकान संचालित करने वाले व्यापारियों पर पड़ रहा है। व्यापारियों का कहना है कि त्योहारी सीजन को देखते हुए उनके द्वारा अपने प्रतिष्ठानों को विशेष रूप से सजाया-संवारा गया है। दुकानों में सामान का पर्याप्त स्टॉक रखा गया है,ताकि ग्राहक पहुंचकर खरीदारी कर सकें और व्यापार में अच्छी आमदनी हो सके। लेकिन सड़कों से लगातार उड़ रही धूल ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

व्यापारियों के मुताबिक,वाहनों के गुजरते ही धूल के गुबार दुकानों के भीतर तक पहुंच जाते हैं। दुकानों में रखा सामान धूल से खराब और गंदा हो रहा है। वहीं ग्राहक भी धूल और गंदगी के कारण दुकानों में आने से कतराने लगे हैं। इसका सीधा असर उनके कारोबार पर पड़ रहा है और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। व्यापारियों का यह भी कहना है कि लगातार धूल के संपर्क में रहने से उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

कई बार अवगत कराने के बावजूद नहीं हुआ समाधान,आखिर क्यों मौन हैं जिम्मेदार?- व्यापारियों का आरोप है कि इस समस्या से निजात दिलाने के लिए उनके द्वारा नगर पालिका परिषद के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है। साथ ही प्रमुख मार्गों पर टैंकर के माध्यम से नियमित पानी का छिड़काव कराने का निवेदन भी किया गया है,ताकि उड़ती धूल से आम जनता को राहत मिल सके। इसके बावजूद अब तक समस्या का स्थायी अथवा प्रभावी समाधान नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर ऐसी क्या वजह है कि नगर पालिका परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को आम जनता एवं व्यापारियों की यह समस्या गंभीर क्यों नहीं लग रही है? जब नगर पालिका के पास संसाधन उपलब्ध हैं और टैंकर के माध्यम से प्रमुख मार्गों पर पानी का छिड़काव कराया जा सकता है,तो फिर इस दिशा में पहल क्यों नहीं की जा रही है?

धूल के सूक्ष्म कण स्वास्थ्य के लिए खतरा,बच्चों और बुजुर्गों पर विशेष असर - स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार वातावरण में मौजूद धूल के सूक्ष्म कण लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। इनके संपर्क में आने से खांसी, छींक, एलर्जी,आंखों में जलन,सांस लेने में परेशानी और अस्थमा जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। लंबे समय तक धूल के संपर्क में रहने से फेफड़ों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और पहले से सांस संबंधी परेशानी से जूझ रहे लोगों को अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है।

विकास, महिला सशक्तिकरण और लोकसंस्कृति का संगम बना बलरामपुर राज्योत्सव



विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर बलरामपुर के हाई स्कूल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव विकास, महिला सशक्तिकरण, युवा प्रतिभाओं और लोकसंस्कृति के अनूठे संगम के रूप में यादगार बन गया। 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' की थीम पर आयोजित इस भव्य समारोह में मंच से लेकर विभागीय स्टॉलों तक बदलते बलरामपुर की तस्वीर दिखाई दी। एक ओर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी के माध्यम से विकास की उपलब्धियां प्रदर्शित की गईं, वहीं दूसरी ओर हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ देकर उनके जीवन में खुशियों के नए रंग भरे गए। सांस्कृतिक मंच पर छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोककलाओं के साथ देश के विभिन्न राज्यों की लोकसंस्कृति की झलक ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरामुनी निकुंज, जनपद पंचायत अध्यक्ष बलरामपुर सुमित्रा चेरवा, नगर पालिका अध्यक्ष लोधीराम एक्का, जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में जिलेवासी उपस्थित रहे। अतिथियों ने सर्वप्रथम विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया तथा दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।

महिलाओं की आत्मनिर्भरता और युवाओं के सपनों को मिला विशेष स्थान - मुख्य अतिथि सांसद चिंतामणि महाराज ने छत्तीसगढ़ी में जय जोहार के साथ उपस्थित जनसमूह का अभिवादन करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ ने अपनी स्थापना के 26 गौरवशाली वर्ष पूरे किए हैं। इस वर्ष राज्योत्सव की थीम 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' समाज के विकास की महत्वपूर्ण दिशा को प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा कि बेटियों के विद्यालय का यह मैदान इस थीम का सुंदर प्रतीक है, क्योंकि यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाली बेटियां भविष्य में छत्तीसगढ़ की दिशा तय करेंगी। उन्होंने कहा कि कभी खनिज प्रदेश के रूप में पहचाना जाने वाला छत्तीसगढ़ आज औद्योगिक विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। अंबिकापुर के मां महामाया हवाई अड्डे से सरगुजा संभाग के लोगों को हवाई यात्रा की सुविधा मिलना क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के लिए सहायक उपकरणों की कमी नहीं होने देंगे : केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार

विश्व केसरी■



बिलासपुर (रवि सिंह)। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने बिलासपुर प्रवास के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा संचालित संस्थानों का निरीक्षण किया। उन्होंने बुजुर्गों, दिव्यांगजनों, विद्यार्थियों और नशामुक्ति के लिए उपचाररत युवाओं से सीधे संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। केंद्रीय मंत्री ने संस्थानों की गतिविधियों एवं सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायक उपकरणों की कमी नहीं होने दी जाएगी।

डॉ. वीरेंद्र कुमार ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित शुद्धि नशामुक्ति सह पुनर्वास केंद्र में भर्ती युवाओं से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने युवाओं को मां की ममता और पिता के सपनों का स्मरण कराते हुए परिवार, समाज एवं देश के विकास के लिए नशे का त्याग करने की प्रेरणा दी। जनकल्याण परिषद द्वारा संचालित कल्याण कुंज वृद्धाश्रम में उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से भेंट कर उनका कुशलक्षेम पूछा तथा भरण-पोषण अधिनियम की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री को अपने बीच पाकर बुजुर्गों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

जिला चिकित्सालय परिसर स्थित प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र के निरीक्षण के दौरान केंद्रीय मंत्री ने एडिप एवं वयोश्री योजनाओं के अंतर्गत कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण वितरण की जानकारी ली तथा कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। जिला पुनर्वास केंद्र में उन्होंने विभिन्न थेरेपी के लिए आधुनिक उपकरणों के प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। जिला चिकित्सालय का निरीक्षण करते हुए सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक को नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए निर्देशित किया, ताकि अधिकाधिक जरूरतमंद इसका लाभ ले सकें। केंद्रीय मंत्री ने अपने लगभग 40 वर्ष पुराने संस्मरणों को ताजा करने छत्तीसगढ़ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भी पहुंचे। उन्होंने विद्यार्थियों को नशामुक्त भारत अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया और नशामुक्ति का संकल्प दिलाया। महिला एवं बाल विकास विभाग की एकीकृत बाल विकास परियोजना शहरी अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 18 मंगला चौक का निरीक्षण करते हुए उन्होंने सुपोषण एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए नवाचारों की सराहना की।

गणित की प्रतिभा में अलीशा मेमन ने जिले में हासिल किया दूसरा स्थान

विश्व केसरी■



मनेंद्रगढ़ (राजेश उपाध्याय)। प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती, बस उसे सही मार्गदर्शन और प्रोत्साहन की जरूरत होती है। इस बात को साबित करते हुए होनहार बेटी अलीशा मेमन ने गणित के क्षेत्र में अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन कर जिला स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल किया है।

होटल श्याम हैरिटेज में माइंड स्पार्क एबेकस इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित 'ग्रांड डिस्ट्रिक्ट कॉम्पटीशन 2026' में अलीशा ने महज 5 मिनट में गणित के 100 सवालों में से 68 सवालों के सही जवाब देकर यह शानदार उपलब्धि हासिल की। उनकी इस सफलता से परिवार सहित क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल है।

अलीशा मेमन कांग्रेस एवं युवा कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष हाफिज मेमन की सुपुत्री हैं। अलीशा की इस सफलता के पीछे माता-पिता के स्नेह, दादा-दादी के संस्कारों और परिवार के निरंतर प्रोत्साहन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं, शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन, मेहनत और देखरेख में उनकी प्रतिभा लगातार निखरती गई और आज उन्होंने जिला स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह उपस्थित रहीं। वहीं विशिष्ट अतिथि अपर कलेक्टर लिंगराज सिदार, एसडीएम शशिशेखर मिश्रा, नगर निगम आयुक्त बिजेंद्र सारथी, नई लेदरी नगर पंचायत अध्यक्ष विजय राणा एवं पूर्व पार्षद सरजू यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों द्वारा प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किया गया। अलीशा की इस उपलब्धि पर परिवारजनों ने खुशी जाहिर करते हुए उसके शिक्षकों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि परिवार के संस्कार, माता-पिता का प्रोत्साहन, दादा-दादी का आशीर्वाद और शिक्षकों का समर्पण ही बच्चों की प्रतिभा को सफलता के शिखर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। अलीशा की यह सफलता अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणादायक है।

जिले में 4.60 करोड़ रुपये से बनेंगे दो बालक छात्रावास

विश्व केसरी■

बिलासपुर (रवि सिंह)। जिले के अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों की आवासीय सुविधा के लिए दो बालक छात्रावासों के निर्माण को प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। कोटा विकासखंड के हायर सेकेंडरी स्कूल बानाबेल में 50 तथा बिल्हा विकासखंड के हायर सेकेंडरी स्कूल करमा में 100 सीट वाला छात्रावास बनाया जाएगा।

दोनों छात्रावासों के लिए कुल 4 करोड़ 60 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके निर्माण से माध्यमिक स्तर के 150 विद्यार्थियों के लिए आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी। राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ द्वारा जारी आदेश के अनुसार डीए-जेजीयूए अभियान के अंतर्गत बानाबेल के छात्रावास के लिए 1 करोड़ 85 लाख रुपये और करमा के छात्रावास के लिए 2 करोड़ 75 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। निर्माण कार्य के लिए मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सिरपुर भवन रायपुर को निर्माण एजेंसी नियुक्त किया गया है।

आदेश में निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों और तकनीकी स्वीकृति के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वीकृत बजट की सीमा में चयनित स्थल पर ही निर्माण करना होगा।

कार्यस्थल पर निर्माण संबंधी जानकारी का बोर्ड प्रदर्शित करने तथा कार्य प्रारंभ होने की सूचना जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मिशन समन्वयक कार्यालय को देने के निर्देश भी दिए गए हैं। छात्रावास भवनों में आकाशीय बिजली से सुरक्षा के लिए तड़ित चालक लगाना अनिवार्य किया गया है।

सक्ति में छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना ने धूमधाम से मनाया राज्य का 26वां स्थापना दिवस



विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य का 26वां स्थापना दिवस सक्ति जिला मुख्यालय में हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ महतारी की विधिवत महाआरती कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। वहीं बुधवारी बाजार स्थित ग्राउंड के सामने श्रद्धालुओं एवं उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद वितरण किया गया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के पदाधिकारी एवं सेनानियों के साथ बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़िया समाज के लोग शामिल हुए। सभी ने छत्तीसगढ़ महतारी के प्रति अपनी आस्था एवं सम्मान प्रकट करते हुए राज्य स्थापना दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के जिलाध्यक्ष दीपक यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी के प्रति प्रत्येक छत्तीसगढ़िया की अगाध आस्था और श्रद्धा है। छत्तीसगढ़ केवल एक राज्य नहीं, बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति, परंपरा, भाषा और गौरव का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा एवं प्रदेश की अस्मिता की रक्षा करना हम सभी छत्तीसगढ़वासियों का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा, भाषा और स्वाभिमान को संरक्षित एवं संवर्धित करने के लिए सभी छत्तीसगढ़ियों को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम का समापन छत्तीसगढ़ महतारी के जयघोष एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर निकली सद्भावना एवं एकता पदयात्रा



विश्व केसरी■

बिलासपुर (रवि सिंह)। भारत के लौह पुरुष एवं राष्ट्रीय एकता के प्रतीक सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला संघ बिलासपुर द्वारा सद्भावना एवं एकता पदयात्रा तथा एकता दौड़ का आयोजन किया गया। यह पदयात्रा सेजेस उत्कृष्ट हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बालक सरकंडा से प्रारंभ होकर रामसेतु तक निकाली गई। इसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं संस्थाओं से 55 स्काउट, 60 रोवर, 123 गाइड, 58 रेंजर तथा 40 स्काउटर एवं गाइडर सहित विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए। इस प्रकार कुल 396 स्काउटिंग परिवार के सदस्यों एवं शिक्षकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला संघ बिलासपुर द्वारा सेजेस उत्कृष्ट हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बालक सरकंडा में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्काउट, गाइड, रोवर एवं रेंजर को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को साइन ,सैल्यूट, स्काउटिंग एवं गाइडिंग का इतिहास, स्काउटिंग की पुस्तकों का ज्ञान, प्राथमिक उपचार, स्काउटिंग के नियम, प्रतिज्ञा, उद्देश्य एवं आदर्श वाक्य सहित विभिन्न आवश्यक गतिविधियों की जानकारी दी गई।

नवीन शासकीय कन्या महाविद्यालय में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। नवीन शासकीय कन्या महाविद्यालय सक्ती में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक कर्तव्यों और राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता पैदा करना था।

निबंध, भाषण और क्विज़ प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा कार्यक्रम के तहत निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी (क्विज़) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को आकर्षक नकद पुरस्कार, पेन और कॉपी देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली अन्य सभी छात्राओं को भी प्रोत्साहन स्वरूप कलम भेंट कर सम्मानित किया गया।

वक्ताओं ने लोकतंत्र, स्वच्छता और मतदान के अधिकार पर डाले प्रकाश- कार्यक्रम संयोजक राम नरेश यादव ने सबसे पहले छात्राओं को कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान, लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया और 'विकसित भारत' के संकल्प पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, नगर पालिका पूर्व अध्यक्ष रामावतार अग्रवाल ने छात्राओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' से प्रेरणा लेते हुए वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।समारोह में विशिष्ट अतिथि विनोद अग्रवाल ने छात्राओं को उनके मताधिकार वोट देने के अधिकार और स्ट्रक्चरसे संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि आज लोकतंत्र और चुनाव प्रणाली पूरी तरह पारदर्शी है।चिकित्सा प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. श्याम चंद्रा की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।प्राचार्य ने जताया आभार कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य विजय देवांगन ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

कृषि अपशिष्ट से किसानों को मिलेगी अतिरिक्त आय

विश्व केसरी■



बिलासपुर (रवि सिंह)। जिले में कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) उद्योगों के लिए कृषि अपशिष्ट और अन्य बायोमास की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में मंथन सभाकक्ष में सीबीजी मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि अपशिष्ट, धान की पराली, नगरीय ठोस अपशिष्ट, गोबर एवं अन्य बायोमास की आपूर्ति की रणनीति पर विचार किया गया। नगर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप अग्रवाल सहित बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधि, बायो ऊर्जा उद्यमी और संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि सीबीजी उद्योग किसानों के लिए अतिरिक्त आय का माध्यम बन सकते हैं। खेतों में अनुपयोगी रह जाने वाले कृषि अवशेषों का इन उद्योगों में उपयोग होने से किसानों को उनका मूल्य मिलेगा। उन्होंने कृषि विभाग के सहयोग से किसानों को इसके आर्थिक लाभ और आपूर्ति प्रक्रिया की जानकारी देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि किसानों की सक्रिय भागीदारी से ही उद्योगों को बायोमास की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। बैठक में बताया गया कि तखतपुर में रिलायंस बायो एनर्जी लिमिटेड द्वारा संचालित कृषि अपशिष्ट आधारित सीबीजी उद्योग की क्षमता 22.5 मीट्रिक टन प्रतिदिन है।

वहीं सेंदरी में बीपीसीएल का प्रस्तावित संयंत्र अप्रैल-मई में शुरू होना संभावित है। यह संयंत्र नगरीय निकायों से प्राप्त गीले कचरे पर आधारित होगा, जिसमें प्रतिदिन लगभग 10 टन गीले कचरे का उपयोग प्रस्तावित है।

दिवाली से पहले कीमती धातुओं में लौटी तेजी, सोना 0.50 प्रतिशत चढ़ा तो चांदी में 3,500 रुपए की उछाल

विश्व केसरी■

नई दिल्ली, 2 नवंबर (आईएएनएस)। कई दिनों से लगातार गिरावट की मार झेल रहे सोने और चांदी के भाव में सप्ताह की शुरुआत के साथ तेजी लौटती दिखाई दी। धनतेरस और दिवाली से ठीक पहले कीमती धातुओं में आई इस रिकवरी ने ज्वेलरी खरीदारों और निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। हालांकि कीमतें अभी भी अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से काफी नीचे हैं, लेकिन सोमवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में खरीदारी बढ़ने से सोने-चांदी के दाम मजबूत हुए।



अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में सोमवार को सोने और चांदी दोनों में मजबूती देखने को मिली। सोना करीब 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,911.60 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा, जबकि चांदी का प्रदर्शन और बेहतर रहा, और इसके भाव 2.24 प्रतिशत चढ़कर 50.380 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गए। विश्लेषकों के अनुसार, पिछले कुछ सप्ताह की तेज गिरावट के बाद निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी की, जिससे कीमतों को समर्थन मिला।

वहीं, वैश्विक बाजारों की तेजी का असर भारतीय बाजार में भी देखने को मिला। घरेलू बाजार में सोना 1.39 लाख प्रति 10 ग्राम के आसपास, तो वहीं चांदी 1.82 लाख प्रति किलोग्राम के करीब कारोबार करती दिखाई दी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना सोमवार को अपने पिछले बंद भाव 1,38,485 रुपए से 518 रुपए या 0.37 प्रतिशत चढ़कर 1,39,003 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं दिन के कारोबार में एक समय इसने 694 रुपए या 0.50 प्रतिशत उछलकर 1,39,179 रुपए प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

वहीं दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी अपने पिछले बंद भाव 1,79,132 रुपए से 1,962 रुपए यानी 1.09 प्रतिशत चढ़कर 1,81,094 रुपए पर खुला। वहीं दिन के कारोबार में एक समय इसने 3,569 रुपए यानी 1.99 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,82,701 रुपए प्रति किलोग्राम का उच्चतम स्तर छुआ।

हालांकि सोमवार की तेजी ने राहत दी है, लेकिन सोना और चांदी अभी भी अपने रिकॉर्ड स्तरों से काफी नीचे कारोबार कर रहे हैं। सोना अपने ऑल टाइम हाई से करीब 28 प्रतिशत तक नीचे है, जबकि चांदी में 40 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ चुकी है।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका में होने वाले मिड-टर्म चुनाव, वैश्विक बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता और हालिया भारी गिरावट के बाद निचले स्तरों पर खरीदारी लौटने से कीमती धातुओं को सहारा मिला है।

दीपावली से पहले भारतीय शेयर बाजार ने भरा दम; सेंसेक्स 1,233 अंक उछला

विश्व केसरी■



मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में बड़ी तेजी के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,233.25 अंक या 1.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75,692.78 और निफ्टी 387.70 अंक या 1.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,440.80 पर बंद हुआ।

बाजार की तेजी को सहारा कमोडिटीज और एनर्जी स्टॉक्स से मिला। सूचकांकों में निफ्टी ऑयलएंडगैस 5.95 प्रतिशत और निफ्टी कमोडिटीज 4.01 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी एनर्जी 3.92 प्रतिशत, निफ्टी इन्फ्रा 3.70 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 3.21 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.70 प्रतिशत, निफ्टी पीएसई 2.34 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 2.23 प्रतिशत और निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ सबसे अधिक तेजी दिखाने वाले सूचकांक थे।

दूसरी तरफ, निफ्टी मीडिया -0.76 प्रतिशत, निफ्टी आईटी -0.50 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक -0.14 प्रतिशत और निफ्टी फार्मा -0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप भी बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 682.15 अंक या 1.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 57,983.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 131.70 अंक या 0.71 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, एनटीपीसी, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, बीईएल, एचयूएल, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, इंटरग्लोब एविएशन, एचडीएफसी बैंक, एमएंडएम, ट्रेंट, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, टाइटन, अदाणी पोर्ट्स, इटरनल, आईटीसी और एचसीएल टेक गेनर्स थे। इन्फोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा और टीसीएस लूजर्स थे। जानकारों ने कहा कि भारतीय शेयर बाजारों ने सप्ताह की मजबूत शुरुआत की। इसके पीछे मुख्य कारण उम्मीद से बेहतर दूसरी तिमाही के नतीजे और घरेलू स्तर पर सकारात्मक संकेत रहे। अक्टूबर में यात्री वाहनों की बिक्री में वृद्धि ने त्योहारी सीजन की अच्छी मांग को दर्शाया, जिससे बाजार का उत्साह और बढ़ा।

कैट की एलजी से अपील, प्रदर्शनों से बाधित हो रहा व्यापार; दिल्ली के बाहरी इलाकों में बनाए प्रदर्शनस्थल

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने सोमवार को दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) से आग्रह किया है कि वे राष्ट्रीय राजधानी के बाहरी इलाकों में विरोध-प्रदर्शनों के लिए आधिकारिक जगह तय करें, क्योंकि इनके बार-बार होने से व्यावसायिक गतिविधियों, लोगों की आजीविका और आम जनजीवन पर बुरा असर पड़ता है।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया ने उपराज्यपाल को लिखे पत्र में दिल्ली में अलग-अलग जगहों पर विरोध-प्रदर्शनों और राजनीतिक गतिविधियों के कारण बार-बार होने वाली बाधाओं का जिक्र किया। इसमें उपराज्यपाल से हस्तक्षेप करने और संबंधित अधिकारियों को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वे शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शनों, जनसभाओं, प्रदर्शनों और राजनीतिक आयोजनों के लिए उपयुक्त जगहों की पहचान करें और उन्हें अधिसूचित करें। व्यापारी संगठन ने कहा कि पिछले एक महीने से भी अधिक समय से दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों और राजनीतिक गतिविधियों के कारण रुक-रुक कर लेकिन लगातार व्यवधान आ रहे हैं, जिससे बाजार, कारोबार और नागरिकों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। पत्र में कहा गया है, 'हालांकि शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार हमारे लोकतांत्रिक ढांचे का एक अहम हिस्सा है और इसका सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि इस अधिकार का इस्तेमाल करते समय दूसरे नागरिकों के अधिकारों और उनकी आजीविका का हनन न हो।'

पत्र में कहा गया है कि विरोध करने का अधिकार शहर को ठप करने का अधिकार नहीं बन सकता, ठीक वैसे ही जैसे लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का इस्तेमाल करते समय व्यापार करने के अधिकार की बलि नहीं दी जा सकती। कैट ने इस बात पर जोर दिया कि दिल्ली भारत के सबसे बड़े व्यापारिक, थोक और वितरण केंद्रों में से एक है, जहां हजारों बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान लाखों लोगों की आजीविका का जरिया हैं। इसमें कहा गया है कि बार-बार होने वाली रुकावटों से न केवल व्यापारी और दुकानदार प्रभावित हुए हैं, बल्कि रेहड़ी-पटरी वाले, फेरीवाले, दिहाड़ी मजदूर, ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर, कर्मचारी, डिलीवरी करने वाले लोग और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र से जुड़े प्रतिष्ठान भी प्रभावित हुए हैं।

अंबुजा सीमेंट्स क्षमता में 30 एमटीपीए का करेगा विस्तार; 14,500 करोड़ रुपए होंगे खर्च

विश्व केसरी■



अहमदाबाद। अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने सोमवार को कहा कि उसने विस्तार के अगले चरण की योजना तैयार कर ली है। इसके तहत नए ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट्स के जरिए प्रमुख बाजारों में सीमेंट उत्पादन क्षमता 30 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) बढ़ाई जाएगी। इसके लिए करीब 14,500 करोड़ रुपए का कुल ग्रोथ कैपेक्स कार्यक्रम प्रस्तावित है।

अदाणी पोर्टफोलियो का हिस्सा और भारत की प्रमुख बिल्डिंग मटेरियल सॉल्यूशन कंपनियों में से एक अंबुजा सीमेंट्स ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत पूर्वी, पश्चिमी और उत्तरी भारत के तेजी से बढ़ते बाजारों में अपनी मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। कंपनी के पास फिलहाल देशभर में 24 इंटीग्रेटेड प्लांट और 24 ग्राइंडिंग यूनिट के जरिए 113.5 एमटीपीए की सीमेंट उत्पादन क्षमता है।

अदाणी ग्रुप के सीमेंट कारोबार के सीईओ विनोद बहेटी ने कहा, 'हमारे विस्तार का अगला चरण विकास की गुणवत्ता और अधिक संतुलित मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क तैयार करने पर केंद्रित है। क्लिंकर और ग्राइंडिंग क्षमता के बीच तालमेल मजबूत करने और तेजी से बढ़ते प्रमुख बाजारों के करीब विस्तार करने से हम अपने नेटवर्क में अधिक लचीलापन ला रहे हैं।'

प्रस्तावित विस्तार के बाद वित्त वर्ष 2030 तक कंपनी की सीमेंट उत्पादन क्षमता बढ़कर 155 एमटीपीए हो जाएगी। बहेटी ने कहा, 'विस्तार के साथ हमारा ध्यान बाजार तक पहुंच, लॉजिस्टिक्स और लागत दक्षता को एक साथ बेहतर बनाने पर है, ताकि क्षमता में होने वाली हर बढ़ोतरी पूरे कारोबार की प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करे। इन बाजारों में हमारा मजबूत सप्लाई चेन इकोसिस्टम है। साथ ही, ब्रांड इक्विटी और प्रीमियम सीमेंट की हिस्सेदारी भी मजबूत है। हमारा विस्तार मूल्य आधारित रणनीतिक विकास के अनुरूप होगा।'

इस विस्तार योजना में पश्चिमी क्लस्टर में 15.5 एमटीपीए, पूर्वी क्लस्टर में 11.6 एमटीपीए और उत्तरी क्लस्टर में 2.9 एमटीपीए की नई ग्राइंडिंग क्षमता शामिल है।

इस कार्यक्रम के तहत क्लिंकर उत्पादन क्षमता भी बढ़ाई जाएगी। इसमें पूर्वी क्लस्टर के असम स्थित उमरांगसो में 4 एमटीपीए, पश्चिमी क्लस्टर के मराठा में 4 एमटीपीए और मुंद्रा में 2.3 एमटीपीए की नई क्षमता स्थापित की जाएगी। इससे विस्तारित ग्राइंडिंग नेटवर्क को आवश्यक क्लिंकर की आपूर्ति मजबूत होगी। बहेटी ने कहा, 'बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के अलावा, ये क्षमताएं बेहतर दक्षता के जरिए मैन्युफैक्चरिंग लागत कम करने में भी मदद करेंगी। बाजार के करीब होने से परिवहन की दूरी और लॉजिस्टिक्स लागत भी घटेगी।

युवा कैट बिजनेश मिट 2026 का भव्य आयोजन व्यापारिक एकजुटता एवं स्वदेशी अपनाने का दिया संदेश



विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। युवा कैट छत्तीसगढ़ द्वारा आगामी दीपावली पर्व एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर युवा कैट बिजनेश मिट 2026 का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों से जुड़े उद्यमियों एवं व्यापारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की विशेषता दीपावली थीम एवं पारंपरिक वेशभूषा रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक एवं स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांत समन्वयक जगदीश पटेल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संगठन मंत्री शंकर त्रिपाठी जी उपस्थित रहे।

दोनों अतिथियों ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में स्वदेशी, स्वावलंबन एवं राष्ट्र निर्माण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं एवं व्यापारियों को देश की आर्थिक मजबूती में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, स्वरोजगार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा कि कैट सदैव राष्ट्रीय वाईस चेयरमैन श्री अमर पारवानी जी के नेतृत्व में Vocal for Local अभियान को प्रोत्साहित करता आया है। स्थानीय व्यापार, स्वदेशी उत्पादों एवं छोटे व्यापारियों को बढ़ावा देना संगठन की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने व्यापारियों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने एवं स्थानीय बाजारों को मजबूत बनाने की अपील की।

YUVA CAIT द्वारा विगत 3 वर्षों से प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को नियमित रूप से Business Meet आयोजित की जा रही है। इसमें विभिन्न ट्रेड एवं व्यवसायों से जुड़े 100 से अधिक व्यापारी नियमित रूप से सहभागिता करते हैं। इन बैठकों का उद्देश्य व्यापारियों के बीच आपसी संपर्क, व्यापारिक संबंधों एवं नए व्यावसायिक अवसरों को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी व्यापारियों ने आपसी परिचय, विचारों एवं व्यावसायिक संभावनाओं को साझा किया तथा एक-दूसरे के व्यवसाय को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर YUVA CAIT के प्रदेश अध्यक्ष कांति पटेल एवं प्रदेश महामंत्री रतनदीप सिंह ने सभी प्रदेशवासियों एवं व्यापारिक साथियों से विशेष आग्रह किया कि इस दीपावली पर अधिक से अधिक स्थानीय बाजारों में जाकर खरीदारी करें तथा स्थानीय व्यापारियों एवं छोटे दुकानदारों का उत्साहवर्धन करें। उन्होंने कहा कि स्थानीय बाजारों से खरीदारी करने से न केवल व्यापारियों के व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि बाजारों में रौनक आएगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

उन्होंने सभी से अपील की कि इस दीपावली स्वदेशी अपनाएं, स्थानीय बाजारों से खरीदारी करें और अपने स्थानीय व्यापारियों के चेहरे पर खुशियां लाएं।

इस मीटिंग में मुख्य रूप से युवा कैट के पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे:- विजय पटेल, कांति पटेल, रतनदीप सिंह, भरत भुषण गुप्ता, सीए मुकेश मोटवानी, नागेंद्र तिवारी, विक्रांत राठौर, हिमांशु वर्मा, रोनक पटेल, अमित गुप्ता, मितेश पटेल, राज खेलवानी, विशाल वरयानी, सर्वेश दौलतानी, रोहित पटेल, सुरेश वासवानी, राकेश गुप्ता, अमित गुप्ता, अनमोल साहू, भास्कर साहू, शंकर पटेल, प्रकाश कोसरकर, हर्षवर्धन गुप्ता, लक्ष्य टारगेट, वैभव साहू, निलेश मुंदड़ा, विकास आहूजा, श्याम शिवहरे, नितेश अग्रवाल, पियूष पिल्लारे, लोकेश सोढा, आनंद यादव, विवेक सिंग, त्रिलोचन साहू, अजय पृथ्यानी, हर्ष अग्रवाल, सोपान अग्रवाल, निपेश प्रजापति, निखिल तिवारी, रवि शंकर सोनी, प्रतीक गर्ग, संजय हिंदुजा, वैभव सलूखे, मानव गुप्ता, अमित वाधवानी आदि उपस्थित रहे ।

अक्टूबर में भी भारत के विनिर्माण क्षेत्र की मजबूत रफ्तार बरकरार, पीएमआई 54.7 पर रहा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत के विनिर्माण क्षेत्र में अक्टूबर में भी मजबूत विस्तार दर्ज किया गया। हालांकि, इस दौरान उत्पादन और नए ऑर्डर में बढ़ोतरी की रफ्तार कुछ धीमी रही। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अक्टूबर में 54.7 पर रहा।

विनिर्माण क्षेत्र की इस मजबूती को विदेशी बाजारों से मिले नए ऑर्डर का सहारा मिला। अक्टूबर में निर्यात से जुड़े नए ऑर्डर में पिछले छह महीनों की सबसे तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, उत्पादन लागत और वस्तुओं की कीमतों पर दबाव में कुछ कमी आई। एसएंडपी ग्लोबल के संकलित आंकड़ों के अनुसार, कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने और कच्चे माल का भंडार तैयार करने का सिलसिला जारी रखा। हालांकि, नई भर्तियों की रफ्तार धीमी रही। इसके अलावा, आने वाले समय में कारोबार की संभावनाओं को लेकर कंपनियों का भरोसा भी कमजोर हुआ। अक्टूबर में विनिर्माण पीएमआई 54.7 पर रहा, जो सितंबर के 55.1 के स्तर से थोड़ा कम है। हालांकि, यह लगातार 50 के तटस्थ स्तर से ऊपर बना हुआ है। पीएमआई का 50 से ऊपर रहना विनिर्माण गतिविधियों में विस्तार का संकेत देता है, जबकि 50 से नीचे का स्तर गिरावट को दर्शाता है।

अक्टूबर का आंकड़ा इस क्षेत्र के दीर्घकालिक औसत से भी ऊपर रहा। इससे पता चलता है कि भारत के विनिर्माण क्षेत्र में मांग और कारोबारी गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं। एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि अक्टूबर में भारत का विनिर्माण पीएमआई सितंबर के 55.1 से घटकर 54.7 पर आ गया, लेकिन यह अब भी विस्तार के मजबूत दायरे में है और अपने दीर्घकालिक औसत से ऊपर बना हुआ है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मजबूत मांग मिलने के कारण नए निर्यात ऑर्डर में छह महीनों की सबसे तेज बढ़ोतरी हुई।

नेशनल स्टील एंड पावर एक्सपो 2026, रायपुर में भाग लेने वाले पात्र उद्योगों को मिलेगी 80,000 रुपए तक की एमएसएमई सब्सिडी

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में आगामी 27 से 30 नवंबर 2026 तक आयोजित होने जा रहे 16वें वर्ष के चार दिवसीय नेशनल एक्सपो (स्टील एंड पावर) को भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय से स्वीकृति प्राप्त हुई है।

यह एक्सपो स्टील उद्योग, स्पंज आयरन प्लांट, री-रोलिंग मिल, सीमेंट फैक्ट्री, भारी एवं हल्के उद्योगों सहित विभिन्न औद्योगिक एवं इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्माता, सप्लायर और सेवा प्रदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक मंच है।

वर्ष 2009 से लगातार आयोजित हो रहा यह एक्सपो रायपुर एवं छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस आयोजन के माध्यम से उद्योगों को नई तकनीक, ऑटोमेशन, पर्यावरण संरक्षण, आधुनिक मशीनरी एवं औद्योगिक विकास से संबंधित नवीनतम समाधानों की जानकारी और प्रदर्शन का अवसर मिलता रहा है।



पात्र स्वस्थ्य इकाइयों को 80,000 रुपए तक की सब्सिडी

भारत सरकार के स्वस्थ्य मंत्रालय द्वारा स्वीकृत प्रदर्शनियों में भाग लेने वाली पात्र सूक्ष्म एवं लघु उद्योग इकाइयों को ?80,000 तक की वित्तीय सहायता (सब्सिडी) प्रदान की जाती है। यह सहायता संबंधित MSME योजना के दिशा-निर्देशों एवं पात्रता शर्तों के अधीन होगी।

इसका लाभ लेने के लिए उद्योगों का वैध उद्यम रजिस्ट्रेशन (Udyam Registration) होना आवश्यक है तथा इकाई सूक्ष्म अथवा लघु श्रेणी में पंजीकृत होनी चाहिए।

निम्नलिखित औद्योगिक श्रेणियों की इकाइयां इस योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने हेतु पात्र हो सकती हैं:

औद्योगिक उत्पाद

इलेक्ट्रिकल - औद्योगिक एवं घरेलू उपकरण , हैंड टूल्स एवं मशीन टूल्स , सोलर एवं नवीकरणीय ऊर्जा, पीईबी (प्री-इंजीनियर्ड बिल्डिंग), आईटी सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, लुब्रिकेंट्स, वाटर ट्रीटमेंट, प्रदूषण नियंत्रण उपकरण, प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग, इलेक्ट्रिक वाहन, प्लांट एवं मशीनरी उपकरण।

पात्र MSME इकाइयां संबंधित योजना के प्रावधानों के अनुसार एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम दो बार इस सहायता का लाभ ले सकती हैं। सब्सिडी की राशि आयोजन के पश्चात आवश्यक दस्तावेजों एवं दावों के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने पर सीधे लाभार्थी इकाई के बैंक खाते में जमा की जाती है। इसमें सामान्यत: लगभग 3 से 4 माह का समय लग सकता है।

छोटे बच्चों से सीखें जीवन को खुशहाल बनाने की 7 बेहतरीन कलाएं, तनाव रहेगा कोसों दूर



बड़े भी बच्चों से बहुत कुछ सीख सकते हैं. वर्तमान में जीना, जल्दी माफ करना, नई चीजें सीखना, छोटी बातों में खुश होना, असफलता से उबरना, बिना दिखावे के जीना और खुलकर प्यार जताना जीवन को सुखद बनाते हैं.

अक्सर माना जाता है कि बच्चों को बड़ों से सीखने की जरूरत होती है, लेकिन सच यह है कि कई बार बड़े भी बच्चों से बहुत कुछ सीख सकते हैं. छोटे बच्चे जीवन को बेहद सरल, उत्साहपूर्ण और सकारात्मक नजरिए से देखते हैं. उनके व्यवहार की कुछ खास बातें ऐसी होती हैं जो बड़ों के जीवन में भी खुशी, संतुलन और मानसिक शांति ला सकती हैं. आइए जानते हैं ऐसी 7 कलाओं के बारे में जो हर बड़े को बच्चों से सीखनी चाहिए.

हर पल को जीने की कला

बच्चे बीते हुए कल की चिंताओं और आने वाले कल की फिक्र में नहीं रहते. वे वर्तमान पल का भरपूर आनंद लेते हैं. बड़े अक्सर तनाव और जिम्मेदारियों के कारण वर्तमान की खुशियां भूल जाते हैं. बच्चों की तरह आज में जीना जीवन को अधिक सुखद बना सकता है.

जल्दी माफ करने की आदत

आपने देखा होगा कि बच्चे आपस में लड़ते हैं और कुछ देर बाद फिर साथ खेलने लगते हैं. उनके मन में ज्यादा देर तक गुस्सा या शिकायत नहीं रहती. बड़ों को भी रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए यह गुण अपनाना चाहिए.

छोटे बच्चों में जिज्ञासा कूटकूटकर भरी होती है. वे हर नई चीज के बारे में जानना चाहते हैं. यही जिज्ञासा उन्हें लगातार सीखने और आगे बढ़ने में मदद करती है. बड़ों को भी जीवनभर सीखते रहने की इस आदत को बनाए रखना चाहिए.

बच्चे छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूंढ़ लेते हैं. एक खिलौना, एक कहानी या दोस्तों के साथ खेलना उन्हें बेहद खुश कर देता है. बड़े यदि छोटी खुशियों को महत्व देना सीख लें, तो जीवन में तनाव काफी कम हो सकता है.

असफलता से जल्दी उबरना

चलना सीखते समय बच्चे कई बार गिरते हैं, लेकिन हार नहीं मानते. वे बार-बार कोशिश करते हैं और अंततः सफल होते हैं. यह गुण जीवन के हर क्षेत्र में सफलता पाने के लिए बेहद जरूरी है.

बिना दिखावे के जीना

बच्चे जैसे होते हैं, वैसे ही खुद को दुनिया के सामने रखते हैं. वे बनावटीपन से दूर रहते हैं. बड़ों के लिए भी अपनी वास्तविक पहचान को स्वीकार करना आत्मविश्वास और मानसिक शांति का कारण बन सकता है.

खुलकर प्यार जताना

बच्चे अपने माता-पिता, दोस्तों और परिवार के लोगों के प्रति स्नेह व्यक्त करने में संकोच नहीं करते. बड़े अक्सर भावनाओं को दबाकर रखते हैं. रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए प्यार और अपनापन खुलकर व्यक्त करना जरूरी है।

दिवाली मिठाइयों में विदेशी स्वाद, उदयपुर में दुबई की बकलावा के दीवाने हुए लोग, गिफ्टिंग के लिए भी डिमांड



दिवाली पर उदयपुर के बाजारों में इस बार पारंपरिक मिठाइयों के साथ दुबई की मशहूर बकलावा का स्वाद भी लोगों को खूब लुभा रहा है. पिस्ता, बादाम, काजू और चॉकलेट जैसी कई वैरायटी में उपलब्ध यह विदेशी मिठाई दिवाली गिफ्टिंग के लिए भी खास पसंद बनी हुई है.

दिवाली का त्योहार हो और मिठाइयों की बात न हो, ऐसा कैसे हो सकता है. त्योहार के नजदीक आते ही शहर के बाजारों में मिठाइयों की दुकानों पर रौनक बढ़ गई है. इस बार खास बात यह है कि बाजार में सिर्फ पारंपरिक मिठाइयां ही नहीं, बल्कि विदेशी मिठाइयां भी लोगों को खूब पसंद आ रही हैं. इनमें दुबई की मशहूर बकलावा मिठाई खास आकर्षण बनी हुई है. लोग इसे खाने के साथ-साथ अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को दिवाली पर गिफ्ट देने के लिए भी खरीद रहे हैं.

उदयपुर के सूरजपोल स्थित जगदीश मिष्ठान भंडार पर भी इस बार मिठाइयों की कई खास वैरायटी देखने को मिल रही हैं. दुकान के संचालक के मुताबिक, इस दिवाली पर पारंपरिक मिठाइयों के साथ दुबई की बकलावा की मांग भी काफी अच्छी है. खासकर ऐसे लोग जो दिवाली पर कुछ नया और अलग गिफ्ट करना चाहते हैं, वे इन विदेशी मिठाइयों को पसंद कर रहे हैं.

कई तरह की वैरायटी में मिल रही बकलावा

दुबई की बकलावा मिठाई की खासियत इसकी बनावट और स्वाद है, इसे बेहद पतली परतों वाले पेस्ट्री शीट, ड्राई फ्रूट्स और चाशनी या शहद की मदद से तैयार किया जाता है. इसमें पिस्ता, बादाम और काजू जैसे ड्राई फ्रूट्स का इस्तेमाल होता है. बाजार में इसकी कई तरह की वैरायटी उपलब्ध हैं. इनमें पिस्ता बकलावा, बादाम बकलावा, काजू बकलावा, वॉलनट बकलावा, चॉकलेट बकलावा, फिंगर बकलावा बर्ड्स नेस्ट बकलावा और डायमंड बकलावा जैसी वैरायटी शामिल हैं. इन मिठाइयों को आकर्षक बॉक्स और पैकिंग में भी दिया जा रहा है, जिससे ये दिवाली गिफ्टिंग के लिए लोगों की पसंद बन रही हैं. खास बात यह है कि इनमें ड्राई फ्रूट्स की भरपूर मात्रा होने के कारण इनका स्वाद पारंपरिक मिठाइयों से थोड़ा अलग होता है.

पारंपरिक स्वाद के साथ नया प्रयोग

दिवाली पर उदयपुर के बाजारों में काजू कतली, घेवर, मोतीचूर के लड्डू, बेसन चक्की और अन्य पारंपरिक मिठाइयों की भी खूब बिक्री हो रही है. लेकिन इस बार लोग अपने गिफ्ट बॉक्स में कुछ नया शामिल करना चाहते हैं. यही वजह है कि विदेशी मिठाइयों की तरफ भी लोगों का रुझान बढ़ रहा है. दिवाली उदयपुर के बाजारों में भारतीय मिठाइयों के साथ दुबई की बकलावा भी मिठास घोल रही है।

8 में से 1 कैंसर की शुरुआत 2 इंफेक्शन से, सालों पहले शरीर में बना लेता है डेरा



दुनिया भर में हर साल 23 लाख लोगों को कैंसर अपनी चपेट में ले लेता है. इनमें से 12 प्रतिशत कैंसर एच पायलोरी बैक्टीरिया और एचपीवी वायरस के इंफेक्शन के कारण होता है. यह चौंकाने वाला खुलासा लैंसेज ऑन्कोलॉजी के ताजा अंक में प्रकाशित हुआ है. खास बात यह है कि इन कैंसरों से आसानी से बचा जा सकता है. पर कैसे, इसे जानने के लिए हमने सर गंगाराम अस्पताल में ऑन्कोलॉजी डिपार्टमेंटे के डायरेक्टर डॉ. श्याम अग्रवाल से बात की

कैंसर आज भी बेहद खतरनाक बीमारी है. अगर समय पर इसकी पहचान न हो तो जान जाने का जोखिम बढ़ जाता है. चिंता की बात यह है कि कैंसर के मामले पूरी दुनिया में बढ़ते जा रहे है. लैंसेट ऑन्कोलॉजी की नई रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में 1.92 करोड़ नए लोगों को कैंसर हुआ, इनमें 23 लाख मामलों का कारण सिर्फ इंफेक्शन था. यानी जितने कैंसर होते हैं, उनमें 12 प्रतिशत कैंसर का शुरुआती कारण इंफेक्शन है. इंफेक्शन वाले कैंसर भी कई तरह के इंफेक्शन से होते हैं लेकिन 60 प्रतिशत से ज्यादा मामले सिर्फ दो इंफेक्शन हेलीकोबैक्टर पायलोरी H.Pylori और ह्यूमन पैपोलोमावायरस से होता है. अफसोस की बात यह है कि इन इंफेक्शन वाले कैंसर को होने से आसानी से बचाया जा सकता था. पर सवाल है कैसे. इन्हीं सवालों का जवाब तलाशने के लिए मैंने सर गंगाराम अस्पताल में ऑन्कोलॉजी डिपार्टमेंट के डायरेक्टर डॉ. श्याम अग्रवाल से बात की.

एच. पायलोरी कैसे कैंसर में बदल जाता

डॉ. श्याम अग्रवाल ने बताया कि सबसे पहले यह समझते हैं कि हेलीकोबैक्टर पायलोरी (H. pylori) किस तरह कैंसर में बदल जाता है. एच. पालयलोरी बेक्टीरिया पेट के उपरी हिस्से की दीवार में चिपक जाती है. लेकिन यह तुरंत कैंसर में नहीं बदलता।

बच्चों और बुजुर्गों के साथ ट्रिप पर जा रहे हैं? होटल बुक करने से पहले पूछें ये बातें



बच्चों और बुजुर्गों के साथ ट्रिप प्लान करते समय होटल की कीमत और फोटो के साथ सुविधाओं पर भी ध्यान दें. लिफ्ट, आसान लोकेशन, सुरक्षित कमरा, बाथरूम, खाना और आसपास की जरूरी सेवाओं की जानकारी पहले लेना यात्रा को ज्यादा आरामदायक बना सकता है.

बच्चों और बुजुर्गों के साथ होटल चुनते समय सिर्फ यह न देखें कि वह घूमने वाली जगहों के कितने करीब है. यह भी देखें कि होटल तक पहुंचने का रास्ता आसान है या नहीं. बहुत ज्यादा सीढ़ियां, ऊंचाई वाला रास्ता या मुख्य सड़क से काफी अंदर स्थित होटल बुजुर्गों के लिए परेशानी वाला हो सकता है.

यह भी पूछें कि होटल के आसपास मेडिकल स्टोर, अस्पताल, रेस्टोरेंट या किराने की दुकान जैसी जरूरी जगहें कितनी दूर हैं, अगर परिवार में छोटा बच्चा है, तो आसपास खाने-पीने की सुविधाएं होना भी काम आ सकता है.

क्या होटल में लिफ्ट है?

अगर होटल में कई फ्लोर हैं, तो बुकिंग से पहले लिफ्ट की जानकारी जरूर लें. खासकर बुजुर्गों के साथ यात्रा में रोज सीढ़ियां चढ़ना-उतरना मुश्किल हो सकता है. होटल से यह भी सवाल कर सकते हैं कि आपका कमरा किस फ्लोर पर होगा और क्या लिफ्ट से कमरे तक आसानी से पहुंचा जा सकता है, अगर बुजुर्ग को चलने में परेशानी होती है, तो कम दूरी पर स्थित कमरा देने का अनुरोध पहले ही कर सकते हैं.

होटल के कमरे की फोटो देखकर ही बुकिंग न करें. होटल से पूछें कि कमरे में पर्याप्त जगह है या नहीं, बाथरूम में गर्म पानी की सुविधा है या नहीं और कमरे में बैठने के लिए अतिरिक्त जगह या कुर्सी मिल सकती है या नहीं. छोटे बच्चे के साथ जा रहे हैं तो बेबी कॉट, अतिरिक्त बेड या बच्चे के लिए जरूरी दूसरी सुविधा उपलब्ध है या नहीं, यह भी पहले पूछ लें. हर होटल में ये सुविधाएं एक जैसी नहीं होतीं.

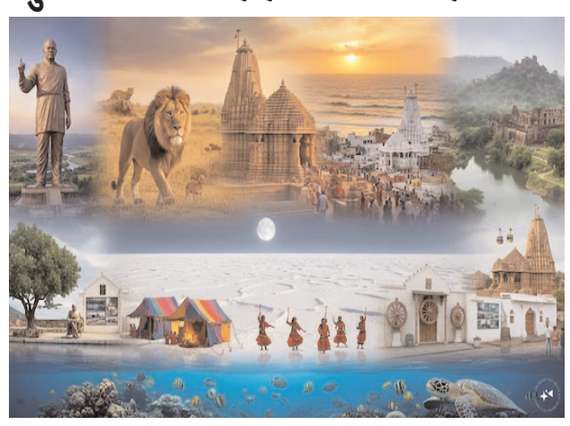
खाना बच्चों और बुजुर्गों के हिसाब से मिलेगा?

परिवार के साथ ट्रिप में खाने का सवाल काफी अहम होता है. होटल में रेस्टोरेंट है या नहीं, नाश्ता किस समय मिलता है और क्या सामान्य या हल्का खाना उपलब्ध है, इसकी जानकारी पहले लें. अगर किसी बुजुर्ग को बहुत मसालेदार खाना पसंद नहीं है या बच्चे के लिए साधारण खाना चाहिए, तो होटल स्टाफ से पहले ही पूछना बेहतर है कि ऐसी जरूरत पूरी हो सकती है या नहीं.

बाथरूम और सुरक्षा की सुविधाएं कैसी हैं?

बुजुर्गों के लिए बाथरूम की सुविधा खास तौर पर देखनी चाहिए. फिसलन वाला फर्श, बहुत ऊंचा बाथटब या पकड़ने के लिए सहारा न होना परेशानी बढ़ा सकता है. होटल से पूछें कि जरूरत पड़ने पर ग्रैब बार या नॉन-स्लिप मैट जैसी सुविधा उपलब्ध है या नहीं. बच्चों के साथ यात्रा में कमरे की खिड़की, बालकनी और फर्नीचर की सुरक्षा के बारे में भी जानकारी लेना अच्छा रहेगा।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से रण ऑफ कच्छ तक, गुजरात की ये जगहें हैं पर्यटकों की पहली पसंद



गुजरात अपनी संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है. यहां स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, गिर नेशनल पार्क, सोमनाथ मंदिर, द्वारका, कच्छ का रण, साबरमती आश्रम और सापूतारा प्रमुख पर्यटन स्थल हैं, तो अगर आप वहां घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो इन जगहों पर घूमने जरूर जाइए.

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित गुजरात अपनी समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों, धार्मिक स्थलों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है. यहां ऐसे कई पर्यटन स्थल हैं जो देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं. अगर आप गुजरात घूमने की योजना बना रहे हैं, तो इन जगहों को अपनी सूची में जरूर शामिल करें.

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

नर्मदा जिले में स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है. यह सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित है. 182 मीटर ऊंची इस प्रतिमा के साथ व्यूइंग गैलरी, वैली ऑफ फ्लावर्स और लेजर शो भी प्रमुख आकर्षण हैं.

गिर नेशनल पार्क

गिर राष्ट्रीय उद्यान एशियाई शेरों का एकमात्र प्राकृतिक आवास माना जाता है. वन्यजीव प्रेमियों के लिए यह जगह किसी स्वर्ग से कम नहीं है. यहां शेरों के अलावा तेंदुआ, हिरण, नीलगाय और कई पक्षियों की प्रजातियां भी देखी जा सकती हैं.

भगवान श्रीकृष्ण की नगरी के रूप में प्रसिद्ध द्वारका हिंदुओं के चार धामों में से एक है. यहां स्थित द्वारकाधीश मंदिर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है।

धनतेरस पर चांदी का क्या खरीदें? 2000 से 8000 तक के 7 बजट फ्रेंडली आइडिया, सालों-साल आएंगे काम



इस धनतेरस सिर्फ दिखावे की नहीं, बल्कि समझदारी की खरीदारी करें. जानिए 1000 से 8000 तक के बजट में चांदी के ऐसे 7 काम के विकल्प, जो पूजा में भी काम आएंगे और सालों-साल आपकी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनेंगे.

दिवाली उत्सव की शुरुआत धनतेरस से होती है. इस पावन अवसर पर धातु, विशेष रूप से सोना या चांदी खरीदना अत्यंत शुभ माना जाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चांदी चंद्रमा और शांति का प्रतीक है, जो घर में समृद्धि और शीतलता लाती है. अक्सर लोग सिर्फ शो-पीस या सिक्के खरीद लेते हैं जो बाद में अलमारी या तिजोरी का हिस्सा बनकर रह जाते हैं. लेकिन यदि थोड़ा समझदारी से चुनाव किया जाए, तो 2000 से 8000 के बजट में ऐसी उपयोगी चीजें खरीदी जा सकती हैं जो धार्मिक दृष्टि से शुभ भी हों और रोजमर्रा के जीवन में सालों-साल काम भी आएं.

चांदी की दीपक या आचमनी-पंचपात्र- घर के मंदिर और दैनिक पूजा-पाठ के लिए चांदी का दीपक या आचमनी-पंचपात्र सेट खरीदना एक बेहतरीन विकल्प है. 2000 से 3500 के बीच आसानी से 925 हॉलमार्क वाली चांदी का नक्काशीदार दीपक या पंचपात्र मिल जाता है. यह न केवल धनतेरस की पूजा में काम आता है, बल्कि साल के 365 दिन घर के मंदिर की शोभा बढ़ाता है. नियमित पूजा में इस्तेमाल होने के कारण यह एक ऐसी खरीदारी है जो सालों-साल आपके आध्यात्मिक जीवन का हिस्सा बनी रहती है.

स्टर्लिंग सिल्वर ज्वेलरी या पायल-बिछिया (2500 - 6000)- फैशन और उपयोगिता का संगम चाहती हैं, तो 925 स्टर्लिंग सिल्वर की ज्वेलरी या पारंपरिक पायल-बिछिया बेहतरीन विकल्प हैं. 2500 से ?6000 के बजट में आपको खूबसूरत चांदी के कड़े, ब्रेसलेट, चेन या सुंदर डिजाइनों वाली पायल मिल जाएगी. यह खरीदारी शगुन की शगुन भी हो जाती है और इसे दैनिक जीवन में, दफ्तर में या पारिवारिक आयोजनों में पहना भी जा सकता है. यह कभी आउट-ऑफ-ट्रेंड नहीं होती.

चांदी की तुलसी गछली या लक्ष्मी चरण (2000 - 4000)- घर के मंदिर, प्रवेश द्वार या स्टडी टेबल के लिए छोटी चांदी की तुलसी गछली या माता लक्ष्मी के चरण पादुका बहुत शुभ माने जाते हैं.2000 से 4000 के बजट में यह एक बहुत ही सुंदर और आध्यात्मिक गिफ्ट व खरीदारी का विकल्प है. इसे आप अपने घर के पूजा स्थान में स्थापित कर सकते हैं. यह घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है और लंबे समय तक सुरक्षित बनी रहती है.

गिलास या कटोरी (3000 - 5000)- चांदी के बर्तन में खाना-पीना आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों की दृष्टि से बेहद फायदेमंद माना जाता है. 3000 से 5000 के बजट में मध्यम वजन का एक सुंदर चांदी का गिलास या छोटी कटोरी आसानी से खरीदी जा सकती है. चांदी में प्राकृतिक एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं. इसमें पानी पीने से पाचन क्रिया बेहतर होती है और शरीर को ठंडक मिलती है. यह वस्तु सिर्फ त्योहार पर सजाने के लिए नहीं, बल्कि रोजाना सेहत सुधारने के काम आती है।

चांदी के सिक्के और बार (2000 - 4500)- यदि आप विशुद्ध बचत और निवेश के दृष्टिकोण से सोच रहे हैं, तो 999 शुद्धता वाले चांदी के सिक्के या बार सबसे सुरक्षित और पारंपरिक विकल्प हैं. 2000 में 10-15 ग्राम और 4000 के आसपास 20-30 ग्राम का हॉलमार्क सिक्का आसानी से मिल जाता है. इन पर लक्ष्मी-गणेश या सरस्वती जी की आकृति बनी होती है, जिन्हें धनतेरस की पूजा में रखकर फिर तिजोरी में सुरक्षित किया जा सकता है।

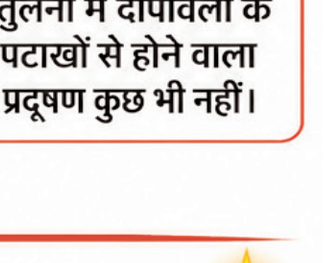




'दीपावली मनाना हमें दीया मिर्जा से सीखने की जरूरत नहीं',

भाजपा नेताओं ने अभिनेत्री पर साधा निशाना

मुंबई। मुंबई में दीपावली पर प्रदूषण कम करने की अपील को लेकर शुरू हुआ विवाद अब राजनीतिक बयानबाजी तक पहुंच गया है। अभिनेत्री दीया मिर्जा के दीपावली के संदेश पर पहले मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम ने आपत्ति जताई थी और इसके बाद बीएमसी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से उनका वीडियो हटा दिया था। अब केंद्रीय राजयमंत्री रामदास आठवले, भाजपा नेता श्रीकांत भारतीय और विधायक संजय उपाध्याय ने भी मामले पर प्रतिक्रियाएं दी हैं।



रामदास आठवले
केंद्रीय राजयमंत्री

"दीया दूसरे धर्म से आती हैं और उन्हें त्योहार के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। पटाखों के बिना दीपावली मनाने का कोई मतलब नहीं है।

श्रीकांत भारतीय
भाजपा नेता



"दीया मिर्जा को दूसरों को दीपावली मनाने का तरीका बताने से पहले आत्मचिंतन करना चाहिए। हिंदू समाज सदियों से पर्यावरण की चिंता करता आया है।

संजय उपाध्याय
भाजपा विधायक



"दीया मिर्जा को दीपावली के पटाखों से दिक्कत है। बम और गोले दागने से जो प्रदूषण होता है, उसकी तुलना में दीपावली के पटाखों से होने वाला प्रदूषण कुछ भी नहीं।

– राजनीति और त्योहारों पर छिड़ा नया विवाद –

'वीडियो का मकसद जागरूकता फैलाना था', दीपावली संदेश से जुड़े विवाद के बीच दीया मिर्जा की सफाई



विश्व केसरी ■

मुंबई। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के प्रदूषण कम करने वाले जागरूकता अभियान में शामिल अभिनेत्री दीया मिर्जा के वीडियो को लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है। इसी बीच दीया मिर्जा का वीडियो बीएमसी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया। इस पूरे विवाद के बीच अब दीया मिर्जा ने मीडिया को अपना बयान दिया है।

दीया मिर्जा ने आईएएनएस से कहा, ''दीपावली अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और निराशा पर आशा की जीत का उत्सव है। यह वीडियो लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रिकॉर्ड किया गया था, ताकि उन्हें अधिक स्वस्थ और सोच-समझकर त्योहार मनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। वायु प्रदूषण जनस्वास्थ्य से जुड़ा एक मुद्दा है और इसे कम करने की दिशा में किया गया हर प्रयास सभी के लिए बेहतर पर्यावरण की ओर एक कदम है।''

दरअसल, मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच बीएमसी ने दीपावली से पहले लोगों को प्रदूषण कम करने के लिए जागरूक करने का अभियान शुरू किया था। इस अभियान के तहत कुछ वीडियो जारी किए गए थे, जिनमें दीया मिर्जा के अलावा अभिनेत्री माधुरी दीक्षित और क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे भी नजर आए थे। इन वीडियो के जरिए लोगों से पटाखों का इस्तेमाल कम करने और पर्यावरण का ध्यान रखते हुए दीपावली मनाने की अपील की गई थी।

हालांकि, दीया मिर्जा का वीडियो सामने आने के बाद इस पर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया। मुंबई बीजेपी अध्यक्ष अमित साटम ने अभिनेत्री के वीडियो पर आपत्ति जताई और कहा कि लोगों को दीपावली मनाने के तरीके के बारे में दीया मिर्जा से सीख लेने की जरूरत नहीं है। भारतीय परंपराओं में दीपावली का खास महत्व है और लोगों को अपने त्योहारों के बारे में अच्छी तरह पता है।

विवाद बढ़ने के बाद बीएमसी ने दीया मिर्जा का वीडियो अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा दिया। हालांकि, निगम की ओर से वीडियो हटाने की कोई सार्वजनिक वजह नहीं बताई गई।

बचपन की फोटो वाली टी-शर्ट पहनकर अनन्या ने शनाया को किया बर्थडे विश

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता संजय कपूर और पत्नी महीप कपूर की लाडली और अभिनेत्री शनाया कपूर सोमवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उनकी बेस्ट फ्रेंड और अभिनेत्री अनन्या पांडे ने उन्हें बधाई दी।

अभिनेत्री अनन्या पांडे ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक मिरर सेल्फी शेयर की, जिसमें वह काली टी-शर्ट पहने नजर आ रही हैं, जिस पर छोटी शनाया की तस्वीर छपी है। उन्होंने इस कैजुअल आउटफिट के साथ बेज कलर का बॉटम और ब्राइट पिंक हैंडबैग कैरी किया है। एक और सोशल मीडिया स्टोरी में अनन्या ने शनाया के बर्थडे सेलिब्रेशन की झलक दिखाई। इसमें बर्थडे गर्ल ब्लैक ऑफ-शोल्डर आउटफिट में एक सिंगल कैंडल वाले केक की तरफ झुकती हुई नजर आईं। अपनी दोस्त को विश करते हुए अनन्या ने लिखा, 'लव ऑफ माय लाइफ, हैप्पी बर्थडे माय शनाया पपाया।'

फोटो शेयर करते हुए अनन्या ने लिखा, 'बिना कहे बताओ कि तुम्हारी बेस्ट फ्रेंड का बर्थडे है।'

बता दें, अनन्या और शनाया बचपन से ही करीबी दोस्त हैं। उनकी माताएं, भावना पांडे और महीप कपूर भी दशकों से अच्छी दोस्त हैं और उनके बीच गहरा बॉन्ड है। अभिनेता संजय कपूर ने भी बेटी शनाया को जन्मदिन की बधाई देते हुए इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें शनाया के बचपन से लेकर अभी तक की बहुत सारी वीडियो शामिल हैं। संजय कपूर ने लिखा, 'जन्मदिन की बधाई हो, शनाया कपूर। शनाया कपूर ने वर्ष 2020 की फिल्म 'गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल' में सहायक निर्देशक के रूप में काम किया था।

सुकेश चंद्रशेखर केसः कोर्ट में पेश नहीं हुईं नोरा फतेही, वकील ने मांगी छूट तो जज ने जताई नाराजगी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही एक बार फिर सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के जबरन वसूली मामले में अदालत में पेश नहीं हुईं। सोमवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में इस मामले की सुनवाई होनी थी। नोरा को अभियोजन पक्ष के गवाह के तौर पर अपना बयान दर्ज कराने के लिए अदालत में पेश होना था, लेकिन वह नहीं पहुंचीं।



नोरा फतेही की ओर से वकील ने अदालत में पेश होने से छूट देने की मांग की। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अदालत को हल्के में नहीं लिया जा सकता। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 6 नवंबर की तारीख तय की है। अब नोरा को उस दिन गवाही के लिए अदालत में पेश होना होगा।

सोमवार को सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि नोरा फतेही आज कोर्ट में पेश होंगी या नहीं। पुलिस ने बताया कि अभिनेत्री को 22 अक्टूबर को ही पेशी का नोटिस भेज दिया गया था। यह नोटिस ईमेल और व्हाट्सऐप के जरिए भेजा गया था। इसके अलावा, उन्हें फोन भी किया गया, लेकिन नोरा की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला।

वहीं, नोरा के वकील ने अदालत में पेश होने से छूट देने की मांग की। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की और कहा कि अदालत को हल्के में नहीं लिया जा सकता। गौरतलब है कि पिछली सुनवाई के दौरान राउज एवेन्यू कोर्ट ने नोरा को 2 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया था। उन्हें इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से गवाह के तौर पर अपना बयान दर्ज कराना था। अब अदालत ने अगली सुनवाई 6 नवंबर को रखी है।

दरअसल, नोरा फतेही का नाम सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े इस मामले में तीसरी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में अभियोजन पक्ष के गवाह के तौर पर शामिल है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, सुकेश ने जेल में रहते हुए करीब 200 करोड़ रुपये की ठगी की थी। इस मामले में शिकायत फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रमोटर शिविंदर सिंह की पत्नी अदिति सिंह ने दर्ज कराई थी। आरोप था कि सुकेश ने खुद को सरकारी अधिकारी बताकर उनसे संपर्क किया और उनके पति को जेल से बाहर निकलवाने में मदद करने का भरोसा दिया।

प्रीति जिंटा ने बेटी के लिए अपनाया 'ब्यूटी एंड द बीस्ट' की बेले का लुक, पति और बच्चों संग मनाया हैलोवीन



विश्व केसरी ■

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने इस बार हैलोवीन का त्योहार अपने परिवार के साथ कुछ अलग अंदाज में मनाया। इस मौके पर प्रीति ने डिज्नी की मशहूर फिल्म 'ब्यूटी एंड द बीस्ट' की राजकुमारी बेले का लुक अपनाया। वहीं, उनकी बेटी भी बेबी बेले के रूप में नजर आई। प्रीति ने सोशल मीडिया पर इस खास सेलिब्रेशन की कई तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह अपने पति जीन गुडइनफ और बच्चों के साथ मस्ती करती दिखाई दे रही हैं।

प्रीति ने तस्वीरों के साथ एक प्यारा सा नोट भी लिखा। उन्होंने बताया कि पहले उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह अपने पड़ोस में बच्चों के साथ ट्रिक ऑर ट्रीटिंग करने और हैलोवीन के लिए तैयार होने का इतना इंतजार करेंगी, लेकिन उनकी छोटी राजकुमारी को प्रिंसेस के किरदार पसंद हैं और इसी वजह से अब यह त्योहार उनके लिए बेहद खास बन गया है।

अभिनेत्री ने लिखा, ''मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं पड़ोस में ट्रिक ऑर ट्रीटिंग करने और हैलोवीन की हर चीज का इतना इंतजार करूंगी। बेले की तरह तैयार होना भी मुझे बहुत पसंद आएगा। घर में एक छोटी राजकुमारी होना बहुत खास और थोड़ा नाटकीय भी है, जिसे राजकुमारियां बेहद पसंद हैं।''

प्रीति ने इस साल के सेलिब्रेशन को 'गुडइनफ हैलोवीन' नाम दिया। उन्होंने कहा, ''पूरा परिवार अलग-अलग किरदारों के कपड़े पहनकर पड़ोस में घूमने निकला था। हमारे परिवार में बड़ी बेले, छोटी बेले, राजा और उसका शूरवीर शामिल थे। पड़ोस में कई बच्चे अलग-अलग तरह की कॉस्ट्यूम पहनकर घूम रहे थे और सभी काफी उत्साहित थे।''

शेयर की गई तस्वीरों में प्रीति येलो कलर की खूबसूरत ड्रेस में बेले के किरदार में नजर आ रही हैं। वहीं, उनकी बेटी ने बेबी बेले का लुक कैरी किया है। अभिनेत्री के पति जीन गुडइनफ राजा के किरदार में दिखाई दिए, जबकि उनके बेटे ने शूरवीर की कॉस्ट्यूम पहनी। तस्वीरों में पूरा परिवार एक साथ काफी खुश नजर आ रहा है।

बता दें कि प्रीति जिंटा शादी के बाद से अपने पति जीन गुडइनफ और जुड़वां बच्चे जिया और जय के साथ अमेरिका के लॉस एंजिलिस में रहती हैं।

अभिनेत्री अक्सर अपने परिवार के साथ बिताए खास पलों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं।

वहीं, फिल्मों की बात करें तो प्रीति जिंटा हिंदी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्रियों में शामिल हैं। उन्होंने अपने करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया है। इनमें 'दिल चाहता है', 'कल हो ना हो', 'वीर-जारा' और 'कोई... मिल गया' जैसी फिल्में शामिल हैं।

जिंदगी खूबसूरत है, उस पर भरोसा रखिए, सूर्या ने फैंस को दिया प्रेरणादायक संदेश

विश्व केसरी ■

मुंबई। दक्षिण भारतीय सुपरस्टार सूर्या की अपकमिंग फिल्म 'सीन' सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। अभिनेता का कहना है कि जिंदगी में किसी भी चीज को हार के तौर पर नहीं देखना चाहिए।

दरअसल, हाल ही में फिल्म 'सीन' के ट्रेलर लॉन्च का आयोजन किया गया था, जिसमें अभिनेता सूर्या ने अपने फैंस को प्रेरणादायक संदेश देते हुए कहा, 'हम जो सोचते हैं, वैसे ही बनते भी हैं, लेकिन सिर्फ सोचने तक ही मत रहिए, बल्कि उसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कीजिए और जमीनी स्तर पर उसके लिए काम कीजिए।'

उन्होंने आगे कहा, 'जिंदगी बहुत खूबसूरत है, उस पर भरोसा रखिए। मैं मानता हूं कि जब हम सांसें ले रहे हैं, तब तक हर चीज पर दोबारा विचार किया जा सकता है। हर चीज को बदला जा सकता है। जब तक सांसें चल रही हैं, तब तक हार नहीं माननी है, कुछ भी खत्म नहीं हुआ है और न ही टूटा है। आप सब कुछ ठीक कर सकते हैं, आप फिर से शुरुआत से शुरू करके चीजों को सही कर सकते हैं। जिंदगी पर भरोसा रखिए। जिंदगी खूबसूरत है। फिल्म की बात करें, तो इस फिल्म में सूर्या डीएसपी इनबराज नाम के एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, जो नियम तोड़ने वाले और बागी अंदाज में नजर आएंगे। फिल्म में सूर्या के अलावा अभिनेत्री नाज़रिया फहद 'माया' का किरदार निभा रही हैं। मलयालम एक्टर नासलेन एक खतरनाक, भावशून्य और साइको खलनायक 'ईश्वरन' की भूमिका में नजर आएंगे। इनके अलावा आनंदराज, लाल और राजप्रियन जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।



फिल्म की कहानी एक ऐसे पुलिस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे वर्षों पहले अधूरा छोड़ा गया एक पुराना मामला (केस) फिर से खोलने के लिए मजबूर किया जाता है और उसे इस मिशन को सुलझाने के लिए एक अव्यवस्थित और परेशानी भरी टीम के साथ काम करना पड़ता है। इसका निर्देशन जीतू माधवन ने किया है। यह फिल्म सूर्या और ज्योतिका के 2डी एंटरटेनमेंट और झगरम स्टूडियोज के बैनर तले बनाई गई है।

क्वाड का आर्थिक सुरक्षा पर जोर, महत्वपूर्ण खनिजों और एआई में सहयोग बढ़ाएंगे भारत समेत चारों देश

विश्व केसरी■



वाशिंगटन। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में आर्थिक और सामरिक सहयोग को नई दिशा देने के लिए भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने क्रिटिकल मिनरल्स आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करने, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), समुद्री सुरक्षा और डिजिटल संपर्क के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। चारों देशों ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करने वाले आर्थिक दबाव, मनमाने निर्यात प्रतिबंधों और बाजार को विकृत करने वाली नीतियों पर चिंता जताई है।

अमेरिका के अटलांटा में 31 अक्टूबर को क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक संपन्न हुई। इसके बाद संयुक्त बयान जारी किया गया। जिसमें आर्थिक सुरक्षा को वैश्विक स्थिरता और समृद्धि के लिए जरूरी बताया गया। बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी शामिल हुए।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी संयुक्त बयान के अनुसार, चारों देशों ने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर प्रतिबद्धता दोहराते हुए भरोसेमंद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण पर जोर दिया। उनका कहना है कि महत्वपूर्ण उद्योगों में जरूरत से ज्यादा उत्पादन, गैर-बाजार नीतियां और मनमाने निर्यात प्रतिबंध वैश्विक व्यापार तथा आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं।

क्वाड के महत्वपूर्ण खनिज पहल ढांचे के तहत चारों देश इलेक्ट्रॉनिक कचरे और कबाड़ से महत्वपूर्ण खनिजों को दोबारा हासिल करने, प्रसंस्करण संयंत्रों और रिफाइनरियों के विकास तथा वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने पर काम करेंगे। अमेरिका ने 'भारत और आसियान देशों में कचरे से महत्वपूर्ण खनिज निकालने वाली सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक करोड़ डॉलर की सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है।'

इस पहल का उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों के लिए किसी एक आपूर्तिकर्ता पर निर्भरता कम करना है। इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा उद्योगों में इन खनिजों की बढ़ती जरूरत को देखते हुए यह सहयोग आर्थिक सुरक्षा के लिहाज से अहम है।

एआई के क्षेत्र में भी क्वाड ने बड़ी पहल की घोषणा की है। संयुक्त विज्ञप्ति के अनुसार, चारों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भरोसेमंद एआई तकनीक तक पहुंच बढ़ाने के लिए आठ करोड़ 50 लाख डॉलर से अधिक की तकनीकी और वित्तीय सहायता देने का इरादा रखते हैं।

अमेरिका चीन और रूस की जासूसी 'बेहतर' तरीके से करता है : ट्रंप

विश्व केसरी■



वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को अपने मध्यावधि चुनाव प्रचार अभियान का समापन किया। ईरान पर अमेरिकी हमले का बचाव किया, तेल की कीमतों को लेकर अपना पक्ष रखा और चीन - रूस की जासूसी को लेकर भी बड़ा बयान दिया। दावा किया कि अमेरिका ये काम उनसे कहीं बेहतर तरीके से करता है।

आयोवा के डुबुक में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ट्रंप ने चीन और रूस की जासूसी को लेकर जताई गई चिंताओं को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, 'किसी ने मुझसे कहा कि चीन हमारी जासूसी कर रहा है। मैंने कहा, हां और हम भी उनकी जासूसी कर रहे हैं। इस बारे में चिंता न करें। उन्होंने आगे कहा, 'चीन और रूस हमारी जासूसी कर रहे हैं। मैंने कहा, यह सच है। और हम भी उनके साथ ऐसा ही कर रहे हैं। लेकिन हम उनसे कहीं बेहतर तरीके से ऐसा करते हैं। इसलिए, इस बात की चिंता न करें।'

ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास अब न तो कोई सैन्य क्षमता बची है और न ही बातचीत करने के लिए कोई नेता। उन्होंने कहा, 'हमने इसकी शुरुआत नहीं की थी, लेकिन हम इसे खत्म कर रहे हैं। हम उनकी अच्छे से धुनाई कर रहे हैं।'

ट्रंप ने कहा, 'उनके पास न तो रडार है, न ही विमान-रोधी हथियार और न ही कोई नेता। शायद हम नेताओं के मामले में कुछ ज्यादा ही आगे निकल गए हैं (इसका मतलब शीर्ष ईरानी नेतृत्व की हमलों में मौत से है), अब बात करने के लिए कोई बचा ही नहीं है। मैं किसी ऐसे व्यक्ति को खोजने की कोशिश कर रहा हूं जिससे बात की जा सके, लेकिन कोई भी राष्ट्रपति नहीं बनना चाहता।'

डुबुक में दो घंटे से कुछ अधिक समय तक बोलने के बाद, ट्रंप अपने मध्यावधि (मिडटर्म) अभियान की आखिरी रैली के लिए कंसास के सलीना रवाना हो गए।

सलीना की रैली में, ट्रंप ने फिर से अर्थव्यवस्था का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, 'पिछले तीन महीनों में आपकी महंगाई दर 1.7 प्रतिशत तक गिर गई है। मुझे 'स्लीपी' (सुस्त) जो बाइडेन से विरासत में ऊंची कीमतें मिली थीं; मैंने ये कीमतें नहीं बढ़ाईं।'

संक्षिप्त खबर

डोल्पा में बर्फबारी के बीच फंसे छह भारतीयों को किया गया रेस्क्यू, सभी सुरक्षित

विश्व केसरी■



काठमांडू। पश्चिमी नेपाल के दूर-दराज जिले डोल्पा में भारी बर्फबारी के बीच फंसे छह भारतीय पर्यटकों को सोमवार सुबह हेलीकॉप्टर के जरिए रेस्क्यू कर लिया गया। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। इलाके में बर्फबारी के कारण, 31 अक्टूबर से इन भारतीय पर्यटकों से संपर्क नहीं हो पा रहा था। डोल्पा स्थित जिला पुलिस कार्यालय के प्रमुख, पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अनिल राज गिरी ने आईएएनएस को बताया, 'इनका पता चलने के बाद एक हेलीकॉप्टर भेजा गया और उन्हें जिले के मुख्यालय, दुनाई लाया गया।' उन्होंने बताया कि बचाए गए सभी छह पर्यटकों की सेहत ठीक है। डीएसपी गिरी ने बताया कि ये पर्यटक खराब मौसम में फंस गए थे, जिसके बाद उन्हें शे-फोक्सुंडो ग्रामीण नगरपालिका के दानिगढ़ इलाके से सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह समूह धो ताराप से शे-फोक्सुंडो झील (जो एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है) की ओर ट्रेकिंग कर रहा था, तभी वे भारी बर्फबारी की चपेट में आ गए। अधिकारियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि 31 अक्टूबर को इन पर्यटकों के फंसे होने की जानकारी मिलने के बाद, उन्हें बचाने के लिए अभियान शुरू किया गया।

पटनीटॉप होटल भूमि अतिक्रमण मामले में ईडी ने 10.66 करोड़ की संपत्ति जब्त की

विश्व केसरी■



जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में होटलों द्वारा अवैध व्यावसायिक गतिविधियों और अनधिकृत निर्माण से जुड़े पटनीटॉप होटल भूमि अतिक्रमण मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 10.66 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति जब्त की है। इस संबंध में सोमवार को एक अधिकारी ने जानकारी दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के जम्मू उप-क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारी ने बताया कि जब्त की गई संपत्तियों में होटल हॉलिडे इन, होटल ब्रॉडवे, होटल हॉलीवुड और होटल माउंटव्यू की जमीन और इमारतें शामिल हैं। ईडी ने एक बयान में कहा कि इन संपत्तियों को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत अस्थायी रूप से जब्त किया गया है। बयान में कहा गया है कि सीबीआई, एसीबी और जम्मू द्वारा पटनीटॉप क्षेत्र में स्थित विभिन्न होटलों/गेस्ट हाउस/रिसॉर्ट/कॉटेज/आवासों के मालिकों/निदेशकों और पटनीटॉप विकास प्राधिकरण (पीडीए) के अधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की। आरोप है कि इन होटलों, गेस्ट हाउस और रिसॉर्ट्स ने आवासीय इमारतों का व्यावसायिक इस्तेमाल किया, स्वीकृत सीमा से अधिक निर्माण किया, और प्रतिबंधित क्षेत्रों (जैसे घने जंगल, कृषि भूमि और आवासीय इलाके) में अपना कारोबार चलाया। इस दौरान पीडीए के अधिकारियों ने नियमों के उल्लंघन को नजरअंदाज कर दिया।

दक्षिण कोरिया-अमेरिका के सैन्य अभ्यास से भड़का प्योंगयांग, परमाणु ताकत बढ़ाने की दी चेतावनी

विश्व केसरी■



सोल। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यासों की उत्तर कोरिया ने कड़ी आलोचना की है। नाराज प्योंगयांग ने अपनी परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को और मजबूत करने का संकल्प दोहराया है।

प्योंगयांग ने आरोप लगाया है कि दोनों देशों के सैन्य अभ्यास उसके खिलाफ परमाणु युद्ध की तैयारी का हिस्सा हैं। उत्तर कोरिया ने साफ किया, 'मौजूदा और भविष्य के खतरों से निपटने के लिए अपनी परमाणु ताकत बढ़ाना उसकी राष्ट्रीय रक्षा नीति का स्थायी हिस्सा है।'

योनहाप न्यूज एजेंसी ने उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) की ओर से सोमवार को प्रसारित एक बयान के हवाले से बताया कि सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की केंद्रीय समिति के प्रथम उप विभाग निदेशक किम जोंग-सिक ने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के 'आयरन मेस' सैन्य अभ्यास पर निशाना साधा।

किम ने इस अभ्यास को उत्तर कोरिया के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की तैयारी वाला बेहद खतरनाक युद्धाभ्यास करार दिया। उन्होंने दावा किया कि यह अभ्यास दिखाता है कि अमेरिका की परमाणु क्षमताओं और दक्षिण कोरिया की पारंपरिक सैन्य ताकत को एक साथ इस्तेमाल करने की रणनीति किस दिशा में आगे बढ़ रही है।

दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने 29 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सोल स्थित ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ मुख्यालय में यह टेबलटॉप सैन्य अभ्यास किया था। इसका उद्देश्य उत्तर कोरिया से पैदा होने वाले संभावित खतरों के खिलाफ दोनों देशों की संयुक्त प्रतिक्रिया और परमाणु प्रतिरोधक रणनीति को मजबूत करना था।

उत्तर कोरिया ने केवल आयरन मेस ही नहीं, बल्कि दक्षिण कोरिया और अमेरिका के हॉगुक तथा फ्रीडम फ्लैग अभ्यासों की भी आलोचना की। इसके अलावा अमेरिका और जापान के संयुक्त सैन्य अभ्यास 'कीन स्वॉर्ड' को लेकर भी आपत्ति जताई।

ऑस्ट्रेलिया के करीब 75 फीसदी लोगों ने माना, 'एक साल में देश और बंटा'

विश्व केसरी■



सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में राजनीतिक और सामाजिक विभाजन की खाई बढ़ती जा रही है। एक नए सर्वेक्षण में ये खुलासा हुआ है। करीब तीन-चौथाई नागरिकों ने माना कि उनका देश पिछले एक साल में पहले के मुकाबले अधिक बंट गया है। इसके साथ ही सरकार, राजनीतिक दलों और नेताओं पर जनता का भरोसा भी कमजोर हुआ है।

स्वतंत्र थिंक टैंक मैकिनॉन की ने ये सर्वे कराया। सर्वेक्षण में 41.9 प्रतिशत लोगों ने इस बात से पूरी तरह सहमति जताई कि ऑस्ट्रेलिया पिछले 12 महीनों में अधिक विभाजित हुआ है, जबकि 32.5 प्रतिशत ने इससे कुछ हद तक सहमति जताई। इस तरह कुल 74.4 प्रतिशत लोगों ने देश में बढ़ते विभाजन को महसूस किया।

सर्वेक्षण के मुताबिक, देश जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसे लेकर संतुष्ट लोगों की संख्या भी घटी है। वर्ष 2025 में 28.8 प्रतिशत लोगों ने खुद को बहुत या कुछ हद तक संतुष्ट बताया था, लेकिन 2026 में यह आंकड़ा घटकर 26.1 प्रतिशत रह गया। वहीं, देश की दिशा को लेकर पूरी तरह असंतुष्ट लोगों की संख्या में 7.2 प्रतिशत अंकों की वृद्धि दर्ज की गई।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, जून और जुलाई में हुए इस सर्वेक्षण में 4,000 से अधिक लोगों से ऑस्ट्रेलिया की राजनीतिक व्यवस्था, नेताओं और संस्थानों को लेकर उनकी राय पूछी गई।

सर्वेक्षण में संघीय नेताओं और राजनीतिक दलों पर भरोसे में गिरावट भी सामने आई। वर्ष 2025 में 35.9 प्रतिशत लोगों ने संघीय राजनेताओं पर पूरा भरोसा जताया था, जो 2026 में घटकर 30.5 प्रतिशत रह गया।

देवास में जान गंवाने वाले पुलिस अधिकारी के परिवार को एक करोड़ की सहायता और पत्नी को नौकरी

विश्व केसरी■



भोपाल। मध्य प्रदेश के देवास जिले में शराब माफिया के ट्रक से खातेगांव के नगर निरीक्षक दिलीप पुरी को रौंदे जाने के मामले ने राज्य की सियासत गरमा दी है। जहां कांग्रेस सीधे तौर पर माफिया और अपराधी की बढ़ती गतिविधियों पर सरकार पर हमलावर है, वहीं भाजपा कांग्रेस के माफिया से रिश्ते होने का आरोप लगा रही है। सीएम मोहन यादव ने इस घटना पर दुख जताया है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि देवास जिले के खातेगांव में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में कर्तव्य निर्वहन करते हुए थाना प्रभारी दिलीप पुरी के दिवंगत होने का समाचार अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस कठिन समय में शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ है। घटना की जांच के लिए स्पेशल डीजी उपेंद्र जैन को तत्काल घटनास्थल पर रवाना किया गया है। मामले में निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि वीर बलिदानी दिलीप पुरी की धर्मपत्नी को एसआई के पद पर अनुकंपा नियुक्ति एवं परिवार को 1 रुपए करोड़ की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। बाबा महाकाल से प्रार्थना है कि दिवंगत को अपने श्रीचरणों में स्थान और शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

वहीं, कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग ने आरोप लगाया है कि प्रारंभिक तौर पर जांच में इस मामले के तार सीधे कांग्रेस नेताओं से जुड़ते दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल जायसवाल की भूमिका इस पूरे मामले में सामने आई है। टिमरनी की जिस शराब दुकान से इस पूरे मामले के तार जुड़े हैं।

भाजपा की पदयात्रा के चलते लखनऊ में 22 मार्गों पर डायवर्जन

विश्व केसरी■



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा के 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान के तहत 3 नवंबर को राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर पदयात्राएं निकाली जाएंगी। लखनऊ में छह स्थानों पर प्रस्तावित पदयात्राओं को देखते हुए यातायात पुलिस ने शहर के 22 मार्गों पर यातायात डायवर्जन लागू किया है।

इसके तहत हजरतगंज से रॉयल होटल तक आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की अपील की है। इन पदयात्राओं में पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, विभिन्न मोर्चों और प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं के अलावा संतों, महात्माओं, व्यापारियों, शिक्षकों, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों और सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

यातायात पुलिस की ओर से जारी व्यवस्था के अनुसार, पदयात्राओं के दौरान संबंधित मार्गों पर आवश्यकतानुसार यातायात प्रतिबंधित और परिवर्तित किया जाएगा। हजरतगंज चौराहे से रॉयल होटल चौराहे की ओर सामान्य यातायात नहीं जा सकेगा। वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों से अपने गंतव्य तक पहुंचना होगा। डायवर्जन के दौरान संबंधित मार्गों पर यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी।

किसी भी आपात स्थिति में एंबुलेंस, शव वाहन, फायर सर्विस और अन्य आवश्यक सेवाओं के वाहनों को प्रतिबंधों के बावजूद रास्ता दिया जाएगा। यातायात संबंधी किसी भी असुविधा या जानकारी के लिए यातायात नियंत्रण नंबर 9454405155 पर संपर्क किया जा सकता है।

10 महीने, 22 हजार समुद्री मील और 11 देश का सफर पूरा कर स्वदेश लौटा आईएनएस सुदर्शिनी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के नौकायन पोत आईएनएस सुदर्शिनी ने अपना ऐतिहासिक अभियान 'लोकायन-26' सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। 22 हजार से अधिक समुद्री मील का सफर पूरा कर सोमवार को यह पारंपरिक डिजाइन वाला पोत कोच्चि लौटा आया। सुदर्शिनी ने एशिया, यूरोप, अफ्रीका और उत्तरी अमेरिका के समुद्री रास्तों से गुजरते हुए 11 देशों के 17 बंदरगाहों तक अपनी पहुंच बनाई। इस दौरान दो बार अटलांटिक महासागर को पार किया।

अलग-अलग समुद्री परिस्थितियों में लंबी दूरी तय करना चालक दल के लिए एक बड़ी चुनौती रही। कोच्चि पहुंचने पर आईएनएस सुदर्शिनी को वाटर कैनन की सलामी दी गई। नौसेना के बैंड ने पारंपरिक धुनों के साथ उसका स्वागत किया। दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना भी यहां मौजूदरहे। उन्होंने इस कठिन अभियान को सफल बनाने वाले अधिकारियों और नाविकों की जमकर सराहना की।

उन्होंने कहा कि चालक दल ने असाधारण धैर्य, पेशेवर दक्षता और कर्तव्य के प्रति समर्पण का परिचय दिया है। यह उपलब्धि भारतीय नौसेना की नौकायन परंपरा, समुद्री कौशल और संचालन संबंधी तैयारियों का प्रमाण है। आईएनएस सुदर्शिनी ने 20 जनवरी 2026 को कोच्चि से 'लोकायन-26' अभियान की शुरुआत की थी। इस यात्रा के दौरान सुदर्शिनी फ्रांस के प्रसिद्ध समुद्री विरासत महोत्सव 'एस्केल आ सेट' में भी शामिल हुआ।

वहीं, अमेरिका में आयोजित 'सेल-250' समारोह और अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक समीक्षा में भी भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व किया। इस अभियान का सबसे चुनौतीपूर्ण और उल्लेखनीय पड़ाव अटलांटिक महासागर में रहा। यहां आईएनएस सुदर्शिनी ने 18 दिनों में 2,200 समुद्री मील की दूरी केवल पाल के सहारे तय की। पूरे अभियान में पालों के दम पर तय की गई यह सबसे लंबी दूरी थी।

'उन्हें देश की प्रगति और आत्मगौरव रास नहीं...', राहुल गांधी पर सुधांशु त्रिवेदी का तीखा तंज

विश्व केसरी■



भुवनेश्वर। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा, 'पूरी दुनिया इस समय उथल-पुथल और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा-नीत एनडीए सरकार के तहत भारत इन मुश्किल वैश्विक हालात के बावजूद मजबूती से आगे बढ़ रहा है।'

भाजपा सांसद ने कहा, 'दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली इकॉनमी के तौर पर उभर रहा है। अभी दो दिन पहले, वर्ल्ड बैंक ने अपनी 2025 रिपोर्ट में गरीबी कम करने में भारत की कामयाबी की तारीफ की और पिछले 12-13 सालों में हुई बड़ी तरक्की को बताया। विश्व बैंक की ओर से कहा गया है कि जहां 2011-12 में 27 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा के नीचे थे, अब केवल 2.5 प्रतिशत लोग रह गए हैं। भारत विश्व में एआई, डिफेंस प्रोडक्शन और नई तकनीक के क्षेत्र में जिस तरह से आगे बढ़ रहा है। यह बहुत सी शक्तियों को अच्छा नहीं लग रहा है।'

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'दुर्भाग्य की बात है कि विपक्ष उन शक्तियों के हाथ में एक खिलौने के रूप में दिखाई पड़ने लगा है। देश हर क्षेत्र में आत्मगौरव के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन विपक्ष की ओर से जिस प्रकार का आचरण किया जा रहा है, ऐसा लग रहा है कि देश की प्रगति और आत्मगौरव उसे रास नहीं आ रहा है। इस वक्त देश के लोकतंत्र के लिए स्वयं कांग्रेस पार्टी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी खतरा बन गए हैं। मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि वे अराजकता उत्पन्न कर रहे हैं, लेकिन ठोस तथ्य यह है कि ओडिशा में कांग्रेस 25 वर्ष से गायब है।'

हॉकी को दुनियाभर में लोकप्रिय बनाने में भारत का योगदान महत्वपूर्ण: फ्लोरिस जेन बोवेलैंडर



विश्व केसरी ■

जालंधर। डच हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी फ्लोरिस जेन बोवेलैंडर ने पंजाब में 'एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026' देखने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निमंत्रण पर खुशी जताई है।

जालंधर के ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में जारी टूर्नामेंट के दौरान बातचीत करते हुए वर्ल्ड कप 1990 और ओलंपिक गेम्स 1996 में गोल्ड मेडलिस्ट फ्लोरिस जेन बोवेलैंडर ने कहा, 'मैं यह जानकर हैरान और गर्व भी महसूस कर रहा था कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मुझे याद रखा और इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा बनने के लिए व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया। यह निमंत्रण हॉकी के प्रति मुख्यमंत्री के अपार प्रेम का स्पष्ट प्रमाण है और इसी कारण मैंने जालंधर आने का निर्णय लिया।'

अक्टूबर 1985 से अगस्त 1996 तक के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान नीदरलैंड के लिए 241 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर 215 गोल करने वाले महान 'ड्रैग फ्लिकर' बोवेलैंडर ने भारत को विश्व हॉकी का पावरहाउस बताया।

ओलंपिक आंदोलन में एशियाई देशों, विशेष रूप से भारत और पाकिस्तान के योगदान का उल्लेख करते हुए फ्लोरिस बोवेलैंडर ने दुनियाभर में इस आंदोलन को लोकप्रिय बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

भारतीय हॉकी के साथ अपने पुराने संबंधों को याद करते हुए 'फ्लॉप', 'फ्लॉपी' और 'बूम बूम बोवेलैंडर' के नाम से मशहूर डच दिग्गज खिलाड़ी ने कहा कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय हॉकी से जुड़ी उनकी अधिकांश यादें पंजाब के खिलाड़ियों, विशेष रूप से सिख खिलाड़ियों, से जुड़ी हैं। बोवेलैंडर मानते हैं कि पंजाब के बिना भारतीय हॉकी की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

अपनी यात्रा के दौरान फ्लोरिस बोवेलैंडर ने पंजाब के 37 कोचों और पंजाब सरकार की देखरेख में चल रही 'सुरजीत हॉकी एकेडमी' के उभरते हॉकी खिलाड़ियों के साथ एक संयुक्त प्रशिक्षण सत्र में भी हिस्सा लिया। उन्होंने स्वयं हॉकी स्टिक पकड़कर हिट लगाए और खिलाड़ियों से ड्रैग फ्लिक भी करवाई। इस अवसर पर उनके साथ खेल विभाग से ओलंपिक पदक विजेता गुरजंट सिंह, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता जीवनजोत सिंह तेजा और हॉकी कोच अवतार सिंह भी मौजूद रहे।

अगली पीढ़ी के हॉकी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए फ्लोरिस बोवेलैंडर ने युवा प्रशिक्षुओं के साथ 'ड्रैग-फ्लिक' प्रशिक्षण सत्र में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने अपने व्यापक अंतरराष्ट्रीय अनुभव के आधार पर खेल से जुड़े महत्वपूर्ण तकनीकी सुझाव भी साझा किए।

पंजाब के खेल विभाग ने भी हॉकी के इस महान खिलाड़ी को खेल में दिए गए उनके शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया। पंजाब से मिले भरपूर प्यार और आत्मीयता से प्रभावित फ्लोरिस यान बोवेलैंडर ने 4 और 5 नवंबर को मोहाली स्थित 'ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर हॉकी स्टेडियम' में टूर्नामेंट के महत्वपूर्ण मैचों में भी शामिल होने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सेंथिलकुमार ने चेक ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में बनाई जगह



विश्व केसरी ■

ब्नो। भारत के वेलावन सेंथिलकुमार ने ब्नो में चल रहे चेक ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। 35,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस पीएसए कॉपर-लेवल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में उन्होंने फ्रांस के खिलाड़ी और विश्व नंबर 32 ऑगस्ट डुसॉर्ड को हराया।

सेंथिलकुमार ने सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाड़ी को 11-7, 12-10, 11-1 से मात दी। चौथे वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अब फाइनल में स्कॉटलैंड के ग्रेग लोबन (जो शीर्ष वरीयता प्राप्त हैं और विश्व रैंकिंग में 31वें नंबर पर हैं) का सामना करेंगे। सेंथिलकुमार इस सीजन में अपना दूसरा खिताब जीतने की कोशिश करेंगे।

शीर्ष वरीयता प्राप्त लोबन ने फ्रांस के तौफिक मेखल्फी को 11-9, 11-5, 11-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले, सेंथिलकुमार ने अर्जेंटीना के जेरेमियास अजाना को 11-3, 11-8, 11-7 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। पहले गेम में भारतीय खिलाड़ी ने अर्जेंटीना के जेरेमियास अजाना को आसानी से 11-3 से हराया। इसके बाद, रैलियां तेज, कड़ी और रोमांचक हो गई थीं। सेंथिलकुमार ने कोर्ट के अगले हिस्से में बेहतरीन खेल दिखाते हुए बाकी गेम 11-8 और 11-7 से अपने नाम किया था।

भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के विश्व नंबर 64 और आठवें वरीयता प्राप्त जेरेमियास अजाना को 11-3, 11-8, 11-7 से हराया था। इससे पहले, टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में उन्हें 'बाय' (सीधे अगले दौर में प्रवेश) मिला था, और दूसरे दौर में उन्होंने ब्राजील के डिएगो गोब्बी को 11-4, 11-7, 11-2 से मात दी थी।

अगस्त में, सेंथिलकुमार ने बुडापेस्ट ओपन के फाइनल में हंगरी के नंबर 1 खिलाड़ी बालाज फार्कस को सीधे गेम में हराकर अपना पहला पीएसए कॉपर-लेवल स्क्वैश खिताब जीता था। यह उनके करियर का अब तक का सबसे बड़ा खिताब था और कुल मिलाकर उनका दूसरा खिताब था। बुडापेस्ट में मिली यह जीत आइची-नागोया में हुए एशियन गेम्स 2026 से पहले आई है, जहां सेंथिलकुमार ने जोशना चिनप्पा के साथ मिलकर मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता था। वह कांस्य पदक जीतने वाली पुरुष टीम का भी हिस्सा थे। सेमीफाइनल में भारतीय पुरुष टीम को मलेशिया से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे वे तीसरे स्थान पर रहे।

मानवजीत सिंह संधू: विरासत में मिला शूटिंग का खेल, चार बार ओलंपिक में लिया हिस्सा, हासिल की कई बड़ी उपलब्धियां



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। मानवजीत सिंह संधू की गिनती भारत के दिग्गज ट्रैप शूटर्स में की जाती है। उन्होंने अपने करियर में कई बड़े मुकाम हासिल किए। मानवजीत ने चार बार ओलंपिक में हिस्सा लिया। इसके बाद ही वह आईएसएसएफ वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप 2006 में चैंपियन बनने वाले पहले भारतीय शॉटगन शूटर भी रहे।

मानवजीत सिंह का जन्म 3 नवंबर 1976 को पंजाब के अमृतसर में हुआ। मानवजीत को शूटिंग का खेल विरासत में मिला। उनके पिता गुरबी सिंह संधू खुद एक शूटर थे। ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता पिता मानवजीत के शुरुआत में कोच भी रहे और उन्होंने ही बेटे को इस खेल की बारीकियां सिखाईं। मानवजीत सबसे पहले सुर्खियों में 1998 में आए, जब उन्होंने एशियन गेम्स में दमदार प्रदर्शन करते हुए देश के लिए सिल्वर मेडल जीता। इसके बाद इसी साल में मानवजीत कॉमनवेल्थ गेम्स में भी देश का परचम लहराने में सफल रहे और उन्होंने गोल्ड मेडल पर निशाना लगाया।

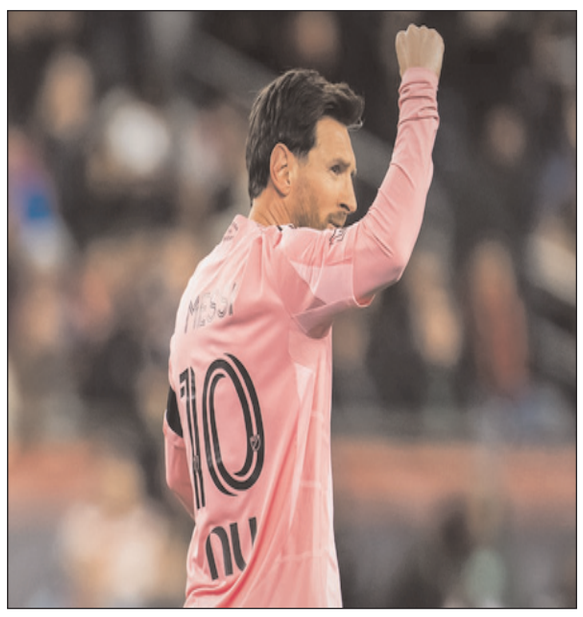
एक साल में दो बड़ी सफलता ने मानवजीत सिंह को देश और इंटरनेशनल स्तर पर पहचान दिलाने का काम किया। साल 2004 में हुए एथेंस ओलंपिक में उन्हें पहली बार देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

मेसी का शानदार प्रदर्शन, इंटर मियामी ने न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन को 2-1 से हराया

विश्व केसरी ■

फॉक्सबोरो। लियोनेल मेसी ने एक बेहतरीन असिस्ट और मैच के आखिर में किए गए गोल की मदद से इंटर मियामी को न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही टीम ने अगले साल होने वाले कॉन्काकैफ चैंपियंस कप में अपनी जगह पक्की कर ली है।

इस जीत से मियामी एमएलएस कप प्लेऑफ से पहले ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में नंबर 2 सीड की स्थिति में पहुंच गई है। इस सीजन में मेसी के नाम अब 26 गोल और 16 असिस्ट हो गए हैं। इसके साथ ही वह लगातार तीसरी बार एमएलएस एमवीपी अवार्ड और लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट' जीतने की रेस में सबसे आगे हो गए हैं।



पहले 45 मिनट तक दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला रहा और हाफ टाइम तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। इस दौरान इंटर मियामी को 28वें मिनट में एक अच्छा मौका मिला, जब मेक्सिकन खिलाड़ी बर्टेरामे ने बॉक्स के बाईं ओर से बाएं पैर से शॉट मारा, जिसे न्यू इंग्लैंड के गोलकीपर मैट टर्नर ने बचा लिया।

दूसरे हाफ में, 53वें मिनट में डेनियल गाजदाग के गोल की बदौलत मेजबान टीम (न्यू इंग्लैंड) ने खाता खोला। 69वें मिनट में इंटर मियामी ने शानदार टीम वर्क दिखाते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। सेगोविया ने बॉक्स के अंदर एक 'लॉब' पास दिया, जिस पर मेसी ने हेडर से गेंद को बर्टेरामे की तरफ बढ़ाया। बर्टेरामे ने बॉक्स के बीच से एक जोरदार हेडर लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। यह इस रेगुलर सीजन में बर्टेरामे का 10वां गोल था, जबकि मेसी का यह इस लीग सीजन का 16वां असिस्ट रहा।

83वें मिनट में इंटर मियामी ने मैच का पासा पूरी तरह से पलटा। एक बेहतरीन पासिंग सीक्वेंस के बाद मेसी ने निर्णायक गोल किया। सुआरेज ने बॉक्स के बाहर बीच में मेसी को गेंद दी, जहां अर्जेंटीना के इस स्टार खिलाड़ी ने तीन डिफेंडरों को छकाया। इसके बाद सेगोविया के साथ मिलकर वह बॉक्स के अंदर पहुंचे और एक सटीक शॉट के जरिए गेंद को गोल पोस्ट के निचले दाएं कोने में पहुंचा दिया।

इस गोल के साथ मेसी के कुल गोल की संख्या 26 हो गई है, जिससे वह एमएलएस 2026 गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे निकल गए हैं। वहीं, इस रेगुलर सीजन में सेगोविया के असिस्ट की संख्या 12 हो गई है। इसके बाद 1-2 की स्कोरलाइन अंतिम सीटी बजने तक कायम रहा, जिससे इंटर मियामी ने अपने घर से बाहर खेलते हुए तीन अंक हासिल किए।

टेस्ट सीरीज गंभीर के लिए निर्णायक होगी



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर का मानना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले टीम मैनेजमेंट को उन खिलाड़ियों के लिए रेड-बॉल (लाल गेंद) की तैयारी को प्राथमिकता देनी चाहिए थी, जो दोनों फॉर्मेट में खेल रहे हैं। उनका तर्क है कि यह सीरीज हेड कोच गौतम गंभीर और भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए बहुत अहम है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम को अलग-अलग हिस्सों में बांटने के फैसले पर नायर ने कहा कि अगर शुभमन गिल और केएल राहुल जैसे खिलाड़ियों को लाल गेंद (रेड-बॉल) क्रिकेट की तैयारी के लिए ज्यादा समय मिलता, तो यह उनके लिए फायदेमंद होता। उन्होंने यह बात खास तौर पर इसलिए कही, क्योंकि भारत हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज हार चुका है।

नायर ने माना कि भारतीय सरजमीं पर न्यूजीलैंड से मिली पिछली हार की याद अभी भी टीम के लिए निराशाजनक है। उनका मानना है कि भारतीय टीम को आगामी सीरीज में उसी जोश और आक्रामकता के साथ उतरना चाहिए और उस हार का करारा जवाब देना चाहिए।

मैक्स वेरस्टैपेन ने जीती मेक्सिको सिटी

जीपी, एंटोनेली बने सबसे युवा एफ-1 चैंपियन

विश्व केसरी ■

मेक्सिको सिटी। किमी एंटोनेली अब तक के सबसे युवा फॉर्मूला-1 वर्ल्ड चैंपियन बन गए हैं। मेक्सिको सिटी ग्रां प्री में तीसरे स्थान पर रहने के साथ ही मर्सिडीज के इस ड्राइवर ने 2026 का खिताब अपने नाम किया। वहीं, इस रेस में मैक्स वेरस्टैपेन ने लुईस हैमिल्टन को पीछे छोड़ते हुए जीत हासिल की।



20 साल और 68 दिन की उम्र में एंटोनेली ने सेबेस्टियन वेटेल का रिकॉर्ड तोड़ा। वेटेल ने 2010 में रेड बुल के साथ अपनी पहली चैंपियनशिप जीती थी, तब उनकी उम्र 23 साल और 134 दिन थी। ऑटोड्रोमो हर्मनोस रोड्रिग्ज में हुई 71-लैप की इस रेस में एंटोनेली को अपना पहला एफ-1 खिताब जीतने के लिए केवल नौवें स्थान पर रहने की जरूरत थी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था कि उनके प्रतिद्वंद्वी लुईस हैमिल्टन और मर्सिडीज के उनके साथी जॉर्ज रसेल किस स्थान पर रहते।

एंटोनेली ने कहा, 'हमने कर दिखाया और सच कहूं तो उनके बिना मैं यहां नहीं होता। मर्सिडीज और अपने परिवार के बिना यह मुमकिन नहीं था। मैं इस पल के लिए बहुत आभारी हूं, यह एक ऐसा पल है जो हमेशा याद रहेगा। मेरे पास शब्द नहीं हैं। मैं अभी भी यह समझने की कोशिश कर रहा हूं कि आखिर हुआ क्या है।'

फॉर्मूला-1 की रिपोर्ट के अनुसार, 20 वर्षीय एंटोनेली ने चौथे स्थान से शुरुआत की और अंतत: तीसरे स्थान पर रहे। इस रेस के दौरान उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा—वाल्टेरी बोटास के भीषण एक्सीडेंट के कारण रेस के बीच में 'रेड फ्लैग' आया, और बाद में अरविद लिंडब्लाड के क्रैश होने के कारण 'सेफ्टी कार' को मैदान में उतारना पड़ा।

वेरस्टैपेन ने इस सीजन की अपनी तीसरी जीत दर्ज की। उन्होंने फेरारी के लुईस हैमिल्टन को 0.799 सेकंड के अंतर से पीछे छोड़ा। ग्रिड पर पांचवें स्थान से शुरुआत करने वाले रेड बुल के इस ड्राइवर ने अंत में हैमिल्टन के दबाव का बखूबी सामना किया। उन्हें फेरारी की टीम के भीतर चल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा का भी फायदा मिला। लैंडो नॉरिस (मैकलारेन) के भारी दबाव को झेलते हुए लेक्लेर चौथे स्थान पर रहे। उनके पीछे जॉर्ज रसेल (मर्सिडीज) और पिट लेन से रेस में उतरे लियाम लॉसन (रेसिंग बुल्स) रहे। गैब्रिएल बोर्टोलेतो (ऑडी), रेड बुल के इसैक हजर - जिन्हें पहले ही लैप में रसेल की टक्कर के कारण स्पिन करना पड़ा था - और हास के लिए अपने एफ वन डेब्यू में उतरे यों हिराकावा (जिन्हें वीकेंड के बीच में बुलाया गया था) टॉप 10 में शामिल रहे।

विलियम्स के एलेक्स एल्बोन प्वाइंट्स के दायरे से ठीक बाहर रहे, जो अपने टीम के साथी कार्लोस सैन्ज से आगे थे। ऑस्कर पियास्त्री को लिंडब्लाड के साथ टक्कर के लिए 10 सेकंड की पेनल्टी मिली, जिससे वे खिसककर 13वें स्थान (पी13) पर आ गए। ओली बेयरमैन के साथ टक्कर के कारण निको हुल्केनबर्ग को 10 सेकंड की पेनल्टी मिली और वे 14वें स्थान (पी14) पर रहे। वहीं, अल्पाइन के फ्रेंको कोलापिंटो को भी 10 सेकंड की पेनल्टी दी गई।

भारत बनाम न्यूजीलैंड: वनडे सीरीज में इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी निगाहें, डेरिल मिचेल बन सकते हैं बड़ा खतरा



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का आगाज बुधवार (4 नवंबर) से होगा। टी20 सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम वनडे में भी दमदार प्रदर्शन करना चाहेगी। वहीं, न्यूजीलैंड आखिरी दो टी20 मैचों की अपनी फॉर्म को एकदिवसीय सीरीज में भी बरकरार रखना चाहेगी। आइए आपको ऐसे पांच खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिनके प्रदर्शन पर हर किसी की निगाहें रहने वाली हैं।

विराट कोहली: टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का यह न्यूजीलैंड का आखिरी दौरा माना जा रहा है। ऐसे में इस सीरीज में कोहली के प्रदर्शन पर हर किसी की निगाहें रहेंगी। विराट को न्यूजीलैंड में खेलना काफी रास आता है। उन्होंने यहां खेले 11 वनडे मैचों में 46 की औसत से 514 रन बनाए हैं। न्यूजीलैंड की सरजमीं पर कोहली एक शतक और 4 अर्धशतक लगा चुके हैं।

रोहित शर्मा: कोहली के साथ-साथ रोहित के लिए भी यह न्यूजीलैंड का आखिरी दौरा होगा। अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए यह सीरीज रोहित के लिए काफी अहम मानी जा रही है। तेज गेंदबाजों के अनुकूल परिस्थितियों में रोहित के ऊपर टीम को वनडे सीरीज में शानदार शुरुआत देने का दारोमदार होगा।

ग्लेन फिलिप्स: टी20 सीरीज में अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी से रिकॉर्ड्स की भरमार लगाने वाले ग्लेन फिलिप्स वनडे में भी टीम इंडिया के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। 5 मैचों की टी20 सीरीज में फिलिप्स ने कुल 341 रन बनाए और इस दौरान 3 अर्धशतक और एक शतक भी लगाया। फिलिप्स की बल्लेबाजी में आक्रामकता के साथ-साथ पारी को बुनने और स्कोरबोर्ड को चलाने की काबिलियत भी नजर आई है।

मोहम्मद सिराज: न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में मोहम्मद सिराज के पास खुद को साबित करने का सुनहरा मौका होगा। सिराज को इस साल सिर्फ 4 वनडे मैच खेलने का मौका मिला है और इस दौरान उन्होंने सिर्फ 4 विकेट चटकाए हैं।

नागर विमानन क्षेत्र के लिए नए नियम लागू करेगा केंद्र, 2027 से प्रभावी होंगे 'भारतीय वायुयान नियम'



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के नागर विमानन क्षेत्र के लिए एक नया और व्यापक नियामकीय ढांचा अधिसूचित किया है। नागर विमानन मंत्रालय के अनुसार, 'भारतीय वायुयान नियम, 2026' 1 जनवरी 2027 से लागू होंगे और लगभग नौ दशकों से लागू विमान नियम, 1937 का स्थान लेंगे।

नए नियम विमानन क्षेत्र के लगभग सभी प्रमुख पहलुओं को कवर करते हैं, जिनमें विमान पंजीकरण, एयरवर्थनेस सर्टिफिकेशन, विमान निर्माण, रखरखाव, उड़ान संचालन, कर्मियों के लाइसेंस और हवाईअड्डा संचालन से जुड़े विस्तृत प्रावधान शामिल किए गए हैं। इसके साथ ही विमान मालिकों, ऑपरेटरों, एयरलाइंस और अन्य विमानन हितधारकों की जिम्मेदारियां भी स्पष्ट रूप से तय की गई हैं।

नए ढांचे के तहत विमानों के पंजीकरण और एयरवर्थनेस प्रमाणन से संबंधित नियमों को विस्तार से परिभाषित किया गया है। इसमें यह सुनिश्चित करने के मानदंड शामिल हैं कि कोई विमान संचालन के लिए सुरक्षित और उपयुक्त है या नहीं। नियम विमान डिजाइन, निर्माण मानकों, संशोधनों और मरम्मत से संबंधित स्वीकृतियों को भी कवर करते हैं। सरकार ने विमानों के पूरे परिचालन जीवनकाल के दौरान नियमित निरीक्षण और रखरखाव को अनिवार्य बनाया है। एयरलाइंस और विमान संचालकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि विमान लगातार सुरक्षा मानकों का पालन करते रहें और उनकी एयरवर्थनेस बनी रहे।

नए नियमों में पायलटों, एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरों और एयर ट्रैफिक कंट्रोलरों सहित विमानन क्षेत्र के विभिन्न पेशेवरों के लिए योग्यता और लाइसेंसिंग मानकों को भी विस्तार से निर्धारित किया गया है। इसमें प्रशिक्षण, परीक्षा, अनुभव और चिकित्सीय फिटनेस संबंधी आवश्यकताओं के अलावा लाइसेंस के नवीनीकरण, निलंबन और रद्द करने की शर्तें भी शामिल हैं।

एयरलाइन संचालन से जुड़े प्रावधानों में फ्लाइट प्लानिंग, परिचालन प्रक्रियाओं और सुरक्षा मानकों पर विशेष जोर दिया गया है। पायलटों और केबिन क्रू के लिए फ्लाइट ड्यूटी और विश्राम अवधि से जुड़े नियम भी शामिल किए गए हैं, ताकि थकान से जुड़े जोखिम कम हों और उड़ान सुरक्षा मजबूत हो सके।

यात्रियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में टिकट मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता शामिल है। अगले वर्ष से एयरलाइंस को टिकट की कुल कीमत के साथ उसका विस्तृत ब्योरा भी देना होगा, जिसमें बेस फेयर, कर, शुल्क, रद्दीकरण शुल्क और रिफंड नीति की जानकारी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करनी होगी।

सर्दी-जुकाम से लेकर डायबिटीज तक, कपालभाति के इन 3 प्रकारों से मिलेगी राहत



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग को शरीर और मन को स्वस्थ रखने का एक बेहतरीन माध्यम माना जाता है। योग में कई ऐसी क्रियाएं शामिल हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मन को भी शांत रखने में मदद करती है। इन्हीं में से एक है, 'कपालभाति प्राणायम'। यह एक शुद्धिकरण क्रिया है, जिसमें सांस को तेजी से बाहर छोड़ा जाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, कफ दोषों को दूर करने और शरीर के शुद्धीकरण (षट्कर्म) के लिए कपालभाति के तीन प्रकार बताए गए हैं— 'वातक्रम कपालभाति', 'व्युत्क्रम कपालभाति' और 'शीतक्रम कपालभाति'। आइए जानते हैं इन तीनों प्रकारों के बारे में और इन्हें करने से किस तरह के फायदे होते हैं।

वातक्रम कपालभाति: यह कपालभाति का सबसे प्रचलित और मूल रूप है, जिसे सामान्यत: प्राणायाम की तरह अभ्यास किया जाता है। यह फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ाती है और सर्दी, राइनाइटिस, साइनोसाइटिस और अस्थमा जैसी समस्याओं से निजात दिलाने में मदद करती है। नाभि के सक्रिय संकुचन से जठराग्नि प्रदीप्त होती है, जिससे पाचन में सुधार होता है और मोटापा व मधुमेह (डायबिटीज) को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

इसके नियमित अभ्यास से तंत्रिका तंत्र मजबूत होता है, मानसिक स्पष्टता आती है और डिफॉल्ट मोड नेटवर्क को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

व्युत्क्रम कपालभाति: यह जल-आधारित एक शुद्धीकरण (शोधन) क्रिया है। इसमें गुनगुने नमकयुक्त जल को नाक (नासिका-छिद्रों) से अंदर खींचा जाता है और उसे मुंह के रास्ते बाहर निकाला जाता है। इसके नियमित अभ्यास से साइनस की समस्याओं से निजात मिलने लगती है, जिससे सामान्य सर्दी-जुकाम, साइनोसाइटिस और राइनाइटिस जैसी समस्याओं में आराम मिलता है। साथ ही, यह खोपड़ी के अग्र भाग को उत्तेजित करता है, जिससे मानसिक स्पष्टता बढ़ती है और चेहरे पर प्राकृतिक चमक (भाति) आती है।

शीतक्रम कपालभाति: यह क्रिया व्युत्क्रम कपालभाति के बिल्कुल विपरीत होती है। इसमें गुनगुना पानी मुंह में लेकर नासिका-छिद्रों के रास्ते बाहर निकाला जाता है। यह क्रिया सिर और श्वसन तंत्र से संबंधित सभी प्रकार के कफ दोषों को दूर करने में बेहद प्रभावी है। योगिक मान्यताओं के अनुसार, इसका नियमित अभ्यास चेहरे की झुर्रियों को दूर करने और त्वचा में प्राकृतिक चमक (कपाल की दमक) लाने में मदद करता है।

एनीमिया से बचने के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें, डब्ल्यूएचओ ने दी जरूरी सलाह

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। क्या आपको अक्सर थकान महसूस होती है? थोड़ा-सा काम करने पर कमजोरी लगती है या चक्कर आते हैं? इन समस्याओं की एक वजह शरीर में खून की कमी यानी एनीमिया भी हो सकती है। ऐसे में शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती। इससे रोजमर्रा के काम करना भी मुश्किल हो सकता है, हालांकि सही खानपान और जरूरी पोषक तत्वों की मदद से एनीमिया के कुछ प्रकारों से बचाव किया जा सकता है।



विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए एनीमिया से बचाव के लिए जरूरी टिप्स साझा किए हैं। संगठन के मुताबिक, अपनी डाइट में आयरन, फोलेट, विटामिन ए और विटामिन बी12 से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए।

आयरन शरीर में हीमोग्लोबिन बनाने के लिए जरूरी होता है। इसके लिए दालें, राजमा, छोले, बीन्स और हरी पत्तेदार सब्जियों को डाइट में शामिल करें। मांसाहारी लोग लीन रेड मीट और मछली जैसी चीजें भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। आयरन के बेहतर अवशोषण के लिए इसके साथ विटामिन सी से भरपूर खाद्य पदार्थ खाना फायदेमंद होता है।

विटामिन सी शरीर को भोजन से आयरन सोखने में मदद करता है। इसके लिए संतरा, नींबू, अमरूद, आंवला और अन्य विटामिन सी से भरपूर फल खा सकते हैं। उदाहरण के लिए, दाल या हरी सब्जियों के साथ नींबू का रस लेना एक आसान विकल्प है।

पालक, मेथी और सरसों जैसी गहरे हरे रंग की पत्तेदार सब्जियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं। इनमें फोलेट भी पाया जाता है, जो लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। इसके अलावा गाजर, कद्दू और शकरकंद जैसी नारंगी व पीले रंग की सब्जियां विटामिन ए का अच्छा स्रोत हो सकती हैं।

योग केवल आसन नहीं : यम और नियम के बिना अधूरी है साधना

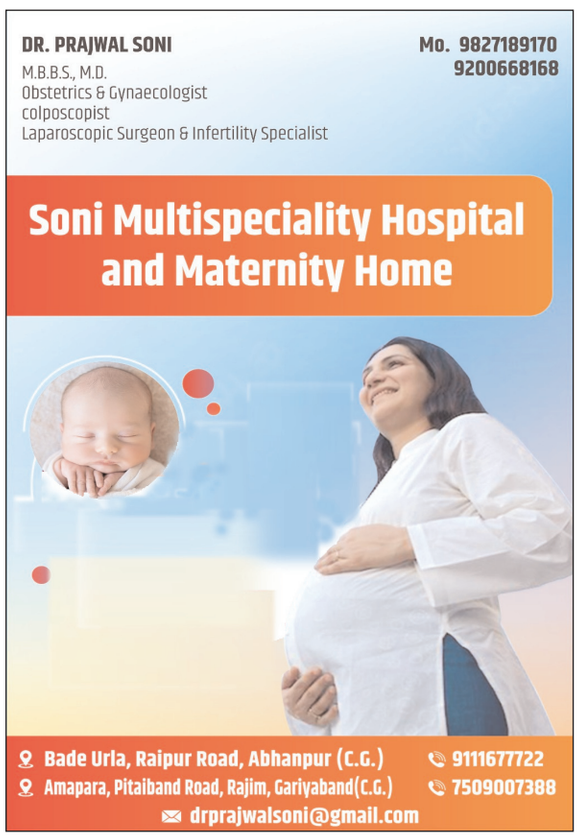
विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल लोग खुद को फिट और तनावमुक्त रखने के लिए योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि योग का असली मतलब सिर्फ शारीरिक अभ्यास करना नहीं है? योग एक ऐसी जीवनशैली है, जो हमें शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ अपने व्यवहार, विचारों और आदतों को बेहतर बनाना भी सिखाती है। योग साधना में यम और नियम का विशेष महत्व है। इनके बिना योग को पूरी तरह समझना मुश्किल है। योग दर्शन में यम और नियम को योग के शुरुआती दो अंग माना गया है। ये व्यक्ति के सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन को अनुशासित बनाने के सिद्धांत हैं। जहां यम हमें दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए, यह सिखाता है, वहीं नियम हमें अपने जीवन और आदतों को बेहतर बनाने की प्रेरणा देते हैं। यम के पांच प्रमुख सिद्धांत हैं। पहला है अहिंसा, जिसका मतलब है किसी भी जीव को मन, वचन और कर्म से चोट न पहुंचाना।







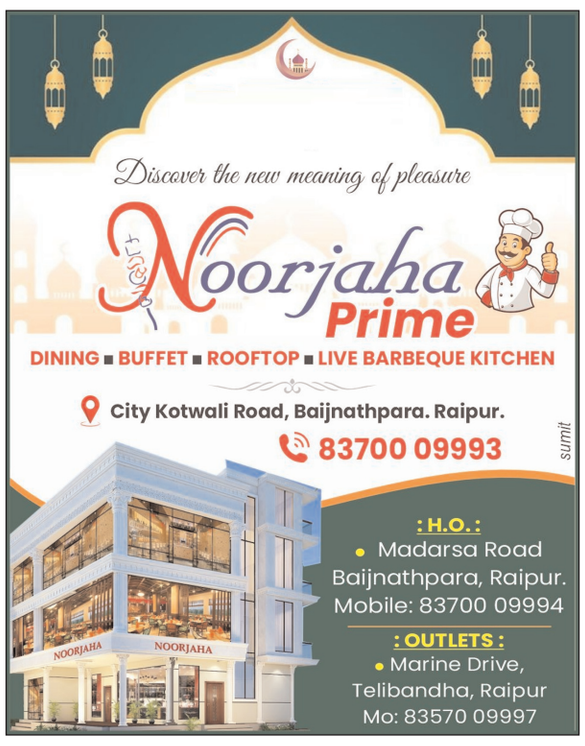














बस्तर नगर की जल प्रदाय योजना पर उठे सवालिया निशान

मारकंडी नदी से पानी लेने को लेकर विरोध, खोरखोसा में फिल्टर प्लांट लगाने की मांग

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। बस्तर नगर की नई जल प्रदाय योजना पचड़े में पड़ती नजर आ रही है। मारकंडी नदी के आसपास के गांवों के ग्रामीण चाहते हैं कि बस्तर जल प्रदाय योजना का अमृत उन्हें भी मिले। उधर क्षेत्रीय विधायक लखेश्वर बघेल इस बात से नाराज हैं कि उनके ही निर्वाचन क्षेत्र की इस महति योजना को लेकर उनके (विधायक) द्वारा दिए गए सुझाव को दरकिनार कर दिया गया है। बघेल चाहते हैं कि बस्तर में इंद्रावती का पानी लाया जाए।

अमृत मिशन के तहत नगर पंचायत बस्तर के लिए चपका के नजदीक ग्राम पंचायत खोरखोसा के सुकुलगुडा गांव से मारकंडी नदी का पानी लेने की बस्तर जल प्रदाय योजना विवादों में घिरती नजर आ रही है। पीएचई विभाग ने मारकंडी नदी का रॉ वॉटर बस्तर नगर तक ले जाने और वहां फिल्टर प्लांट लगाकर नगरीय क्षेत्र में साफ पानी सप्लाई करने का प्रोजेक्ट तैयार किया है। वहीं नदी के पास के गांवों के ग्रामीण चाहते हैं कि चपका-खोरखोसा के पास इंटेक वेल बनाकर पानी लेने के साथ ही फिल्टर प्लांट भी यहीं बनाया जाए और पानी यहीं साफ करके रॉ वाटर के स्वरूप की बजाय शुद्ध किया हुआ पानी बस्तर भेजा जाए।



चपका एनीकट में बनेगा इनटेक वेल

बस्तर जलप्रदाय योजना के लिए मारकंडी नदी के चपका एनीकट में इंटेकवेल का निर्माण किया जाएगा। वहां से रॉ-वॉटर पाइप लाइन के जरिए नदी का पानी जल शोधन संयंत्र तक पहुंचाया जाएगा। 3 एमएलडी क्षमता वाले संयंत्र में पानी के शुद्धिकरण के बाद इसे बस्तर शहर में पेयजल आपूर्ति के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। वर्तमान में वहां प्रत्येक व्यक्ति को औसतन 65 लीटर प्रतिदिन पेयजल उपलब्ध हो रहा है। नई योजना के पूर्ण होने पर यह मात्रा बढ़कर 135 लीटर प्रतिदिन हो जाएगी। इससे घरेलू जरूरतों के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ेगी और नागरिकों को पर्याप्त शुद्ध पेयजल मिलेगा। योजना का काम जून 2028 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया। इसके साथ ही 500 किलोलीटर क्षमता का एक उच्च स्तरीय जलागार भी बनाया जाएगा। शहर में पेयजल वितरण के लिए 73 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जाएगी।

खोरखोसा में फिल्टर प्लांट बनने पर आसपास की जल संकटग्रस्त ग्राम पंचायतों खोरखोसा, मावलीगुड़ा, इच्छापुर, दुबे उमरगांव, रेटावंड के दर्जन भर से ज्यादा बसाहटों को भी इसी फिल्टर प्लांट से साफ पानी मिल सकेगा और बस्तर नगर पंचायत के लोगों की भी प्यास बुझ सकेगी। वहीं बस्तर में फिल्टर प्लांट लगाने पर इन गांवों तक अलग से पाइप लाइन बिछाकर शुद्ध पानी वापस लेकर आना अव्यवहारिक होगा और लागत भी बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन ने बस्तर जिले की नगर पंचायत बस्तर में शुद्ध और सुरक्षित पेयजल के लिए नई जलप्रदाय योजना को मंजूरी दी है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के राज्य शहरी विकास अभिकरण ने अमृत मिशन 2.0 के अंतर्गत बस्तर की नई जलप्रदाय योजना के लिए 57 करोड़ 71 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इस महत्वाकांक्षी योजना के पूरा होने के बाद बस्तर शहर में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पेयजल की उपलब्धता मौजूदा 65 लीटर से बढ़कर 135 लीटर हो जाएगी। यानि हर व्यक्ति को रोजाना 70 लीटर अतिरिक्त शुद्ध पेयजल मिल सकेगा। योजना के तहत बस्तर शहर में करीब 73 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जाएगी और 2700 से अधिक घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए जाएंगे।

इंद्रावती ले लिफ्ट किया जाए पानी - प्रस्तावित प्रोजेक्ट से मैं पूरी तरह असहमत हूं। मैं बस्तर नगर के लिए पानी इंद्रावती से लेने की सलाह वे पहले ही दे चुका हूं। मारकंडी नदी में पानी कम रहता है। अगर योजना फाइनल भी हुई है, तो फिल्टर प्लांट बस्तर की बजाय चपका-खोरखोसा में बनना चाहिए, ताकि इन गांवों को पेयजल सप्लाई में प्राथमिकता मिल सके। इस संबंध में क्षेत्र के ग्रामीणों से जल्द ही चर्चा करूंगा।

किसानों के लिए आए सोलर उपकरणों को उड़ीसा में बेचने की साजिश का भांडाफोड़

सोलर पंप, पैनल और उपकरण लदे वाहन को पकड़ा ग्रामीणों ने

विश्व केसरी

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। ग्रामीणों ने सोलर पंप, प्लेटों और अन्य उपकरणों को उड़ीसा ले जा रहे एक पिकअप वाहन को पकड़ा है। कहा जा रहा है कि सोलर पंप, प्लेटें और उपकरण बकावंड विकासखंड के छिंदगांव के हैं। आरोप है कि इन्हे बेचने के लिए उड़ीसा ले जाया जा रहा था। मामले की सूचना एसडीएम को दे दी गई है।

छिंदगांव के ग्रामीणों पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 17 एलए 7223 को सोलर पंपों, प्लेटों और उपकरणों के साथ पकड़ा है। आरोप है कि ये तमाम उपकरण उड़ीसा में बेचने के लिए ले जाए जा रहे थे। ग्रामीणों ने एसडीएम को सूचना देकर जांच की मांग की है। बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड अंतर्गत छिंदगांव में सरकारी सोलर पंप योजना को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों के अनुसार शाम करीब 7 बजे एक पिकअप वाहन में सोलर पंप और संबंधित उपकरण लोड कर ले जाए जा रहे थे। संदेह होने पर ग्रामीणों ने वाहन



को रोककर पूछताछ की। ग्रामीणों का आरोप है कि वाहन में मौजूद लोगों ने उपकरणों को उड़ीसा में बेचने के लिए ले जाने की बात स्वीकार की। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल एसडीएम को सूचना दी। एसडीएम द्वारा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराने के निर्देश दिए जाने की बात सामने आई है। पिकअप वाहन पर लोहे के पाइप और अन्य उपकरण रखे हुए हैं। हालांकि, इन उपकरणों की वास्तविक पहचान, संख्या, स्वामित्व और सरकारी योजना से संबंध की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। यदि किसानों को सरकारी अनुदान पर दिए गए सोलर पंपों को नियमों के विरुद्ध खरीदा-बेचा जा रहा है, तो यह गंभीर अनियमितता का मामला हो सकता है। प्रशासन को पता लगाना होगा कि उपकरण किन हितग्राहियों को आवंटित किए गए थे और वे खेतों से निकलकर पिकअप तक कैसे पहुंचे।वाहन पर लदे उपकरण किस योजना के तहत आवंटित किए गए थे?

क्या संबंधित सोलर पंप किसानों के नाम पर दर्ज हैं? क्या हितग्राहियों ने स्वेच्छा से उपकरण बेचे या किसी ने दबाव बनाया? क्या इस मामले में कोई बिचौलिया या संगठित गिरोह सक्रिय है?

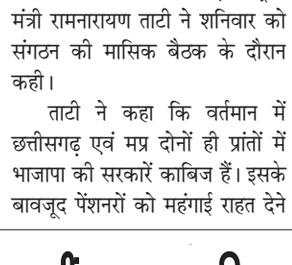
क्या संबंधित विभाग ने आवंटित उपकरणों का भौतिक सत्यापन किया था? क्या उपकरणों को दूसरे राज्य में ले जाने की अनुमति थी? इन सभी बिंदुओं पर जांच जरूरी है।

ग्रामीणों ने की निष्पक्ष जांच की मांग - ग्रामीणों ने प्रशासन से पिकअप वाहन और उसमें रखे उपकरणों की नियमानुसार जांच, दस्तावेजों का सत्यापन तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ एफआईआर सहित कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग भी की गई है।

दिवाली से पहले पेंशनरों ने जलाई महंगाई राहत आदेश की होली

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। केंद्र सरकार जब जब अपने कर्मचारियों एवं पेंशनरों के महंगाई राहत में वृद्धि करती है तो कायदे से राज्य सरकारों को भी इसका अनुकरण करते हुए केंद्र द्वारा देय तिथि से ही राज्य के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को महंगाई भत्ता, राहत प्रदान किया जाना चाहिए जो कि अक्सर होता नहीं है। महीनों इंतजार के बाद पेंशनरों को बिना एरियर के महंगाई राहत देना अन्याय है। माह जनवरी 26 से लंबित 2 प्रतिशत महंगाई राहत बिना एरियर के दिया जा रहा है जो कि पेंशनरों के साथ घोर अन्याय है। उक्त बातें



भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ बस्तर संभाग के संभागीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय मंत्री रामनारायण ताटी ने शनिवार को संगठन की मासिक बैठक के दौरान कही।

ताटी ने कहा कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ एवं मप्र दोनों ही प्रांतों में भाजापा की सरकारें काबिज हैं। इसके बावजूद पेंशनरों को महंगाई राहत देने के मामले में भेदभावपूर्ण नीति अपनाया गया है। मप्र सरकार ने अपने पेंशनरों को जहां जुलाई 26 से 2 प्रतिशत महंगाई राहत में बढ़ोत्तरी का आदेश जारी किया है, वहीं छत्तीसगढ़ सरकार ने 1 नवंबर से 2 प्रतिशत बढ़ोत्तरी का आदेश जारी किया है। ताटी ने कहा कि क्या मध्यप्रदेश की तुलना में छत्तीसगढ़ की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय है? जो भी हो पेंशनरों की नाराजगी देखते हुए सरकार को चाहिए कि अपने आदेश को तत्काल संशोधित करे। बैठक के दौरान संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष अब्दुल सत्तार खान का जन्मदिन उत्साह पूर्वक मनाया गया। उपाध्यक्ष सत्तार खान को सभी पेंशनर्स ने बधाई दी व फूलमालाओं से स्वागत किया। बैठक के बाद बिना एरियर के जारी महंगाई राहत आदेश की होली जलाकर पेंशनरों ने सरकार के प्रति अपनी नाराजगी जताई। इस मौके पर बड़ी संख्या में पेंशनर साथी एवं मातृ शक्ति मौजूद थे। महंगाई राहत आदेश संशोधन करने की मांग करने वालों में आर एन ताटी, किशोर कुमार जाधव, अब्दुल सत्तार खान, शिव कुमार मिश्रा, एलएस नाग, सुरेश कुमार दलाई, एमडी राठौर, धरम सिंह मंडावी, बीएस नेताम, पीसी जैन, विमल पांडे, हफीज खान, दीपक रंगारी, सुमन सिंह ठाकुर, मोतीलाल शोरी, गिरीश रावल, अनिता राज आदि मौजूद थे।

बस्तर संभाग के राशन विक्रेताओं की अनिश्चितकालीन हड़ताल

विश्व केसरी

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। बस्तर संभाग के समस्त शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालक एवं विक्रेता अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर 1 नवंबर 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। इस संभागीय स्तरीय आंदोलन को बीजापुर जिले के राशन विक्रेता साथियों ने भी अपना समर्थन दिया है।

छत्तीसगढ़ शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालक विक्रेता कल्याण संघ के नेतृत्व में आयोजित इस आंदोलन का उद्देश्य राशन विक्रेताओं की वर्षों से लंबित समस्याओं का निराकरण कराना



तथा उन्हें उनके कार्य के अनुरूप सम्मानजनक पारिश्रमिक एवं आर्थिक सुविधाएं दिलाना है।

राशन विक्रेता सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से गरीब, मजदूर, किसान एवं जरूरतमंद परिवारों तक खाद्यान्न पहुंचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं। इसके बावजूद उन्हें समय पर उचित कमीशन, लंबित भुगतान एवं अन्य आर्थिक सुविधाएं नहीं मिल पाने के कारण आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

आंदोलन की प्रमुख मांगें - वर्तमान महंगाई एवं कार्यभार को देखते हुए डीलर मार्जिन में सम्मानजनक वृद्धि की जाए। फरवरी 2025 से लंबित कमीशन सहित समस्त बकाया राशि का तत्काल भुगतान किया जाए। राशन वितरण में उपयोग किए गए बारदानों की लंबित राशि का भुगतान किया जाए। ई-पॉस मशीन के माध्यम से किए जाने वाले वितरण का अतिरिक्त कमीशन नियमित एवं समयबद्ध दिया जाए। शासन द्वारा निर्धारित वित्तीय पोषण राशि का भुगतान पुनः प्रारंभ कर पूर्व की बकाया राशि भी दी जाए।

सफाई कर्मचारी का पद नहीं बताकर महिला को हटाया दूसरी महिला से ले रहे काम



विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में ग्राम पंचायत मांदरी की कुं -बिमला दुग्गा ने कलेक्टर से स्कूल सफाई कर्मचारी के पद पर यथावत् रखे जाने गुहार लगाई है। ज्ञापन सौपने पश्चात बताया कि ग्राम पंचायत मांदरी कि बिमला दुग्गा पिता रामप्रसाद दुग्गा ग्राम मांदरी, तह.कांकेर ने की निवासी हूं। मुझे शाला प्रबंध समिति एवं प्राचार्य द्वारा 14.अगस्त 2023 को हाईस्कूल मांदरी में सफाई कर्मचारी के पद पर रखा गया था।

एनएमडीसी भर्ती में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने मुख्यमंत्री से मिला प्रतिनिधि मंडल

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। दंतेवाड़ा में एनएमडीसी की एल-1 एवं एल-2 भर्ती प्रक्रिया में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने तथा उन्हें रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने की मांग को लेकर एक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य मुलाकात कर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने स्थानीय युवाओं के हितों, भर्ती प्रक्रिया में उनकी सहभागिता तथा रोजगार के अवसरों से जुड़े विषयों पर मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराया।

बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि बस्तर के युवाओं को उनके



ही क्षेत्र में रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है।एनएमडीसी की एल-1 एवं एल-2 भर्ती सहित अन्य भर्ती प्रक्रियाओं में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए, ताकि उन्हें अपनी योग्यता और क्षमता के अनुरूप रोजगार प्राप्त हो सके। इस विषय पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का ध्यान आकृष्ट कराया गया है। हमें उम्मीद है कि स्थानीय युवाओं के हित में सकारात्मक पहल होगी।दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि दंतेवाड़ा सहित संपूर्ण बस्तर के युवाओं में प्रतिभा और कार्यक्षमता की कोई कमी नहीं है। जिस क्षेत्र के संसाधनों से देश के विकास को गति मिल रही है, उस क्षेत्र के स्थानीय युवाओं को भी रोजगार के माध्यम से विकास की मुख्यधारा से जोड़ना आवश्यक है। एनएमडीसी की एल-1 एवं एल-2 भर्ती में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देते हुए उन्हें न्यायसंगत अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए। हमारा निरंतर प्रयास है कि भर्ती प्रक्रिया में स्थानीय युवाओं की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित हो। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि एनएमडीसी की भर्ती प्रक्रिया में स्थानीय युवाओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक पहल की जाए, जिससे बस्तर के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें और क्षेत्र के विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो।

बस्तर फाइटर के 125 पदों पर भर्ती शुरू



विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। जिले में बस्तर फाइटर के 125 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है। पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा ने बताया कि भर्ती के लिए अगले 40 दिनों तक अभ्यर्थियों से आवेदन फॉर्म स्वीकार किए जाएंगे।भर्ती प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए फॉर्म जमा करने के लिए चार केंद्र बनाए गए हैं। अभ्यर्थी कांकेर स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के साथ ही तीन अनुविभागीय मुख्यालय भानुप्रतापपुर पखांजूर और अंतागढ़ में भी अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। एसपी निखिल राखेचा ने बताया कि बस्तर फाइटर में भर्ती के लिए स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि क्षेत्र के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के साथ ही नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके।

'हमर गांव, हमर रोजगार' से ग्रामीणों को मिलेगा रोजगार

150 किसानों को बांटे गए 6 हजार चूजे

विश्व केसरी

चारामा (संदीप मेश्राम)। ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सहभागी समाज सेवी संस्था द्वारा संचालित 'हमर गांव, हमर रोजगार' परियोजना के तहत सराहनीय पहल की गई है। परियोजना के अंतर्गत 1 नवंबर को ग्राम चांवड़ी स्थित सहभागी प्रशिक्षण केंद्र में चूजा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें चारामा विकासखंड के 14 आदिवासी बहुल गांवों के 150 किसानों को कुल 6 हजार चूजों का वितरण किया गया।



इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण किसानों और परिवारों को मुर्गीपालन गतिविधि से जोड़कर आय का अतिरिक्त साधन उपलब्ध कराना तथा गांवों में ही रोजगार के अवसर विकसित करना है। संस्था द्वारा केवल चूजों का वितरण ही नहीं, बल्कि किसानों को मुर्गीपालन के लिए आवश्यक प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है, ताकि वे इस गतिविधि को आय के स्थायी स्रोत के रूप में विकसित कर सकें।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को चूजों के उचित रखरखाव, संतुलित आहार, साफ-सफाई, टीकाकरण एवं नियमित देखभाल की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही मुर्गीपालन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और बेहतर उत्पादन के लिए आवश्यक उपायों से भी अवगत कराया गया। किसानों को इस गतिविधि को जिम्मेदारीपूर्वक संचालित कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में संस्था की प्रमुख एवं अध्यक्ष कलावती कश्यप, सचिव मुक्ता यादव, टीम लीडर निखिल साहू, फील्ड कोऑर्डिनेटर फनेश्वर गोती, बीमा गोडरा, मास्टर ट्रेनर नंदिता सोनवानी एवं दीपिका मसीह सहित कार्यालय स्टाफ गौकरण साहू, विकास मौहान, थनेश्वर साहू, समस्त सीआरपी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। संस्था की 'हमर गांव, हमर रोजगार' परियोजना के माध्यम से स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने, किसानों की आमदनी बढ़ाने और ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

हड़ताली 155 पटवारियों को ब्रेक इन सर्विस का नोटिस, कलेक्टर ने दिए काम पर लौटने के निर्देश

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। राजस्व पटवारी संघ के आह्वान पर 13 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गए जिले के 155 पटवारियों को जिला प्रशासन ने ब्रेक इन सर्विस (सेवा में व्यवधान) का कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

प्रशासन ने हड़ताली पटवारियों को तत्काल कर्तव्य पर उपस्थित होकर शासकीय कार्य संपादित करने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित अवधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करने और संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं देने पर सेवा नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। गौरतलब है कि जिले के पांच राजस्व अनुविभाग कांकेर, चारामा,



भानुप्रतापपुर, अंतागढ़ और पखांजूर में कुल 175 पटवारी पदस्थ हैं, जिनमें से 155 वर्तमान में हड़ताल पर हैं। पटवारियों के हड़ताल पर जाने से राजस्व विभाग के महत्वपूर्ण और समयबद्ध कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

डिजिटल क्रॉप सर्वे, गिरदावरी, एग्रीस्टैक पंजीयन, फसल सत्यापन, धान खरीदी के लिए किसानों के अभिलेखों का सत्यापन, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन तथा आय, जाति, निवास प्रमाण पत्रों की जांच जैसे कार्य लंबित हैं। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने वाली है, ऐसे में किसानों की भूमि और फसल संबंधी जानकारी का समय पर सत्यापन अति आवश्यक है। पटवारियों की अनुपस्थिति से किसानों और आम नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251